www.indianews.in

इंडिया न्यूज

नई दिल्ली

वर्ष-19 अंक 61, नई दिल्ली, पृष्ठ-12, सोमवार, 03 मार्च 2025, विक्रमी सम्वत-2081, शक सम्वत-1946, पूर्णिमांत-फाल्गुन, 17 प्रविष्टे 24 रज्जब हिजरी, 1446, अमांत-फाल्गुन, शुक्ल पक्ष चतुर्थी, मूल्य 3.00 रुपए

12

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानंद ने केमेर को...

10

'सोनचिड़िया' के 6 साल पूरे होने पर...

पीएम नरेंद्र मोदी जामनगर से सोमनाथ पहुंचे, प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा की, आज द्वारका और गिर जिलों का करेंगे दौरा

वनतारा में 27 करोड़ रुपए से तैयार किए हाईटेक मार्केट का किया उद्घाटन

3 दिवसीय यात्रा पर गुजरात पहुंचे हैं प्रधानमंत्री

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गत शनिवार को 3 दिवसीय यात्रा पर गुजरात पहुंच गए थे। रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' पहुंचे। 'वनतारा' का दौरा करने के बाद शाम करीब 5 बजे सोमनाथ पहुंचे।

यहां प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना करने के बाद 27 करोड़ रुपए से तैयार किए गए हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया। बता दें कि जामनगर में जानवरों के पुनर्वास के लिए बनाया 'वनतारा' दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। पीएम सोमवार को जामनगर, द्वारका और गिर जिले में कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी का विमान शनिवार रात करीब 8 बजे जामनगर पहुंच गया था। एयरपोर्ट से जामनगर के पायलट हाउस तक करीब 5 किलोमीटर लंबा रोड शो निकाला गया। इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए भारी संख्या में लोग जमा रहे। इसके बाद पीएम ने जामनगर के पायलट हाउस में ही रात्रि विश्राम किया।

लायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा 'वनतारा' (स्टार ऑफ फॉरेस्ट) कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत, घायल जानवरों का बचाव, उपचार, देखभाल और उनका पुनर्वास शामिल है। 'वनतारा' रिलायंस के जामनगर स्थित रिफाइनरी परिसर के 3,000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है। 'वनतारा' प्रोजेक्ट जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस पूरे इलाके को घने जंगल की तरह विकसित किया गया है। इस प्रोजेक्ट में अब तक घायल और अकेले छोड़ दिए गए 200 हाथियों को लाया जा चुका है। इनका ख्याल रखने के लिए 500 से ज्यादा प्रशिक्षित कर्मचारी नियुक्त किए हैं।

'वनतारा' में सिर्फ जानवर ही नहीं, पक्षी और सरिसृप का पुनर्वास भी शामिल हैं। यहां गेंडे, चीते समेत कई तरह के लुप्त हो रहे जानवरों का पुनर्वास किया जा रहा है। यहां विदेशों से भी उपेक्षित जानवरों को लाया गया है और उनकी पूरी देखभाल की जा रही है। यहां जानवरों-पशु-पक्षियों के लिए हाईटेक हॉस्पिटल भी बनाया गया है जोकि करीब 25 हाजर वर्ग फुट में फैला हुआ है।

समाज में शांति व सद्भाव लेकर आए रमजान : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रमजान के पवित्र महीने की शुरूआत पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। यह हमारे समाज में शांति और सद्भाव लेकर आए। यह महीना चिंतन, कृतज्ञता और भक्ति का प्रतीक है। साथ ही हमें करुणा, दया और सेवा के मूल्यों की याद दिलाता है। रमजान मुबारक! जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। लोगों को सुविधाएं मुहैया करवाना सरकार की जिम्मेदारी है। सीएम उमर ने बताया कि अधिकारियों को पूरे महीने बिजली और अन्य बुनियादी सेवाओं की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सभी को रमजान की शुभकामनाएं दीं। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रमजान मुबारक! यह पवित्र महीना आपके जीवन को खुशियों से भर दे और आपके दिलों को शांति प्रदान करे।

न्यूज ब्रीफ

खनौरी बॉर्डर पर 5 मार्च को भूख हड़ताल करेंगे 100 किसान

पटियाला। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन रविवार को दातासिंहवाला-खनौरी मोर्चे पर 97वें दिन में दाखिल हो गया। किसान नेताओं अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि 5 मार्च को जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन के 100 दिन पूरे होने जा रहे हैं। इस दिन खनौरी बॉर्डर पर 100 किसान एक दिन की सांकेतिक भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने देशभर में जिला व तहसील स्तरों पर किसानों को 5 मार्च को एक दिन की सांकेतिक भूख हड़ताल करने की अपील की। किसान नेताओं ने कहा कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर दातासिंहवाला-खनौरी, शंभू एवं रत्नपुरा किसान मोर्चों पर महिला पंचायतें आयोजित की जाएंगी। इनमें मंच से लेकर सभी बड़ी जिम्मेदारियां महिलाएं ही संभालेंगी। महिला वक्ता ही मंच से एमएसपी की गारंटी कानून पर विचार व्यक्त करेंगी। किसान नेताओं ने कहा कि मार्च में देशभर में प्रदेश स्तर पर एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर महापंचायत की जाएंगी। दूसरी ओर, किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब सरकार की ओर से नशे के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम पर ही बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व सेबी चीफ माधबी पुरी बुच व 5 अन्य के खिलाफ होगी एफआईआर

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और 5 अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने गत शनिवार को पारित आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा और 30 दिनों के भीतर मामले की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने कहा कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है जिसके लिए जांच जरूरी है। शिकायतकर्ता ने कथित अपराधों की जांच की मांग की थी।

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़, रोका तो गार्ड से मारपीट

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जलगांव के मुक्ताई नगर इलाके में एक मेले के दौरान कुछ लड़कों ने केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़छाड़ की। साथ मौजूद पुलिस सुरक्षाकर्मी का कॉलर पकड़ उसे धमकी दी। मामले की शिकायत खुद मंत्री रक्षा खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में की है। एसडीपीओ कृष्णत पिंगले ने बताया कि गत 28 फरवरी को कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी यात्रा में अनिकेत घुई और उसके 7 दोस्तों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की। हमने पॉक्सो एक्ट के साथ-साथ आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बाकियों की गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें भेजी गई हैं। पुलिस के मुताबिक, मेले के दौरान कुछ लड़कों ने रक्षा खडसे की बेटी से छेड़खानी की। लड़के रक्षा खडसे की बेटी और उसकी सहेलियों का वीडियो बना रहे थे। जब गार्ड ने देखा तो उसने लड़कों को रोका। उक्त लड़कों ने सुरक्षाकर्मी से मारपीट भी की।

हिमाचल प्रदेश, हरियाणा व पंजाब सहित उत्तर भारत में खिली धूप, अभी खराब मौसम से राहत के आसार नहीं

बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

उत्तराखंड में हिमस्खलन में फंसे सभी 54 मजदूर निकाले, 8 मरे

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक अधिकतर जगह रविवार को मौसम साफ हो गया और धूप खिली रही लेकिन सोमवार को हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर सहित कई जगह फिर बारिश के आसार हैं।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इन राज्यों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पंजाब में भी रविवार सुबह से धूप खिली रही। मौसम विभाग ने इस राज्य में भी सोमवार के लिए फिर से बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

इसके मुताबिक, प्रदेश में कई जगह तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। शुक्रवार को हुई बारिश के कारण रात के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमृतसर में तापमान सबसे कम 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। समूचे हिमाचल प्रदेश में भी रविवार को धूप खिली रही। सोमवार से राज्य में फिर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी है।

मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में भारी वर्षा की संभावना है। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में फिर बर्फबारी हो सकती है। जनजातीय क्षेत्रों में हिमखंड गिरने का खतरा है। लाहौल में 2 जगह हिमस्खलन हुआ भी है। चंबा-भरमौर राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ है।

हाल ही में हुई बारिश व बर्फबारी के कारण प्रदेश भर में करीब 250 सड़कें बंद हैं। मौसम खुलने पर रविवार को सड़कों को बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी रहा। राज्य में 300 से ज्यादा बिजली के ट्रांसफार्मर भी ठप हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार बागवानी फसलों के लिए बारिश व बर्फबारी अच्छी है।

जे एंड के में भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान

मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में भी सोमवार को फिर भारी बारिश व बर्फबारी का अनुमान है। हाल ही में हुई बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर कई जगह भूस्खलन हुआ है। कुछ जगहों पर पत्थर गिरे हैं तो कुछ जगह मिट्टी धंस गई है। खराब मौसम के चलते कश्मीर और जम्मू संभाग के विंटर जोन के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। स्कूल अब 7 मार्च को खुलेंगे। सभी स्कूल 1 मार्च को खुलने वाले थे।

नागरकुर्नूल सुरंग हादसा : 8 श्रमिकों को बचाने के प्रयास जारी

तेलंगाना में नागरकुर्नूल स्थित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर फंसे 8 श्रमिकों को बचाने के लिए बचाव अभियान रविवार को 9वें दिन में प्रवेश कर गया। गत 22 फरवरी को सुरंग का एक हिस्सा ढह गया था। तब से फंसे लोगों तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं।

उत्तराखंड में एवलांच: 4 शव और बरामद

उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमस्खलन में फंसे 54 के 54 मजदूरों को निकाल लिया गया है जिनमें से 8 की मौत हो गई है। 4 मजदूरों की मौत इलाज के दौरान शनिवार को हो गई थी, जबकि 4 शव रविवार को घटनास्थल से निकाले लिए गए। चमोली जिले में बद्रीनाथ मार्ग पर गांव माणा के पास गत 28 फरवरी को बर्फ का पहाड़ गिरने (हिमस्खलन) से कंटेनर हाउस में रुके सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 54 मजदूर फंस गए थे। पहले बताया जा रहा था कि 55 मजदूर फंसे थे। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार एक मजदूर कैंप से बिना बताए छुट्टी पर अपने घर चला गया था जिसके बाद स्पष्ट हुआ कि 54 मजदूर फंसे थे।

हरियाणा में 5 मार्च तक खराब रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा में 5 मार्च तक मौसम खराब रहने का अनुमान है। 3 दिन बारिश के बाद रविवार को राज्य में धूप खिली रही लेकिन साथ में ठंडी हवाएं चलती रहीं। पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 3 और 4 मार्च को राज्य के अधिकतर इलाकों में मौसम हल्का खराब रहने की संभावना है। 5 मार्च के बाद उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात को तापमान में फिर से गिरावट की संभावना है।

रोहतक को छोड़कर सभी जगह शांतिपूर्वक वोटिंग

नगर निकाय चुनाव : प्रदेश में मात्र 46 प्रतिशत मतदान

चंडीगढ़। प्रदेश में 9 नगर निगम समेत 40 निकायों के लिए रविवार (2 मार्च) को वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के मुताबिक, 6 बजे तक प्रदेश में 46% मात्र वोटिंग हुई है। इसमें बदलाव संभव है। रोहतक में भाजपा-कांग्रेस समर्थकों में झड़प को छोड़कर लगभग सभी जगह मतदान शांतिपूर्वक रहा। गुरुग्राम और हिसार समेत 6 जिलों में ईवीएम खराब होने की शिकायतें सामने आईं। हिसार में ढाई घंटे तक मतदान रुका रहा। कई स्थानों पर मशीनें बदलनी पड़ीं।

फर्जी मतदान की घटनाएं भी सामने आईं। झज्जर के बेरी में 3 लोग फर्जी वोटिंग करते पकड़े गए, जबकि हिसार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति पोलिंग बूथ की दीवार फांदकर भाग निकले। करनाल और गुरुग्राम में वोटर लिस्ट से नाम गायब होने की शिकायतें भी मिलीं। हिसार में भाजपा नेताओं को बूथ में जाने से रोका गया।

करनाल और कैथल में ईवीएम के बटन और स्याही को लेकर विवाद हुए। सभी ईवीएम मशीनें सील करके स्ट्रांग रूम में रख दी गई हैं। रिजल्ट 12 मार्च को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले 9 मार्च को पानीपत नगर निगम के लिए वोटिंग होगी।

फर्जी वोटिंग पर कई जगह हंगामा

हिसार के सेक्टर 16-17 कम्युनिटी सेंटर में बनाए गए पोलिंग बूथ में बोगस वोटिंग को लेकर हंगामा हो गया। लोगों ने फर्जी वोटिंग करने आए लोगों को पकड़ने की कोशिश की तो वह दीवार फांदकर बूथ से भाग गए। भाजपा उम्मीदवार डॉ. सुमन यादव ने आजाद उम्मीदवार सुमन श्योराण पर फर्जी वोटिंग करवाने के आरोप लगाए हैं। गुरुग्राम के फर्रुखनगर में वार्ड नंबर 3 में बोगस वोट डालने को लेकर हंगामा हो गया। एक व्यक्ति ने पीठासीन अधिकारी और बूथ एजेंट्स पर मिलीभगत का आरोप लगाया। वोटर ने अधिकारी से कहा कि मैं आप पर केस करूंगा। इसके अलावा, वार्ड 17 के गांव पलड़ा में युवक ने आरोप लगाया कि जब वोट डालने के लिए पहुंचा तो उसका वोट पहले ही कोई डालकर जा चुका था।

मेरे जिंदा रहने तक कोई नहीं होगा बहुजन समाज पार्टी का उत्तराधिकारी : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कभी राज करने वाली बसपा में अब घमासान चल रहा है। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद उनका यह दूसरा बड़ा फैसला है। वहीं आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी। दोनों को नेशनल को-आर्डिनेटर बनाया गया है। मायावती ने कहा कि अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते-नातों का कोई महत्व नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेंट पहले है। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते-नाते आदि सभी बाद में हैं। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में, पार्टी व मूवमेंट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चों का रिश्ता भी गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि न हो सके।

मैं हिंदू पैदा हुआ, हिंदू ही मरूंगा : डीके शिवकुमार

ईशा योग सेंटर में अमित शाह के साथ होने पर कांग्रेस नेताओं ने उठाया सवाल

बेंगलुरू। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने तमिलनाडु स्थित ईशा योग सेंटर में महाशिवरात्रि समारोह में शामिल होने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं हिंदू के रूप में जन्मा था और हिंदू के रूप में मरूंगा। डीके शिवकुमार ने कहा कि सद्गुरु कर्नाटक से हैं। वह कावेरी जल के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने आकर मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। वह महान काम कर रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक और नेता वहां थे इसलिए मैं वहां गया।

यह मेरी व्यक्तिगत आस्था है। उन्होंने कहा कि

मेरे निर्वाचन क्षेत्र में यीशु की 100 फुट ऊंची मूर्ति है। निर्माण स्थानीय लोगों ने करवाया। तब भाजपा ने मुझे 'येसुकुमार' कहा था। मैं सभी धर्मों, जातियों में विश्वास करता हूं। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा समाज में सभी को एक साथ लेकर चलने की है इसलिए कुछ लोगों को यह पसंद हो सकता है, कुछ को पसंद नहीं। गत 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर कोयंबटूर में ईशा योग सेंटर में कार्यक्रम हुआ था।

इसमें गृह मंत्री अमित शाह आए थे। कर्नाटक के डिप्टी सीएम भी इसमें गए। इस पर कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने कहा था कि राहुल गांधी की आलोचना करने वालों के साथ शिवकुमार मंच कैसे साझा कर सकते हैं? राजन्ना ने मीडिया से कहा था कि सद्गुरु ने खुद कहा था कि वह राहुल गांधी को नहीं जानते। शिवकुमार मुझसे बेहतर जानते हैं कि लोकसभा में हमारे नेता के बारे में क्या कहा जाता है। अब उन्हें ही जवाब देना चाहिए कि ऐसे लोगों के साथ मंच साझा करना कितना उचित है।

योजना

यूएस राष्ट्रपति ट्रंप की सुरक्षा गारंटी जरूरी, ये प्लान अमेरिका के सामने रखेंगे : ब्रिटिश प्रधानमंत्री

रूस से युद्ध रोकने का प्लान बनाएंगे यूक्रेन-ब्रिटेन-फ्रांस

कीर स्टार्मर ने लंदन में यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट बुलाई

लंदन। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के ब्रिटेन दौरे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसकी जानकारी दी है।

स्टार्मर ने कहा कि व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति से जेलेंस्की की बहस के बाद चारों देशों के नेताओं की बातचीत में इस प्लान का जिक्र हुआ। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि ट्रंप यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

कीर स्टार्मर ने लंदन में यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट बुलाई है। इसमें फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली समेत 13 देश शामिल होंगे। नाटो के

महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेजिडेंट भी इसमें मौजूद रहेंगे। जेलेंस्की भी इस बैठक में भाग लेंगे। इसमें शामिल होने के लिए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क, नाटो के जनरल सेक्रेटरी मार्क रूट समेत कई नेता पहुंच गए हैं।

पीएम कीर स्टार्मर ने डाउनिंग स्ट्रीट पर सभी का स्वागत किया। इससे पहले जब जेलेंस्की इंग्लैंड पहुंचे तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जेलेंस्की का गले लगाकर स्वागत किया। सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए।

ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए गत शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए। द कीव पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लोन को जी7 देशों की एक्सट्रा-ऑर्डिनरी रेवन्यू एक्सीलरेशन (ईआरए) पहल के तहत दिया गया है। इस लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदने में किया जाएगा।

दूसरी ओर यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन (ईयू) के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा।

इजरायल ने गाजा में मानवीय मदद की एंट्री रोकी

इजरायल ने रविवार को गाजा में जाने वाली मदद पर एंट्री बैन कर दी है। इजरायल और गाजा के बीच पहले फेज का सीजफायर गत शनिवार को खत्म हो गया। अगले फेज के लिए कोई सहमति न बनने के चलते इजरायल इससे पीछे हट गया है। इजरायली पीएम के ऑफिस ने इस फैसले को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है लेकिन ये चेतावनी दी है कि अगर हमास सीजफायर जारी रखने के अमेरिकी प्रस्ताव को नहीं मानेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। इजरायल ने अमेरिका समर्थित एक प्रस्ताव को अपनाने की बात कही थी जिसके तहत रमजान और पासओवर के दौरान सीजफायर जारी रखने की योजना थी। इसके बदले गाजा में बचे हुए आधे बंधकों को रिहा करने की शर्त रखी गई थी।

रमजान के पहले दिन इफ्तार के साथ श्रद्धालुओं ने खोला अपना रोजा

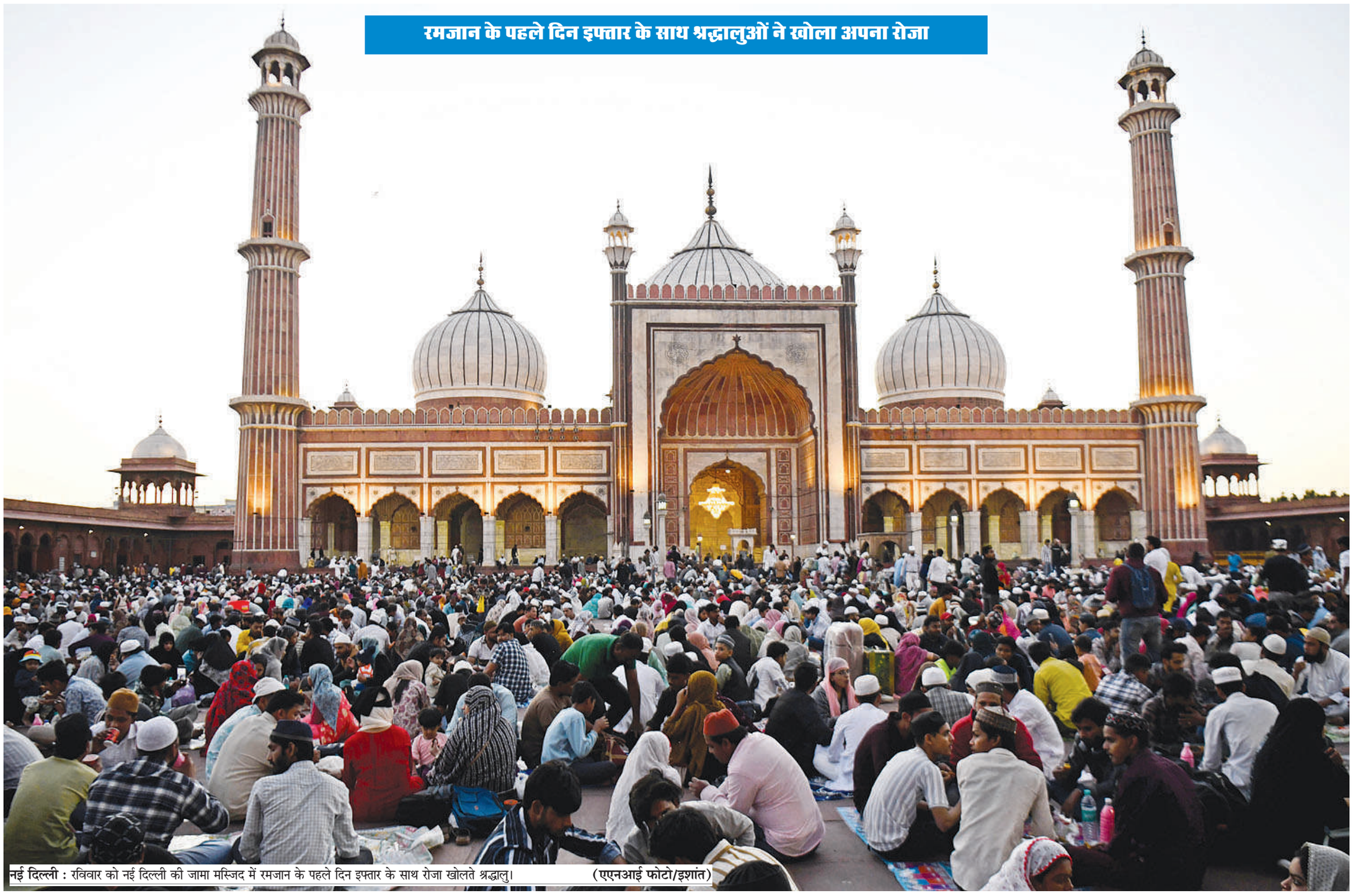

नई दिल्ली : रविवार को नई दिल्ली की जामा मस्जिद में रमजान के पहले दिन इफ्तार के साथ रोजा खोलते श्रद्धालु। (एएनआई फोटो/इशांत)

महिला की मौत, दो दमकलकर्मी भी झुलसे

चार मंजिला इमारत में आग लगने के बाद एलपीजी सिलेंडर फटा

नई दिल्ली। नबी करीम के मोतिया खान इलाके में रविवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना पुलिस के अलावा दमकल विभाग को दी गई। खबर मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। बचाव का काम अभी शुरू ही किया जा रहा था कि तीसरी मंजिल पर एलपीजी सिलेंडर फट गया। हादसे में दो दमकल कर्मी झुलस गए।

एसटीओ रविंदर सिंह और फायर ऑफिसर वेद को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी हैं। आग पर काबू पाने के बाद बचाव दल को चौथी मंजिल से 100 फीसदी जला हुआ एक महिला का शव बरामद हुआ। शव को मोर्चरी भेज दिया गया। मृतका की शिनाख्त हेमलता (40) के रूप में हुई है।

दोपहर तीन बजे मिली सूचना

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि रविवार दोपहर 3.01 बजे उनकी टीम को खबर मिली कि मोतिया खान मकान नंबर-10554 में आग लग गई है। सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की पांच गाड़ियां को यहां भेजा गया। करीब 25 गज की चार मंजिला इमारत में आग लगी थी। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान थी, जबकि पहली मंजिल पर एक दफ्तर बना हुआ था। दूसरी मंजिल पर हरिदर्शन और उनका परिवार रहता है।

पूरी इमारत में हेमलता अकेली थी

मकान की चौथी मंजिल पर हरिदर्शन की मां विमला और बहन हेमलता रहती थी। तीसरी मंजिल पर समान के अलावा इन लोगों ने रसोई बनाई हुई है। रविवार को छुट्टी होने की वजह से ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर ताला लगा था। हरिदर्शन परिवार के साथ किसी रिश्तेदारी में गए थे। इनकी मां विमला देवी सत्संग में गई थी। पूरी इमारत में हेमलता अकेली मौजूद थी। आग लगने के समय वह चौथी मंजिल पर सो रही थी। इस दौरान वह हादसे का शिकार हो गईं।

बचाव दल मौके पर पहुंचा तो हो गया धमाका

आग की सूचना मिलने के बाद दमकल अधिकारी एडीओ राजेश शुक्ला टीम के साथ वहां पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पहली मंजिल पर लगी आग धीरे-धीरे ऊपर पहुंच रही थी। इस बीच जैसे ही उनकी टीम वहां पहुंची अचानक तीसरी मंजिल पर रखे एलपीजी सिलेंडर में धमाका हो गया। ब्लास्ट से तीसरी मंजिल की दीवार के परखच्चे उड़ गए। आग ने पूरी इमारत को अपने कब्जे में ले लिया। इस बीच बचाव के दौरान दो दमकल कर्मी झुलस गए। आसपास की कई इमारतों को खाली करवा लिया लिया गया। बाद में किसी तरह आग पर काबू पाया गया। इसके बाद चौथी मंजिल से हेमलता का शव बरामद किया गया।

पति की मौत के बाद हेमलता रह रही थी मां के साथ

हेमलता अपने पति के साथ बदरपुर इलाके में रहती थीं। वर्ष 2021 में इनके पति की मौत हुई तो इन्होंने अपनी मां के साथ मोतिया खान इलाके में रहना शुरू कर दिया। हेमलता की कोई संतान नहीं थी। भाई हरिदर्शन ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने इमारत में घुसने का प्रयास किया, जिससे उनको मामूली लपटें लगीं। आग से पूरा घर जलकर खाक हो गया। बेटी की मौत के बाद विमला देवी का रो-रोकर बुरा हाल था।

एमसीडी का बजट सत्र आज से होगा शुरू, 19 मार्च को होगी अंतिम बैठक

नई दिल्ली। एमसीडी बजट सत्र सोमवार से शुरू होगा और 19 मार्च तक चलेगा। इस दौरान चार दिन बैठकें आयोजित की जाएगी, जिनमें बजट से संबंधित चर्चा होगी और महत्वपूर्ण सुझाव पेश किए जाएंगे। बजट सत्र की पहली बैठक सोमवार को होगी, जिसमें नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह बजट को लेकर अपने सुझाव देंगे। इसके बाद 10 और 12 मार्च को होने वाली बैठकों में पार्षद अपनी राय और संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। अंतिम बैठक 19 मार्च को होगी, जिसमें बजट को पारित किया जाएगा।

एमसीडी के इस बजट सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर खर्च की रूपरेखा तय की जाएगी। इसके अलावा कर नीतियों, नई योजनाओं और अन्य वित्तीय प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है। हालांकि कर तय कर दिए गए है। एमसीडी के एक्ट के अनुसार 15 फरवरी तक करों की दरें तय करना अनिवार्य है, जबकि मदों की राशि 31 मार्च तक तय की जा सकती है।

नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह की ओर से बजट के संबंध में सुझाव देने के दौरान आप सरकार को कटघरे में खड़ा करने की संभावना है। इसके अलावा वह बहुमत नहीं होने का हवाला देते हुए मेयर से त्याग पत्र की भी मांग करेंगे। लिहाजा बजट सत्र के दौरान सत्तारूढ़ दल आम आदमी पार्टी और प्रमुख विपक्ष दल भाजपा के बीच तीखी बहस होने की संभावना है।

खास कर आप के पास बहुमत नहीं होने पर भाजपा एमसीडी के वित्तीय प्रबंधन, लंबित परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े कर सकती हैं, जबकि सरकार अपनी नीतियों और योजनाओं को लेकर अपना पक्ष रखेगी। इतना ही नहीं, आप के लिए अपने प्रस्ताव पास कराना बहुत मुश्किल कार्य है। इस मामले में वह कांग्रेस का साथ मिलने पर ही कामयाब हो सकती है। इस तरह ब.जट सत्र में आप की राय आसान नहीं है।

स्कूलों में स्मार्ट फोन ले जाने पर कोई प्रतिबंधित नहीं, स्कूल रख सकेंगे निगरानी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्कूलों में स्मार्टफोन ले जाने के मामले में दिशा निर्देश तय किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों में छात्रों द्वारा स्मार्ट फोन ले जाने को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। हालांकि, स्कूल फोन की निगरानी कर सकेंगे। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की अदालत द्वारका स्थित केंद्रीय विद्यालय के एक छात्र की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में स्कूल में फोन बैन को लेकर दिशा निर्देश तय करने की मांग की गई थी। बहस के दौरान केंद्रीय विद्यालय संगठन ने तीन प्रमुख सर्कुलर सामने रखे, जिसमें स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर बैन की बात कही गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि फोन को लेकर अभी तक नकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में अदालत ने स्कूलों में फोन की अनुमति देते हुए अदालत के आदेश की एक प्रति सीबीएसई मुख्यालय को भेजे जाने के निर्देश दिए हैं।

अदालत ने तय किए दिशा निर्देश

1. छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन स्कूल में स्मार्टफोन के उपयोग की निगरानी की जानी चाहिए।
2. छात्रों को स्कूल में प्रवेश करते समय अपने स्मार्टफोन जमा करने और घर लौटते समय उन्हें वापस लेने की व्यवस्था होनी चाहिए।

विधानसभा में स्वास्थ्य विभाग पर आई कैग रिपोर्ट पर चर्चा होगी, सरकारी अस्पतालों की स्थिति चिंताजनक

नई दिल्ली। विधानसभा में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग से संबंधित कैग की रिपोर्ट पर चर्चा होगी। यह रिपोर्ट दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए कामकाज को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। भाजपा विधायक इस मामले को लेकर तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, सरकारी अस्पतालों की स्थिति, दवा आपूर्ति व्यवस्था और वित्तीय अनियमितताओं पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। खास बात यह है कि तीन दिन का निलंबन खत्म होने के बाद सोमवार को सदन में लौट रहे आप विधायकों के दोनों रिपोर्ट पर भाजपा विधायकों की बयानबाजी को लेकर हंगामा करने की आशंका है। दरअसल वह विधानसभा सत्र के पहले दोनों दिन हंगामा कर चुके हैं। इस कारण उनको तीन दिन के लिए निलंबित किया गया था। कैग रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि तत्कालीन आप सरकार कई स्वास्थ्य योजनाएं अपेक्षित परिणाम देने में नाकाम रही हैं, जिससे आम जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ा। सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है।

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने खुद के माथे में मार ली गोली

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिला के बाबा हरिदास नगर एरिया में दिल्ली पुलिस के एक एएसआई ने शनिवार देर रात खुद को गोली मारकर जान दे दी। मृतक की शिनाख्त भगतराम (55) के रूप में हुई है। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शुरूआती जांच के बाद पता चला कि बीमारी से परेशान होकर भगतराम ने यह कदम उठाया। पुलिस को भगतराम के घर से वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्टल बरामद की है। उसके कब्जे में लेकर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के बाद भगतराम का शव परिवार के हवाले कर दिया है। भगतराम के छोटे भाई यशपाल दिल्ली पुलिस में एएसआई हैं जबकि सबसे छोटे भाई अनिल कुमार हरियाणा पुलिस में इंस्पेक्टर हैं। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि शनिवार देर रात करीब 12.10 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि दिल्ली के एएसआई ने खुद को गोली मार दी है। पुलिस की टीम फौरन वेंकटेश्वर अस्पताल पहुंची। वहां पहुंचने पर भगत सिंह की मौत का पता चला। उनके भाई अनिल ने आत्महत्या की जानकारी दी। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि भगतराम परिवार के साथ पी-ब्लॉक, लक्ष्मी पार्क, बाबा हरिदास नगर में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी और दो बेटों के अलावा दो भाई व अन्य सदस्य हैं। अनिल ने पुलिस को बताया कि 11.50 बजे अचानक उनके भाई ने अपने कमरे में खुद की लाइसेंसी की पिस्टल से गोली मार दी।

सवाल

कैग रिपोर्ट में उठे सवाल: मरीजों को नहीं मिल रही सुविधा

धूल फांक रही दिल्ली की बाइक एम्बुलेंस सेवा

नई दिल्ली। पूर्वी, शाहदरा और उत्तर पूर्व दिल्ली के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मरीजों को तत्काल राहत देने के लिए शुरू की गई बाइक एम्बुलेंस अब धूल फांक रही हैं। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शुरू हुई योजना कुछ दिन चली, लेकिन कर्मचारियों के अभाव में योजना ने शुरू होने से पहले दम तोड़ दिया।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू हुई थी योजना

इस योजना के शुरू होने पर दिल्ली के भीड़-भाड़ इलाके में घायलों को तुरंत राहत मिलने की उम्मीद थी। दिल्ली विधानसभा में रखी गई कैग रिपोर्ट ने भी इस योजना पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए फरवरी 2018 में बाइक एम्बुलेंस को मंजूरी दी गई। इसमें मोटर साइकिलों का उपयोग कर-के प्रथम प्रतिक्रिया वाहन (एफआरवी) तैयार किए गए। पायलट प्रोजेक्ट के तहत मई 2018 में 12.84 लाख की लागत से 16 एफआरवी खरीदे गए। फरवरी 2019 में इन्हें पूर्वी, शाहदरा और उत्तर पूर्व जिलों को कवर करने के लिए तैनात किया गया। एफआरवी को नियमित सीएटीएस कर्मचारियों ने संचालित किया।

दोबारा योजना शुरू करने के नहीं हुए प्रयास

रिपोर्ट के ऑडिट में पाया गया कि इन एफआरवी को बाद में कर्मचारियों की कमी के कारण मार्च 2020 में वापस ले लिया गया। जून 2022 से सभी वाहन निष्क्रिय हैं। इन एफआरवी को चालू करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए। ऐसे में यह योजना मार्च 2020 से गैर-कार्यात्मक रही।

आउटसोर्स से कैट्स एम्बुलेंस में नहीं आया सुधार

घायलों को समय पर एम्बुलेंस की सुविधा देने के लिए 200 कैट्स एम्बुलेंस सुविधा को तीन साल के लिए अगस्त 2019 में आउटसोर्स किया गया। सेवा को देखते हुए इसे दो साल बढ़ा सकते थे। समझौते के तहत एजेंसी को 80 प्रतिशत कॉल में प्रतिक्रिया समय 15 मिनट के भीतर और शेष कॉल में 25 मिनट के भीतर रखना था। लेकिन दिसंबर 2019 तक एम्बुलेंस के औसत प्रतिक्रिया समय की गणना नहीं हुई। जनवरी 2020 से जुलाई 2020 के महीनों के दौरान औसत प्रतिक्रिया समय 28 से 56 मिनट के बीच था और सितंबर 2022 तक 15 मिनट तक सुधर गया।

निजी एम्बुलेंस को मनमाना किराया

कोरोना महामारी के दौरान दिल्ली में टीकाकरण के लिए 265 एम्बुलेंस और 250 टैक्सी/कैब को किराया पर लिया गया। किराए पर ली गई एम्बुलेंस-कैब की वास्तविक आवश्यकता की फिर से समीक्षा की गई (अक्टूबर 2021) और 135 एम्बुलेंस और 320 कैब किराए पर लेने का फैसला किया गया। किराए पर ली गई 135 एम्बुलेंस की अवधि को 31 मार्च 2022 तक बढ़ा दिया गया। रिपोर्ट में पाया गया कि दिल्ली ने आपात स्थितियों में अतिरिक्त एम्बुलेंस किराए पर लेने के लिए किसी एजेंसी को सूचीबद्ध नहीं किया था। दिशा-निर्देश के अभाव में कैट्स एम्बुलेंस को बेतरतीब ढंग से किराए पर लिया गया।

एम्बुलेंस 90 फीसदी नहीं रहे सक्रिय

आउटसोर्स एजेंसी के साथ समझौते के तहत एजेंसी को एम्बुलेंस के 90 प्रतिशत बेड़े को 100 प्रतिशत अपटाइम के साथ सक्रिय रखना है। जनवरी 2018 से दिसंबर 2021 की अवधि के दौरान आउटसोर्स एजेंसी को सौंपी गई एम्बुलेंस और कॉल योग्य एम्बुलेंस की औसत संख्या का विवरण दिया गया। इसमें एजेंसी 2018-20 के दौरान 90 प्रतिशत एम्बुलेंस को कार्यात्मक नहीं रख सकी। ऐसे में कैट्स एम्बुलेंस सभी कॉलों को अटेंड करने में असमर्थ रही।

प्रदेश उच्च गुणवत्ता वाले रेनबो ट्राउट के आंख वाले अंडों के निर्यात में अग्रणी

इंडिया न्यूज

शिमला। हिमाचल प्रदेश ने उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों को आपूर्ति करते हुए उच्च गुणवत्ता वाली रेनबो ट्राउट के आंख वाले अंडों के अग्रणी निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होकर प्रगतिशील ट्राउट हैचरी मछली पालकों ने केवल उत्तराखंड को 9.05 लाख रेनबो ट्राउट के आंख वाले अंडे उपलब्ध करवाए हैं।

इस वर्ष मत्स्य विभाग ने कुल्लू जिले के पतलीकूहल और हामनी, मंडी जिले के बरोट, शिमला जिले के धमवाड़ी, किन्नौर जिले के सांगला और चंबा जिले के थल्ला, होली और भंडाल में स्थित अपने आठ सरकारी फार्मों से 12.60 लाख रेनबो ट्राउट के आंख वाले अंडों और 1.74 लाख ब्राउन ट्राउट के आंख वाले अंडों का उत्पादन किया है।

इस प्रजाति की मछली का प्रजनन अभी भी जारी है, इसलिए आंख वाले अंडों का कुल उत्पादन 20 लाख से अधिक होने की उम्मीद है, जो सरकारी क्षेत्र में पिछले साल के 15.79 लाख से उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र से भी बराबर मात्रा में योगदान की उम्मीद है, जिसमें कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों में 9 कार्यात्मक हैचरी का सामूहिक रूप से 20 लाख आंख वाले अंडों के उत्पादन का लक्ष्य है। राज्य में कुल ट्राउट उत्पादन, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1,402 मीट्रिक टन था, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,600 मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है।

विभाग ने सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश को आंख वाले अंडों की आपूर्ति करने में कुल्लू के मछलीपालकों की सहायता की है। मंडी जिले के गांव स्वाद के शेर सिंह और मंडी जिले के जोगिंदर नगर क्षेत्र के गांव शानन के राजीव जसवाल और कुल्लू जिले के गांव फोजल की सरला नेगी जैसे प्रगतिशील मछलीपालकों ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्य के ठंडे पानी वाले क्षेत्रों में रेनबो ट्राउट उत्पादन को और बढ़ावा देने के लिए, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निदेशों के तहत मत्स्य विभाग ने कुल्लू के पतलीकुहल में ट्राउट फार्म में एक ठंडे पानी की रीसकुर्लेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम इकाई स्थापित की है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए वचनबद्ध प्रदेश सरकार : चौहान

उद्योग मंत्री ने राज्य स्तरीय सांस्कृतिक सम्मेलन के प्रतिभागियों को किया सम्मानित

इंडिया न्यूज

नाहन। उद्योग, संसदीय कार्य, श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने रविवार को नाहन के माता पद्मावती नर्सिंग कॉलेज में समग्र शिक्षा, डाइट सिरमौर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक सम्मेलन 2024-25 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इसमें हिमाचल प्रदेश के समस्त जिलों की 12 डाइट टीमों के लगभग 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोल रही है। उन्होंने कहा शिक्षा हमेशा से ही इस पहाड़ी राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य की साक्षरता दर 83 प्रतिशत से अधिक है, जबकि वर्ष 1971 में पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त करने के समय हमारी साक्षरता दर मात्र 7 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता में कुछ हद तक गिरावट दिखने में आई जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान सरकार ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए और इन प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छात्रों में सीखने का स्तर सबसे अधिक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक समय की मांग के अनुसार सुधार किए जा रहे हैं। उद्योग मंत्री ने कहा कि एक अध्यापक का बहुप्रतिभाशाली होना आवश्यक है, उन्हें अपनी संस्कृति, सभ्यता भाषा तथा रीति-रिवाजों की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि वह बच्चों को अच्छी और गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि दूर दराज क्षेत्रों में अध्यापकों के खाली पडे पदों को शीघ्र भर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों से एक ही शिक्षक को चुनने के बजाय, किसी विशेष संस्थान के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे एक टीम के रूप में कार्य करके बेहतर परिणाम ला सकें। चौहान ने माता पद्मावती नर्सिंग कालेज की प्रशिक्षु नर्सों की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्थान की नर्स ने अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए अपने संस्थान ही नहीं, अपितु प्रदेश का भी नाम रोशन किया है।

इससे पूर्व, उद्योग मंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपनिदेशक, प्रारंभिक शिक्षा राजीव ठाकुर ने मुख्य अतिथि को शाल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने विजेता रही डाइट टीमों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद सुरेश कश्यप, रमेश देसाई निदेशक एचपीएसआईडीसी उद्योग विभाग, भारत भूषण मोहिल निदेशक हि0प्र0 स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, आनंद परमार, रूपेन्द्र सिंह, एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान, रीता गुप्ता उप निदेशक शिक्षा एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा के अलावा समस्त जिला से आए डाइट के अध्यापक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

8 प्रतिशत राजस्व वृद्धि के साथ 31 करोड़ 90 लाख में नीलाम हुए चार टोल बैरियर

इंडिया न्यूज

नाहन। जिला सिरमौर में शनिवार को चार टोल बैरियर गत वर्ष की तुलना में 19,79,425 की अतिरिक्त राजस्व में बिके हैं। जिला सिरमौर में वित्त वर्ष 2025-26 की नीलामी प्रक्रिया शनिवार को उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा की अध्यक्षता में डीआरडीए हॉल में आयोजित हुई, जिसमें आबकारी एवं कराधान विभाग ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 31,90,25,950 की राशि में चार टोल बैरियर को नीलाम किया।

जबकि गत वर्ष का रिजर्व प्राइस 31,70,46,525 करोड़ की राशि का निर्धारित किया गया था। उपायुक्त आबकारी एवं कराधान विभाग सिरमौर हिमांशु पंवार ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए टोल बैरियर कालाअंब यूनिट 15,9,51,000 की राशि में बोलीदाता रमेश चौहान मेरठ यूपी के नाम रहा जो कि 9,47,500 अधिक राशि में नीलाम हुआ। जबकि गोविंदघाट बैरियर की बोली भी यूपी के रमेश चौहान के नाम 8,63,17,150 में रही जोकि गत वर्ष की तुलना में एक लाख रुपए अधिक है।

वहीं उन्होंने बताया कि बहराल बैरियर 7,08,00,000 में बोलीदाता मुजफ्फरनगर के विनोद कुमार के नाम पर छूटी जो कि रिजर्व प्राइज से 9,25,000 रुपए अधिक रही। वहीं मिनस बैरियर इस वर्ष के लिए 6925 रुपए में निर्धारित रिजर्व प्राइज अधिक में बिका जो कि शिलाई के अतर सिंह के नाम पर बोली रही जोकि 23,98,800 रुपए में बिका। एक बैरियर की नीलामी से गत वर्ष के मुकाबले इस बार 8.13 % की अधिक राजस्व वृद्धि हुई है।

जिला उपायुक्त राज्य कर एवं आबकारी विभाग हिमांशु पंवर ने बताया कि सभी यूनिटों का रिजल्ट प्राइस 31 करोड़ 70 लाख 46 हजार रखा गया था जिसके मुकाबले यह सभी बैरियर 31 करोड़ 90 लाख 25 हजार रुपए में नीलाम हुए है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से कालाअम्ब बैरियर 15 करोड़ 95 लाख 10 हजार रुपए में नीलाम हुआ है जिसका रिजर्व प्राइस 15 करोड़ 50 लाख 62500 रखा गया था ।

वहीं हरियाणा की सीमा से गोविंद घाट बेरियर का रिजल्ट प्राइस 8 करोड़ 62 लाख 17 हजार रखा गया था जो 8 करोड़ 63 लाख 17 हजार रुपये में नीलाम हुआ है।

'देश की संस्कृति और रीति-रिवाज को आगे बढ़ा रहे प्रदेश के युवा'

■ राज्य स्तरीय इंटर डाइट कल्चरल मीट के विजेताओं को उद्योग मंत्री ने किया सम्मानित ■ समापन में मंत्री हर्षवर्धन चौहान और सांसद सुरेश कश्यप रहे मौजूद

रमेश पहाड़िया

नाहन। उद्योग, संसदीय कार्य, श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चैहान ने आज नाहन के माता पदमावती नर्सिंग कॉलेज में समग्र शिक्षा, डाइट सिरमौर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक सम्मेलन 2024-25 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सिरकत की जिसमें हिमाचल प्रदेश के समस्त जिलों की 12 डाइट टीमों के लगभग 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है। इस उददेश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोल रही है। उन्होंने कहा शिक्षा हमेशा से ही इस पहाड़ी राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य की साक्षरता दर 83 प्रतिशत से अधिक है जबकि वर्ष 1971 में पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त करने के समय हमारी साक्षरता दर मात्र 7 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता में कुछ हद तक गिरावट दिखने में आई जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान सरकार ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए और इन प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छात्रों में सीखने का स्तर सबसे अधिक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक समय की मांग के अनुसार सुधार किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि एक अध्यापक का बहुप्रतिभाशाली होना आवश्यक है, उन्हें अपनी संस्कृति, सभ्यता भाषा तथा रीति-रिवाजों की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि वह बच्चों को अच्छी और गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि दूर दराज क्षेत्रों में अध्यापकों के खाली पडे पदों को शीघ्र भर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों से एक ही शिक्षक को चुनने के बजाय, किसी विशेष संस्थान के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे एक टीम के रूप में कार्य करके बेहतर परिणाम ला सकें। उन्होंने माता पद्मावती नर्सिंग कालेज की प्रशिक्षु नर्सों की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्थान की नर्स ने अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए अपने संस्थान ही नहीं, अपितु प्रदेश का भी नाम रोशन किया है। इससे पूर्व उद्योग मंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपनिदेशक, प्रारंभिक शिक्षा राजीव ठाकुर ने मुख्य अतिथि को शाल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने विजेता रही डाइट टीमों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद सुरेश कश्यप, रमेश देसाई निदेशक एचपीएसआईडीसी उद्योग विभाग, भारत भूषण मोहिल निदेशक हि0प्र0 स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, आनंद परमार, रूपेन्द्र सिंह, एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान, रीता गुप्ता उप निदेशक शिक्षा एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा के अलावा समस्त जिला से आए डाइट के अध्यापक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : डॉ. शांडिल

इंडिया न्यूज

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. शांडिल रविवार को सोलन जिला के कसौली विधानसभा क्षेत्र के जाबली में लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रदेशभर में 69 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान आरम्भ किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी ताकि लोगों को बेहतर उपचार प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कैंसर की रोकथाम तथा उपचार के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि कैंसर पीड़ित मरीजों को प्रदेश में ही कीमोथेरेपी तथा पीड़ाहर सुविधा प्रदान करने के लिए जिला अस्पतालों तथा चयनित ह्यआदर्श स्वास्थ्य केन्द्रोंह्न पर ह्यकैंसर डे केयर सेंटरह्न की स्थापना की जाएगी।

इस पहल से जहां कैंसर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी वहीं उनकी धन की बचत भी होगी। डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में नशा के प्रचलन पर पूर्णतया रोक लगाने व युवाओं को इस कुरीति से बचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के निदेशानुसार प्रदेशभर में नशे के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृति पर प्रतिबंध लगाने में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर कसौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद सुलतानपुरी, जोगिंद्रा सहकारी बैंक के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, नगर निगम सोलन के पार्षद सरदार सिंह ठाकुर, ईशा पाराशर, रोगी कल्याण समिति के सदस्य विनीश धीर, यूथ कांग्रेस के जिला महासचिव नितेश ठाकुर, कांग्रेस पार्टी के नेता संजीव ठाकुर, राजेश ठाकुर, अंकुश सूद, ग्राम पंचायत जाबली के वार्ड सदस्य ओम प्रकार, सुशील अत्री, मोहन दास, ललित अत्री, चमन शर्मा, तहसीलदार कसौली जगपाल सिंह, तहसील कल्याण अधिकारी सोलन सुरेंद्र ठाकुर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पटवारी-कानूनगो को मिला पंचायत प्रतिनिधियों और सेवानिवृत कर्मियों का साथ

इंडिया न्यूज

नाहन। संयुक्त पटवारी-कानूनगो की मांगों की हड़ताल को अब पंचायत प्रतिनिधियों और रिटायर्ड पटवारी-कानूनगो का समर्थन भी मिल गया है। जिला सिरमौर संयुक्त पटवारी-कानूनगो महासंघ की जिला मुख्यालय नाहन में जारी काम छोड़ो हड़ताल के दूसरे दिन पंचायत के प्रतिनिधि और रिटायर्ड पटवारी-कानूनगो संघ ने भी सरकार के निर्णय को किसी तरह से जनहित में नहीं बताया है। वहीं, पटवारी-कानूनगो को राज्य कैडर में शामिल करने के निर्णय का विरोध दर्ज करवाया है। जिला अध्यक्ष संयुक्त पटवारी-कानूनगो संघ जिला सिरमौर रजनीश शर्मा ने कहा कि महासंघ सरकार के राज्य कैडर में शामिल करने के निर्णय को किसी भी सूरत में नहीं मानेगा। वहीं, महासंघ ने इस दौरान वेतन विसंगतियों को दूर करने की पुरजोर मांग रखते हुए कहा कि ऐसे पटवारी और कानूनगो, जिन्होंने तीन जनवरी की बजाय चार जनवरी को जॉइनिंग ली उनके वेतन में सीधे प्रतिमाह 15 से 20 हजार का अंतर आया है, जिसे दूर किया जाए। महासंघ जिला अध्यक्ष ने कहा कि पटवारियों के वेतन को एक समान किया जाए। वहीं, नायब तहसीलदार के कोटे को 60 फीसदी से बढ़ाकर 80 फीसदी करने, पटवार कार्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध करवाने की पुरजोर मांग रखी है। महासंघ ने छठे वेतन आयोग से आई वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग उठाई है। संयुक्त पटवारी-कानूनगो महासंघ जिला सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन के जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर मांगों को लेकर हड़ताल करते हुए बैठा है। महासंघ ने मांगों के पूरा न होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है, जिसके चलते तहसील स्तर पर अब लोगों के राजस्व संबंधी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

उमंग फाउंडेशन की पहल पर पुलिस द्वारा रेस्क्यू मनोरोगी बुजुर्ग को मिली नई जिंदगी

इंडिया न्यूज

शिमला। "आप लोगों ने भगवान बनकर मेरे बुजुर्ग पिता की जिंदगी बचा ली। वरना शिमला की भीषण ठंड में वह मर जाते। पिछले 5 महीने से मेरी और मेरी मां की नींद उड़ी हुई थी जब खराब दिमागी हालत की वजह से वह कहीं चले गए थे।" यह कहते-कहते पानीपत के गांव जोधन का वजीर सिंह (35) फूट-फूट कर रो पड़ा।

वजीर सिंह के पिता रणबीर सिंह (65) को उमंग फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. अजय श्रीवास्तव के आग्रह पर छोटा शिमला थाना की एसएचओ ममता रघुवंशी ने तुरंत रेस्क्यू कर आईजीएमसी शिमला में मेडिकल चेकअप कराया और एक रात थाने में सुरक्षित रखा। वह काफी दिनों से भीषण ठंड में टालैंड के बस स्टॉप पर बने रेन शेल्टर में रह रहे थे। एसएचओ ममता रघुवंशी ने सिर्फ उन्हें रेस्क्यू ही नहीं कराया, बल्कि बातचीत में थोड़ा संदर्भ मिलने पर हरियाणा पुलिस के माध्यम से पानीपत की तहसील इसराना के गांव जोंधन खुर्द में उनके बेटे वजीर सिंह से संपर्क कर उसे शिमला बुला लिया। शनिवार को देर शाम छोटा शिमला थाने में पुत्र और उसके 5 महीने से लापता मनोरोगी पिता का मिलन किसी की भी आंखें नम कर सकता था। ममता ने उन लोगों को बस स्टैंड तक अपनी गाड़ी में छुड़वाया और रविवार को तड़के वे अपने घर पहुंच गए। सोलन की सामाजिक कार्यकर्ता और उमंग फाउंडेशन की सदस्य विजय लांबा ने गत वर्ष 24 दिसंबर को सोलन से रणबीर सिंह को बहुत खराब हालत में देखकर पुलिस के जरिए रेस्क्यू कराया था।

हैरानी कि बात यह है कि सोलन पुलिस ने मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017 के प्रावधानों के तहत न तो कोई कार्रवाई की और न ही उसके परिवार का पता लगाने का कष्ट किया। पुलिस ने उसे एक स्वयंसेवी संस्था के सुपुर्द कर दिया, जहां कुछ दिन रहने के बाद वह कहीं चला गया। वजीर सिंह का कहना है कि उसके अनपढ़ पिता कई दशक से मनोरोगी हैं। इस कारण मेहनत मजदूरी तक नहीं कर पाते थे। मां दिहाड़ी पर मजदूरी करती थी, जिससे घर का खर्च चलता था। पिछले वर्ष भी वह लापता हो गए थे और किसी से सूचना मिलने पर 2 महीने बाद मई में वह उन्हें पानीपत लाए थे। उसने प्रो. अजय श्रीवास्तव को फोन पर बताया कि अब पूरे गांव में शिमला की पुलिस और लोगों से उसके पिता का जीवन बचाने में मिली मदद की चर्चा हो रही है। प्रो. अजय श्रीवास्तव ने कहा कि एसएचओ ममता रघुवंशी द्वारा तुरंत की गई कार्रवाई से एक मनोरोगी बुजुर्ग का जीवन बचाया जा सका। उन्होंने कहा कि यदि किसी को कोई मनोरोगी बेसहारा हालत में दिखता है तो उसे पुलिस के माध्यम से रेस्क्यू करने का प्रयास करना चाहिए।

सफलता की कहानी: अनीता के हाथों से बनी पपीते और आंवले की बर्फी ने बनाई अलग पहचान

■ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कारोबार शुरू करके पेश की मिसाल ■ अब गांव की 10 अन्य महिलाओं को भी दे रही हैं रोजगार

इंडिया न्यूज

हमीरपुर। घी और तेल की चिकनाई तथा चीनी से परहेज करने वाले लोग भी क्या बर्फी, लड्डू-पेड़े के स्वाद का मजा ले सकते हैं? क्या इन लोगों को ऐसी बर्फी, लड्डू और पेड़े खाने को मिल सकते हैं, जिनमें घी, तेल और चीनी का प्रयोग ही न किया गया हो? क्या घी या तेल और चीनी के बगैर भी इस तरह की मिठाइयां बनाई जा सकती हैं? अमूमन, आपको इन सभी प्रश्नों के उत्तर तो ह्यनाह्न में ही मिलेंगे। लेकिन, हमीरपुर जिले के नादौन उपमंडल के एक छोटे से गांव जंदली गुजरां में आपको इस तरह की अत्यंत स्वादिष्ट, पौष्टिक गुणों से भरपूर और घी-तेल एवं चीनी से रहित मिठाइयां मिल जाएंगी।

ये गुणकारी मिठाइयां किसी बड़े उद्यम या फैक्टरी में नहीं बन रही हैं। बल्कि, एक आम ग्रामीण महिला द्वारा बनाया गया एक छोटा सा महिला स्वयं सहायता समूह ही ये मिठाइयां बना रहा है। राधे कृष्णा स्वयं सहायता समूह की इन गुणकारी मिठाइयों ने सिर्फ जिला हमीरपुर में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। नादौन उपमंडल के रंगस क्षेत्र के गांव जंदली गुजरां की अनीता ठाकुर ग्रामीण क्षेत्रों की आम महिलाओं की तरह ही अपना जीवन-यापन कर रही थीं। वह गाय-भैंस का दूध बेचकर हर माह कुछ आय अर्जित कर रही थी। अपनी आय बढ़ाने के लिए उन्होंने आतमा परियोजना की मदद से छोटे पैमाने पर पनीर और खोआ का उत्पादन शुरू किया। इसके बाद ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत महिला स्वयं सहायता समूह के गठन के लिए प्रेरित किया। अनीता ठाकुर ने राधे कृष्णा स्वयं सहायता समूह का गठन किया और कृषि विज्ञान केंद्र में अचार, चटनी, आंवला कैंडी और अन्य मिठाइयां बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कुछ वर्ष पहले पति की मृत्यु के बाद अनीता ठाकुर पर परिवार की पूरी जिम्मेवारी भी आ गई। इसलिए, उन्होंने अपनी आय बढ़ाने के लिए राधे कृष्णा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से पपीते और आंवले इत्यादि की मिठाई का उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया। आज यह समूह बड़े पैमाने पर पपीते और आंवले की बर्फी, लड्डू, पेड़े और कैंडी तैयार कर रहा है। इन सभी मिठाइयों में घी, तेल और चीनी का प्रयोग नहीं किया जाता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण घी और तेल की चिकनाई तथा चीनी से परहेज करने वाले लोग भी इन मिठाइयों का स्वाद ले सकते हैं। पौष्टिकता और अन्य गुणों से भरपूर ये मिठाइयां सिर्फ जिला हमीरपुर में ही नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों तथा बाहरी राज्यों में भी खूब पसंद की जा रही हैं। अनीता ठाकुर ने बताया कि मिठाइयों के उत्पादन से उन्हें काफी अच्छी आय हो रही है और इससे लगभग 10 अन्य महिलाओं को भी सीधा रोजगार मिल रहा है। उन्होंने इसी आय से नया मकान बनाया और लड़की की शादी भी की। वह अपनी दो अन्य बच्चों का पालन-पोषण भी कर रही हैं। इस प्रकार, अनीता ठाकुर ग्रामीण विकास विभाग की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन तथा अपने सराहनीय प्रयास के कारण अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरी हैं।

जोश में नहीं, होश में गाड़ी चलाएं : मुकेश

इंडिया न्यूज

मंडी। परिवहन विभाग द्वारा जिला प्रशासन मंडी के सहयोग से अन्तराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रोड सेफ्टी जागरूकता रैली निकाली गई। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने इस रैली को सेरी मंच से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली सेरी मंच से मंगवाई, चक्कर, नेरचौक होते हुए डडौर में जाकर संपन्न हुई। रैली में 100 बाइक और 25 कारें शामिल रही। रैली में उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने भी भाग लिया। वह बाईक पर सवार थे। रैली में शामिल बाईकर और चौपहिया वाहन चालक पूरी सेफ्टी के साथ निर्धारित गति में वाहन चला रहे थे।

उपमुख्यमंत्री रैली को हरी झंडी दिखाने के उपरांत अपने संदेश में कहा कि जोश में नहीं होश में गाड़ी चलाएं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में रोड सेफ्टी के प्रति लोगों को लगातार जागरूकता किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से गाड़ी चलाते समय जीवन पर्यन्त यातायात नियमों और कानूनों का अक्षरसः पालन करने, मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाने, तेज गति से वाहन न चलाने, वाहन का रखरखाव व नियमित जांच करवाने, उच्च मार्गों में अपनी लेन में चलने, सदैव सीट बैल्ट व दोपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग करने, वाहन चलाते समय मोबाईल का प्रयोग न करने, रात्रि में लो बीम का प्रयोग करने, नींद, थकान और तनावग्रस्त होने पर वाहन न चलाने, वाहनों में निर्धारित संख्या से अधिक व्यक्तियों को न बिठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर एचआरटीसी की बीओडी के निदेशक धमेंद्र धामी, जगदीश रेड्डी, एसपी मंडी साक्षी वर्मा, एडीएम डॉ. मदन कुमार, आरटीओ गिरीश समरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर एक्सप्रेस

जीआईबीएफ द्वारा चंडीगढ़ में 'इंडिया-एशिया बिजनेस कॉन्क्लेव' का भव्य आयोजन किया गया

चंडीगढ़। ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम जीआईबीएफ द्वारा आयोजित इंडिया-एशिया बिजनेस कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण चंडीगढ़ के ताज होटल में किया गया। देश भर से 200 से अधिक व्यापारिक नेता, निर्यातक-आयातक तथा एशियाई देशों के राजनयिक और राजदूत एशिया के गतिशील विकास और इसके उभरते बाजारों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। जीआईबीएफ एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चैंबर है,जो भारत और दुनिया के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस तरह के व्यापार सम्मेलनों का आयोजन करके भारत को एक प्रमुख वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले देशों में चीन, फिजी, वियतनाम, मलेशिया, नेपाल,फिलीपींस और इंडोनेशिया शामिल थे। कॉन्क्लेव की मुख्य अतिथि चंडीगढ़ की मेयर हरप्रीत कौर बबला और वरिष्ठ उप मेयर जसबीर सिंह बंटी थे। मुख्य अतिथियों में विभिन्न देशों के राजदूत और उच्चायुक्त मौजुद रहे। मेयर ने जीआईबीएफ की पहल की सराहना की और कहा चंडीगढ़ की मेयर के तौर पर मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हम आज यहां इस तरह के प्रभावशाली कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे हैं। जीआईबीएफ के संस्थापक डॉ.जितेंद्र जोशी ने कहा,हम भारत और पूरे एशिया में व्यवसायों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं,साथ ही पीएम मोदी के विकसित भारत के सपनों को साकार करने के लिए प्रयासरत है डॉ.जोशी, दीपाली गडकरी,चंडीगढ़ चैप्टर हेड विक्रम रावत ने मुख्य अतिथियों,राजदूतों और अन्य राजनयिकों को सम्मानित किया। अतिथियों द्वारा द बिजनेस टाइकून पत्रिका के विशेष संस्करण का उद्घाटन किया गया। जीआईबीएफ की सीक्रेटरी जनरल दीपाली गडकरी ने सभी अतिथियों का कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद किया।

महाराष्ट्र परिवहन विभाग के कार्यालय का भूमि पूजन, 2.5 साल में बनकर होगा तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन विभाग को नया भवन मिलने वाला है, जिसका भूमिपूजन रविवार को संपन्न हुआ। इस मौके पर महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पत्रकारों से बात करते हुए खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि 85 साल बाद परिवहन विभाग को अपना भवन मिल रहा है, जो ढाई साल में बनकर पूरा हो जाएगा। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पत्रकारों को बताया, "मैं खुद को बहुत खुशनसीब मंत्री मानता हूं, क्योंकि करीब 85 साल के बाद राज्य के परिवहन विभाग को खुद का एक कार्यालय मिलने वाला है। आज इसका भूमि पूजन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों से हो रहा है। 2.5 साल में ये इमारत तैयार हो जाएगी, जो अत्याधुनिक होगी। बगल में एयरफोर्स है, जिसके लिए हमें थोड़ा वक्त लगा, लेकिन सभी परमिशन लेकर आज भूमि पूजन हुआ। आगे 2027 तक हम परिवहन विभाग के 200 कर्मचारी और बाद में सभी अधिकारियों के साथ कार्यालय की शुरूआत करेंगे।" केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी से जलगांव में हुए छेड़छाड़ मामले पर प्रताप सरनाईक ने कहा, "केंद्रीय मंत्री हो या फिर आम इंसान की बेटी हो, महाराष्ट्र में बेटियों और बहनों को संरक्षण देना और उनका आदर करना हम अपना कर्तव्य समझते हैं। ऐसे में हमारे लिए केंद्रीय मंत्री की बेटी हो या फिर आम जनता या गरीब किसान की बेटी हो, सभी एक प्रकार ही हैं।" बता दें कि रक्षा खडसे की बेटी अन्य तीन-चार लड़कियों के साथ घूमने के लिए मुक्ताईनगर के कोटडी गांव में गई थी। इस दौरान कुछ बदमाशों ने उनके साथ छेड़छाड़ की। रक्षा खडसे ने बेटी के साथ हुई छेड़छाड़ को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। छेड़छाड़ करने वाले मनचलों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरे मामले को लेकर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को मीडिया से कहा, "शुक्रवार रात को मेरी बेटी मुक्ताईनगर में मेला देखने गई थी। इस दौरान कुछ लड़कों ने उसके साथ छेड़छाड़ की। इस मामले को लेकर आज मैं पुलिस स्टेशन आई हूं और दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।"

नवादा को 1243 करोड़ की सौगात, 37 स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नवादा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के दौरान 10 फरवरी को नवादा आए थे। यहां पर उन्होंने जिलेवासियों को 1243 करोड़ रुपये की सौगात दी थी। इसी के अंतर्गत में जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 37 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सीएम नीतीश से मिले करोड़ों की सौगात के बाद रविवार को समाहरणालय के सभागार में जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने बताया, प्रगति यात्रा के दौरान घोषि?त कुल 1243.57 करोड़ की लागत से नवादा जिले का चौमुखी विकास किया जाएगा। गोविंदपुर और सरकंडा के बीच सकरी नदी पर पुल के लिए कुल लागत राशि 55 करोड़, नवादा बाईपास हिसुआ जमुई राष्ट्रीय राजमार्ग 20 को जोड़ने वाली नहर पर से बाईपास, शादीपुर हॉट पर आरओबी के लिए 181.62 करोड़, नवादा नगर भवन के लिए 19.73 करोड़ और पकरीबरावां के कचना में ग्रिड के लिए 191.26 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने बताया, इनके अलावा रजौली अनुमंडल के करी गांव में डिग्री कॉलेज के लिए भी राशि दी गई है। यह डिग्री कॉलेज 5 एकड़ में बनाया जाएगा। नवादा नगर में 44 वार्डों में से 27 वार्डों में गंगाजल आपूर्ति योजना के लिए 200.61 करोड़, गोविंदपुर, हिसुआ, नरहट और सिरदला प्रखंड के अंचल भवन के लिए 99.72 करोड़, जिले के औद्योगिक क्षेत्र के लिए कुल राशि 31.24 करोड़ राशि का प्रबंध हुआ है। वहीं, नवादा शहर के 37 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इसके लिए कुल 4.98 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने बताया कि 200 बेड का सैया अस्पताल और मेडिकल कॉलेज, जो 20 एकड़ में बनेगा, उसके लिए कुल 401.68 करोड़ की लागत राशि तैयार की गई है। वहीं, नारदीगंज प्रखंड में धनार्जन नदी पर पुल के लिए 7.76 करोड़, हिसुआ प्रखंड के तिलैया नदी पर पुल के लिए 7.48 करोड़ की राशि आवंटित है। जिले के चौमुखी विकास के लिए कुल 1243.57 की राशि आवंटित हुई है।

मायावती ने आकाश आनंद को सभी पदों से हटाया, बढ़ा भाई का कद; बसपा की बैठक में बड़े फैसले

इंडिया न्यूजनेटवर्क

लखनऊ। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की प्रमुख मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद से अपना उत्तराधिकार छीन लिया है और उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। इसके साथ ही दो नए नेशनल को-आर्डिनेटरों की नियुक्ति की है। आकाश की जगह उनके पिता और बसपा के महासचिव रहे आनंद कुमार और सांसद (राज्यसभा) राम जी गौतम को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इसके साथ ही मायावती ने यह भी कहा है कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरे आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को लखनऊ में बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई थी। इसमें कई राज्यों के पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। बसपा प्रमुख ने पार्टी पदाधिकारियों के

साथ पार्टी की मौजूदा स्थिति और भविष्य में इसे मजबूत बनाने के उद्देश्य पर समीक्षा और चर्चा की। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए गए। पहले ही माना जा रहा था कि रविवार की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती अपने निर्णयों से चौंका सकती हैं। सुबह 11 बजे के करीब शुरू हुई इस बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती के अलावा, पार्टी नेता और उनके भाई आनंद, राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा आदि मौजूद रहे। हालांकि मायावती के भतीजे आकाश आनंद नजर नहीं आए। बसपा, पिछले लगभग एक दशक से हाशिए पर चल रही है। उन्होंने आकाश आनंद को 2022 में हुए यूपी विधानसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी दी थी। 10 दिसम्बर 2023 को आकाश आनंद को उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। पिछले साल मई में लोकसभा चुनाव के दौरान विवादित भाषण देने पर उन्होंने आकाश को अपरिपक्व बताते हुए सभी पदों से हटा दिया था। हालांकि कुछ दिन बाद ही जून महीने की 23 तारीरख को उन्होंने बसपा की बैठक में आकाश आनंद को फिर से नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने का ऐलान किया था। इसके साथ यह माना जा रहा था कि आकांश ही उनके उत्तराधिकारी हैं।

फैसलों से लगातार चौंका रही हैं मायावती

मायावती अपने फैसलों से लगतार चौंका रही हैं। राजनीति में परिवार को लेकर उनके निर्णय काफी उथल-पुथल वाले रहे हैं हाल ही में उन्होंने आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को भी हटा दिया था। अब उन्होंने यह साफ कर दिया है कि उनके जीते जी कोई उनका उत्तराधिकारी नहीं होगा। बैठक के बाद बसपा की ओर से जारी प्रेस विजप्ति में मायावती की ओर से कहा गया है कि मेरे लिए पार्टी और मूवमेंट पहले है। भाई-बहन और उनके बच्चे और अन्य रिश्ते-नाते आदि बाद में हैं। जब तक मैं जिंदा रहूंगी तब तक अपनी आखिरी सांस तक भी अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से पार्टी को आगे बढ़ाने का हर संभव पूरा प्रयास करती रहूंगी।

नीतीश 'ओल्ड मॉडल' हो चुके, बिहार को अब 'न्यू मॉडल' चाहिए : तेजस्वी यादव

इंडिया न्यूजनेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार अब विकास चाहता है। बिहार के लोग बिहार को विकसित देखना चाहते हैं। बिहार में सरकार नाम की चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब ओल्ड मॉडल हो चुके हैं और बिहार को अब न्यू मॉडल चाहिए। दरअसल, सोमवार को बिहार विधानसभा में 2025-26 का बजट पेश होना है, इससे पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 20 साल बिहार में एनडीए की सरकार है, इसके बाद डबल इंजन की सरकार भी रही, लेकिन आज भी बिहार प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, निवेश में सबसे पीछे है।

उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का यह आखिरी बजट होगा। उससे पहले बजट में कल आप महिलाओं के लिए कुछ अच्छा ऐलान कर दीजिए। भले ही मेरी योजना को कॉपी कर लीजिए, लेकिन महिलाओं को 2500 रुपए हर महीने दीजिए। बजट में प्रति महीना 200 यूनिट बिजली मुफ्त कर दीजिए, क्योंकि स्मार्ट मीटर से बिहार के लोग परेशान हैं। बिहार की महिलाएं महंगाई से परेशान हैं, गैस सिलेंडर 500 रुपये में उपलब्ध कराइए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जातीय गणना के दौरान 94 लाख ऐसे लोगों की पहचान की गई है जिनकी आय 6,000 रुपये से कम है। उन्हें दो लाख रुपये देकर आर्थिक न्याय देने की बात कही गई थी। इस बजट में उसका प्रावधान कर दिया जाए।

उन्होंने जातीय गणना में आरक्षण की सीमा बढ़ाए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि यह मामला तो सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।

सरकार अगर चाहे तो आरक्षण को लेकर एक अलग से प्रस्ताव ला सकती है। हम लोग समर्थन देकर पास करा देंगे। भाजपा को आरक्षण चोर पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि वो ऐसा नहीं देंगी। राजद नेता ने कहा कि हम लोग जुमलेबाजी करने वाले लोग नहीं हैं, जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। आगे भी बिहार की यात्रा पर निकलेंगे और लोगों से मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार यात्रा पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, जितनी बार बिहार आना है आप आइए। कोई दिक्कत नहीं है। 365 दिन मखाना खाइए, इससे भी दिक्कत नहीं है। आप सत्तू घोलकर पीजिए। अगर नहीं आता है तो मेरे पिता लालू यादव आपको सिखा देंगे। मैं 75 साल का नहीं हूं, जुमलेबाजी नहीं करूंगा। मेरी उम्र 36 साल है। जो कहूंगा, करके दिखाऊंगा। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि उन्हें लंबी राजनीति करनी है, इस कारण वे झूठ नहीं बोलेंगे। उनकी उम्र कच्ची है लेकिन वचन पक्की है।

कांग्रेस बोली- फडणवीस गृह विभाग छोड़ें, महायुति सरकार को केंद्रीय मंत्री ने आईना दिखाया

इंडिया न्यूजनेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव से केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों के साथ छेड़खानी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर महायुति (भाजपा-शिवसेना और एनसीपी) सरकार का घेराव किया है। गृह विभाग खुद सीएम फडणवीस के पास होने का जिक्र करते हुए कांग्रेस ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले लोगों को महायुति का संरक्षण हासिल है।

बेटी के अलावा उसकी सहेलियों के साथ भी दुर्व्यवहार...रक्षा खड़से ने पूरे मामले के संबंध में बताया कि महाशिवरात्रि के दिन संत मुक्ताई यात्रा के दौरान शर्मनाक कृत्य हुआ। उनकी बेटी ने उनसे फोन पर यात्रा में जाने की अनुमति मांगी, जिस पर उन्होंने सुरक्षा गार्डों को साथ लेकर जाने को कहा। यात्रा के दौरान कई मनचलों ने उनकी बेटी के अलावा उसकी सहेलियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया। इससे पहले 24 फरवरी को भी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में इन्हीं शोहदों ने दुर्व्यवहार किया था। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक जलगांव के ये मनचले स्कूल जाते समय आए दिन लड़कियों को भी परेशान करते हैं।

महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है...इस मामले में सीएम फडणवीस ने कहा कि आरोपी एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि दोषी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे। पूरे घटनाक्रम पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने कहा,

जलगांव की घटना दिखाती है कि राज्य की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। महिलाएं और लड़कियां असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी के साथ गुंडों द्वारा छेड़छाड़ और सुरक्षा गार्डों को धक्का दिए जाने की घटना बेहद चिंताजनक है... अगर केंद्रीय मंत्री की बेटी असुरक्षित है, तो आम नागरिकों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

गृह विभाग छोड़ें सीएम फडणवीस...बकौल सपकाल, सीएम फडणवीस खुद गृह विभाग संभालते हैं, लेकिन सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ गंभीर मामला है। राज्य में माताओं और बहनों की सुरक्षा के लिए फडणवीस को गृह विभाग छोड़ना चाहिए। महायुति सरकार को महाराष्ट्र में एक पूर्णकालिक और सक्षम गृह मंत्री बनाना चाहिए।

कांग्रेस नेता बोले- महायुति सरकार को खुद केंद्रीय मंत्री ने आईना दिखाया...सपकाल के अलावा प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वाडेट्टीवार ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, पुलिस सुरक्षा में खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर चिंताजनक है... आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने के लिए खुद मंत्री को थाने जाना पड़ा... राज्य में पुलिस का अब कोई डर नहीं है क्योंकि गैंगस्टरों को महायुति का संरक्षण प्राप्त है। महायुति सरकार को उसके केंद्रीय मंत्री ने आईना दिखाया है।

पीड़िता के नाना और पूर्व मंत्री ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए...पूरा मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि कभी एनसीपी नेता रहे और अब भाजपा नेता एकनाथ खड़से ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, पुलिस को पहले भी मनचले युवकों के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। लड़के शातिर और आपराधिक मानसिकता के हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। पुलिस से बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलगांव पुलिस के पास शिकायत के लिए जब वे थाने गए तो उन्हें दो घंटे तक बिठा कर रखा गया। पुलिस ने लड़कियों से जुड़े मामले का हवाला देकर शिकायत दर्ज कराने के इरादे पर दोबारा विचार करने की नसीहत दी। बकौल खड़से, युवकों ने पुलिस के साथ मारपीट भी की है। ऐसे में कल्पना करना आसान है कि राजनीतिक संरक्षण के कारण आपराधिक मानसिकता के ये लोग किस हद तक जा सकते हैं।

ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करेगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश की 22,700 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद प्रदेश की हर ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को आधुनिक शिक्षा संसाधन और डिजिटल युग के अनुरूप शैक्षिक प्रगति को सुनिश्चित करना है।

ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे डिजिटल लाइब्रेरी की मॉनीटरिंग...बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समय के साथ शिक्षा क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्रामीण छात्रों तक ई-बुक्स, डिजिटल कंटेंट और अन्य शैक्षिक संसाधनों की पहुंच आसान बनानी होगी। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी अपनी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जाएं, जहां बच्चों को किताबें, प्रश्नोत्तरी, वीडियो, ऑडियो

हर डिजिटल लाइब्रेरी के लिए योगी सरकार खर्च करेगी 4 लाख रुपये

योगी सरकार 4 लाख रुपये प्रति डिजिटल लाइब्रेरी पर खर्च करेगी। इसके तहत 2 लाख रुपये डिजिटल उपकरणों (कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि) की खरीद और 2 लाख रुपये डिजिटल तथा हार्डकॉपी किताबों की खरीद पर खर्च किये जा सकेंगे। लाइब्रेरी में बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ विविध विषयों पर ई-बुक्स और अन्य डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी। बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान के लिए अत्याधुनिक उपकरण ऑडियो-विजुअल टूल्स भी मुहैया कराए जाएंगे। उन्हे ऑनलाइन पढ़ाई और रिसर्च कार्यों के लिए इंटरनेट की सुविधा भी दी जाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी में एक सुव्यवस्थित मैनेजमेंट सिस्टम होगा, जिससे छात्र अपनी पसंदीदा किताबों और अध्ययन सामग्री को आसानी से एक्सेस कर सकें।योगी सरकार का मानना है कि डिजिटल लाइब्रेरी से ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और छात्रों की डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी। यह योजना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिसमें शिक्षा के डिजिटलीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

लेकर तथा अन्य डिजिटल संसाधनों उपलब्ध कराए जाए। इससे बच्चों में सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। सीएम ने लाइब्रेरी के संचालन और प्रबंधन की ज़िम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपने के निर्देश दिये। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप हर ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी की देखरेख ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा की जाएगी। वहीं पंचायत स्तर पर सहायक अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो लाइब्रेरी के रखरखाव, उपयोग और सुचारू संचालन की निगरानी करेंगे।

वेंडिंग प्लानर्स की ओर रुचि में 70 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुईः इनडीड

इंडिया न्यूजनेटवर्क

नई दिल्ली। इनडीड ने नए आँकड़े जारी किए हैं, जिनमें सामने आया है कि ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में रिक्त पदों के लिए नौकरी के इच्छुकों की रुचि में पिछले शादी के मौसम (नवंबर 2024-जनवरी 2025) के मुकाबले 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इस वृद्धि में शादियों की अहम भूमिका रही, जिससे रिजॉर्ट मैनेजर्स, होटल स्टाफ, ट्रैवल एजेंट्स, बैंक्वेट को-ऑर्डिनेटर्स, और डेकोरेटर्स की मांग को बल मिला। वेडिंग प्लानर्स की मांग सबसे ज्यादा बढ़ी, जिसके लिए क्लिक्स में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका कारण अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण दिन का जश्न भव्यता के साथ मनाने की युगलों

की बढ़ती इच्छा है। इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्स, शशि कुमार ने कहा, वेडिंग उद्योग में नौकरियों के नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। दंपत्तियों के विवाह-बंधन में बंधने के साथ उद्योग में नियुक्तियाँ बढ़ रही हैं। वेडिंग उद्योग बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए इस उद्योग में कुशल प्रोफेशनल्स की मांग भी मजबूत बनी हुई है। ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी, खासकर शादियों के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की रुचि में तेजी आई है क्योंकि दंपत्ति अपने इस महत्वपूर्ण दिन को यादगार बनाने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद चाहते हैं। इसलिए इस सेक्टर में करियर के आकर्षक अवसर मिल रहे हैं। नौकरी तलाशने वालों की रुचि के बारे में इनडीड के आँकड़ों के अंश? ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुकों के लिए वेडिंग उद्योग एक तेजी से विकसित होता हुआ डोमेन है। जश्नों का बढ़ता प्रचलन, सस्टेनेबल से लेकर व्यक्तिगत और बुटीक अनुभवों से विकसित होते हुए पदों के साथ नौकरी के एक गतिशील बाजार का निर्माण किया है। यह सेक्टर अनुभवी प्रोफेशनल्स से लेकर नए ग्रेजुएट्स तक, सभी को सफल करियर बनाने के अनेक अवसर पेश कर रहा है।

सुरों के सरताज सरदूल सिकंदर की चौथी बरसी पर उन्हें वीरेश शांडिल्य नें किया याद, बोलेः सदा परिवार के साथ खड़ा हूँ

एंटी टेररिस्ट फ्रंट इण्डिया प्रमुख वीरेश शांडिल्य नें कहा सरदूल पंजाबी सिंगर के रूप में एक संस्थान थे

अंबाला। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने सुरों के सरताज और विश्व में पंजाबीयत का नाम ऊँचा करने वाले पंजाबी गायकी के फनकार जनाब सरदूल सिकंदर को उनकी चौथी बरसी पर याद किया और उन्हें उनकी कब्र पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और सरदूल सिकंदर की पत्नी अमर नूरी और बेटे सारंग सिकंदर और अलाप सिकंदर को सांत्वना दी । इस मौके पर हाई कोर्ट के एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य, सुरेंदर पाल के के,मनीष पाशी, गोल्डी पाहवा, नीटू, सहित भारी तादाद में वीरेश शांडिल्य समर्थको नें सरदूल सिकंदर को श्रधांजलि दी। वीरेश शांडिल्य नें कहा की सरदूल सिकंदर की गायकी नें पंजाब को विश्व में बुलंदी दी और पंजाब के नौजवानो को दिशा और दशा दी । एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया प्रमुख वीरेश शांडिल्य नें कहा की आज पंजाब में सरदूल सिकंदर की कमी महसूस होती है जिसकी भरपाई उनके बेटे सारंग सिकंदर और अलाप सिकंदर पूरी कर सकते हैं ऐसे सरदूल सिकंदर के करोडो चाहने वाले चाहते हैं और सरदूल सिकंदर की पत्नी अमर नूरी अपने दोनों बेटों को नहीं पंजाब के ग. हर उठते नये गायक को सरदूल बनाने की सोच रखती है और पंजाब की गायकी में गन कल्चर नशा कल्चर खतम करने को लेकर पंजाबी सिंगर और अभिनेत्री अमर नूरी नें सरदूल की टीम के साथ मुहीम छेड़ी हुई है

एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया सुप्रीमो नें कहा की वों जनाब सरदूल सिकंदर की टीम और सोच हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल तक ले जायेंगे और अमर नूरी के साथ मिल गीतों के माध्यम से देश से नशा खतम करनें को लेकर मुहीम छेड़ेंगे और सरदूल सिकंदर के बेटे सारंग सिकंदर और अलाप सिकंदर का अंबाला में एक जल्द शो करेंगे जिसका उद्देश्य युवाओं से नशे को कैसे दूर किया जाए और आज युवा पीढ़ी भटक चुकी है उन्हें पंजाबी गायकी के माध्यम से अपनें संस्कारो से जोड़ेंगे । वीरेश शांडिल्य नें इस मौके पर अपनी मुँह बोली बड़ी बहन अमर नूरी को और उनके दोनों बेटों सारंग और अलाप को दोशाला भेंट किया और कहा की वो सदा परिवार के साथ खडे हैं।

देश की विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों तथा नगर पालिकाओं के चुनाव हुए शांतिपूर्वक संपन्न : राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह

■ 12 मार्च को मतगणना का कार्य प्रातः 8 बजे से होगा शुरू और इसी दिन होंगे परिणाम घोषित: राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि प्रदेश की विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों तथा नगर पालिकाओं के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए। 12 मार्च को मतगणना का कार्य प्रातः 8 बजे से शुरू किया जाएगा और इसी दिन परिणाम भी घोषित किये जाएंगे। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से करवाने के लिए आयोग द्वारा व्यापक प्रबन्ध किये गए। चुनावी प्रक्रिया में सामान्य, पुलिस तथा खर्च पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई। इसके साथ-साथ सभी सम्बन्धित निकायों में डयूटी मजिस्ट्रेट, सुपरवाइजर, पीठासीन अधिकारी, पोलिंग अधिकारी लगाए गए। सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया और साथ ही संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया। समुचित चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए निर्वाचन सदन में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया।

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि नगर निगम मानेसर, गुरूग्राम, फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, करनाल तथा यमुनानगर में महापौर (मेयर) और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए मतदान हुआ। इसके साथ-साथ नगर निगम अम्बाला और सोनीपत में महापौर (मेयर) पद हेतु उप-चुनाव के लिए मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि नगर परिषद अम्बाला सदर, पटौदी-जटौली मंडी, थानेसर और सिरसा में प्रधान (प्रेजिडेंट) और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए मतदान हुआ तथा नगर परिषद सोहना में प्रधान (प्रेजिडेंट) पद हेतु उप-चुनाव के लिए मतदान हुआ।

राज्य में आज हुये मतदान में राज्य के 19 जिलों (पंचकूला, रोहतक एवं रेवाड़ी को छोड़कर) 07 नगर निगमों में आम चुनाव, 02 नगर निगमों (अम्बाला एवं सोनीपत) में महापौर के लिए उप चुनाव; 04 नगर परिषदों (अम्बाला सदर, सिरसा, थानेसर एवं पटौदी-जटौली मंडी) में आम चुनाव तथा सोहना, जिला गुरूग्राम नगर परिषद में प्रेजीडेंट/प्रधान के पद के लिए उप चुनाव तथा 21 नगरपालिकाओं में आम चुनाव एवं 02 नगरपालिकाओं असन्ध, जिला करनाल एवं ईस्माईलाबाद, जिला कुरूक्षेत्र में प्रधान पद के लिए उप चुनाव तथा नगरपालिका सफीदों के वार्ड नं0 14 और तरावड़ी के वार्ड नं0 15 में वार्ड के सदस्य के लिए उप चुनाव के लिए मतदान हुआ इन सभी संस्थाओं में कुल मिलाकर 5106134 मतदाता थे। महापौर के उप चुनाव में अम्बाला नगर निगम एवं सोनीपत नगर निगम में मतदाताओं में कम जोश देखने को मिला। इसी प्रकार दिल्ली से सटे 02 महानगरों; नगर निगम, फरीदाबाद एवं नगर निगम, गुरूग्राम में मत प्रतिशत काफी कम रहा। कुछ जगहों पर समय सीमा की समाप्ति सायं 6 बजे भी लोग कतार में खड़े देखे गये जिनको वोट करने के लिए समय दिया गया ताकि जो लोग 6 बजे शाम तक मतदान के लिए कतार में लगे हुये थे उनसे मतदान करवाया जा सके। कुल मिलाकर राज्य भर में मतदान शान्तिपूर्वक, पारदर्शी तरीके से एवं निष्पक्षतापूर्ण सम्पन्न हुआ कहीं से भी कोई हिंसा अथवा अप्रिय घटना के समाचार नहीं हैं।

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि नगर पालिका बराड़ा, बवानी खेड़ा, सिवानी, लौहारू, जाखल मंडी, फरूखनगर, नारनौंद, बेरी, जुलाना, सीवन, पूंडरी, कलायत, नीलोखेड़ी, इंद्री, अटेली मंडी, कनीना, तावडू, हथीन, कलानौर, खरखौदा तथा रादौर में प्रधान (प्रेजिडेंट) और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए मतदान हुआ। इसी प्रकार नगर पालिका असंध तथा इस्माइलाबाद में प्रधान (प्रेजिडेंट) पद हेतु उप-चुनाव के लिए मतदान हुआ। नगरपालिका सफीदों के वार्ड नंबर 14, तरावड़ी के वार्ड नंबर 5 में वार्ड सदस्य पद हेतु उप-चुनाव के लिए मतदान हुआ। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि नगर निगम पानीपत में 9 मार्च को मतदान करवाया जाएगा। आज हुये नगर निगमों, नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं के चुनाव में हुए मतदान तथा 09 मार्च को पानीपत नगर निगम के लिए होने वाले चुनाव की मतगणना 12 मार्च को एक साथ ही करवाई जायेगी तथा चुनावी नतीजे भी उसी दिन जारी किये जायेंगे।

खबर एक्सप्रेस

नगर निकाय में जीत के बाद बनेगी हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार: अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने द्वारा किया कि आज हो रहे नगर निकाय के चुनाव में भी उनके संगठन की जीत होगी और फिर प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। विज आज अंबाला छावनी में अपने परिवार सहित मतदान करने के बाद मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाताओं को प्रजातंत्र के सबसे बड़े पर्व में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आज हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है। लोग जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र और प्रदेश में है और यदि नगर निकाय में भी भाजपा की सरकार आती है तो विकास तेज गति से होगा। विज से कांग्रेस पार्टी द्वारा वीवीपैट के इस्तेमाल को लेकर की गई शिकायत के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इलेक्शन के दौरान पर आरोप-प्रत्यारोप लगाना पुरानी आदत है।

धरती को बचाने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यक: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि धरती को बचाने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यक है। आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट बना हुआ है। इस वर्ष विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस को वन्य जीव संरक्षण, वित्त-लोगो और गृह में निवेश थीम के साथ मनाया जा रहा है। विश्व वन्य जीव दिवस की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी एक संदेश में मंत्री राव नरबीर सिंह ने लोगों को आह्वान किया कि इस दिन लोगों को वन्य जीव संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वन एवं वन्य जीवन विभाग हरियाणा में वन्य जीवन संरक्षण के लिए कई अनूठी पहल कर रहा है। शिवालिक पर्वत श्रृंखला में पड़ने वाले पिंजौर में गिद्ध प्रजनन एवं संरक्षण केंद्र खोला गया है, जिसमें विलुप्त हो रही इस गिद्ध प्रजाति को संरक्षित किया गया है और गिद्धों की संख्या मं बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अरावली पर्वत श्रृंखला में जंगल सफारी परियोजना की रूप-रेखा तैयारी की गई है, जिसका शीघ्र ही शुभारंभ हो जाएगा। इसमें कौन से वन्य प्राणी को किस श्रेणी में रखा जाए, इस पर कार्य किया जा रहा है और वे स्वंय इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे महाराष्ट्र व गुजरात के जंगलों में बनाई गई इस प्रकार की सफारी का दौरा भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उष्ण कटिबद्ध क्षेत्रों में वन्य जीव आबादी के घट रहे आंकड़े चिंतनीय हैं। वन्य जीव की आबादी को बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ बातचीत की है। इसके साथ ही निजी क्षेत्र व कुछ नए स्टार्टअप ने भी सरकार को सहयोग देने में रुचि दिखाई है, जो कि सराहनीय है।

आगामी तीन दिनों में हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल की खराबे की रिपोर्ट दर्ज कराएं: कृषि मंत्री

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि जो किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं हैं वे अगले 72 घंटों (तीन दिन) के भीतर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर ओलावृष्टि से हुए अपना नुकसान दर्ज कराएं, ताकि कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन कर सकें। राणा ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे चिंता न करें उनकी खराब फसल के नुकसान की भरपाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में किसानों की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से फसल नुकसान की रिपोर्टिंग की व्यवस्था उपलब्ध है। जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपना पंजीकरण करवा रखा है, वे अपने निकटतम कृषि अधिकारी से संपर्क कर अपनी फसल के खराबे की रिपोर्ट दर्ज करवाएं। वहीं, जिन किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं करवाई गई हैं वे आगामी तीन दिन के अंदर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल की खराबे की रिपोर्ट दर्ज कराएं। इसके बाद दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। ऐसे किसान जल्द से जल्द इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा लें। कृषि मंत्री ने बताया कि दोनों पोर्टल वर्तमान में खुले हुए हैं। ऐसे में सभी प्रभावित किसानों से आग्रह है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने फसल नुकसान की रिपोर्ट दर्ज करवाकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

पानीपत से आज समाज के वरिष्ठ पत्रकार शगुन कैथवास की माता श्रीमती नानकी देवी का 70 वर्ष की उम्र में निधन

पानीपत। पानीपत जिले से आज समाज के वरिष्ठ पत्रकार शगुन कैथवास की माता श्रीमती नानकी देवी पत्नी स्व. राममनोहर का 70 वर्ष की उम्र में 2 मार्च 2025 रविवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी। माता जी के निधन की सूचना मिलते ही उनके आठ मरला, नजदीक पावर हाउस गेट निवास स्थल पर लोगों ने पहुंचना आरंभ कर दिया। उनका अंतिम संस्कार आज 03 मार्च 2025 दिन सोमवार को शिवपुरी, असंध रोड पुल के नीचे श्मशान घाट में सुबह 11 बजे होगा। उनके निधन पर राजनीतिक, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया।

आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में शहरी निकाय की अहम भूमिका: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

प्रधानमंत्री के विजन 2047 के लक्ष्य में सहभागी बन रही प्रदेश सरकार : सीएम

■ पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा- सजगता से जनसेवा की दिशा में कार्य कर कर रही सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 को सामने रखते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में जहां शहरी निकाय की अहम भूमिका है वहीं जनहितकारी योजनाओं को लागू करने में सरकार अपनी जिम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा रही है। मुख्यमंत्री रविवार को फरीदाबाद में आयोजित एक समारोह में शामिल होने से पूर्व सेक्टर-12 में बने हेलीपैड पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में डबल इंजन सरकार लोगों के विकास में लगी है। अब छोटी सरकार बनने के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार अधिक ताकत के साथ लोगों की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विकास कार्यों को और अधिक तीव्र गति से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी 12 मार्च को जब निकाय चुनाव के परिणाम आएंगे तो सभी स्थानों पर भाजपा के उम्मीदवार बड़े अंतर से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि यह छोटी सरकार है, जो सीधे रूप से जनता से जुड़ी समस्याओं का निपटारा करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने सभी वायदे तथा वर्ष 2014 व वर्ष 2019 के चुनावी संकल्प पत्र के वायदों को पूरा किया है और अब निकाय चुनाव के लिए तैयार संकल्प पत्र में 21 वायदे किए थे और इन सभी वायदों को भी आगामी दिनों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गारंटी के तहत इन वायदों को पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश में बड़े स्तर पर बदलाव हुए हैं और देश तेज गति से तरक्की कर रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है और इस संकल्प को जनता के सहयोग से पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति बनेगी 'विकसित भारत' की पहचान : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज भारत पूरी दुनिया को शांति का मार्ग दिखा रहा है। चाहे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति हो, पर्यावरण संरक्षण हो या वैश्विक महामारी से लड़ने का संकल्प, भारत ने हमेशा मानवता की भलाई के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत की यही परंपरा और संस्कृति 'विकसित भारत' की पहचान होगी। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के सेक्टर 39 स्थित अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा नवनिर्मित विश्व शांति केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। विश्व शांति केंद्र का उद्घाटन भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की महान संस्कृति और परंपरा ने हमेशा शांति, सहिष्णुता और सद्भाव का संदेश दिया है। यह वह देश है, जहां पर हर युग और हर काल में भगवान श्रीराम और योगीराज श्रीकृष्ण से लेकर भगवान महावीर, महात्मा बुद्ध और गुरु नानक जैसी महान आत्माओं ने जन्म लेकर, अपने अपने समय में पूरे मानव समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम, एकता, शान्ति, सदभाव, दया, करूणा, परोपकार और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने मानव जाति में अमन चैन व शान्ति का वातावरण बनाने के लिए ऊंचे मानवीय आदर्शों की स्थापना की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी महापुरुषों ने अपनी पावन शिक्षाओं से मानवमात्र को जीवन का सही मार्ग दिखलाया। उनकी शिक्षाएं व उपदेश आज भी समय की कसौटी पर बिल्कुल खरे उतरते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की नीति के साथ, समाज के हर वर्ग को एकजुट कर एक समरस समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसी प्रकार आज इस संस्था का प्रयास भी निश्चित रूप से यह संदेश देगा कि शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक जीवन जीने का तरीका है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उपस्थितजन से समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने तथा अहिंसा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर आयोजक जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

पानीपत के चुलकाना धाम में 10वीं के छात्र की मौत

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले के चुलकाना धाम स्थित लकीसर धाम में रविवार को कुंड में नहाते वक्त 10वीं के छात्र की मौत हो गई। कुंड में सिर्फ 2 फीट पानी था, लेकिन गहरा समझकर छात्र ने सिर के बल कुंड में छलांग लगा दी। कुंड के तल में लगकर उसकी गर्दन टूट गई। उसके दोस्तों ने आनन फानन में उसे बाहर निकाला और नजदीक के एक अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम हाउस में रखवा दिया है, साथ ही मामले में आगामी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 17 वर्षीय अंकित के रूप में हुई है। वह सब्जीमंडी रामायणी चौक का रहने वाला था। अंकित 10वीं कक्षा का छात्र था। वह अपने दोस्त सौरभ और अनिकेत के साथ रविवार सुबह घर से चुलकाना धाम यात्रा के लिए गया था। सौरभ और अनिकेत की मौसी भी उनके साथ थी। उन्होंने बताया कि धाम के पास लकीसर कुंड भी है। चुलकाना धाम पर दर्शन करने के बाद वह लकीसर कुंड पर गया था। उसने कुंड में पानी देखा, कपड़े उतारे और सीधा कुंड में सिर के बल छलांग लगा दी। मृतक के दोस्त सौरभ, अनिकेत और उनकी मौसी ने बताया की जैसे ही अंकित ने कुंड में छलांग लगाई, उसका सिर तलहटी पर लगा। एक बार तो उसने बाहर आने की कोशिश की, लेकिन फिर वह वहीं गिर कर बेहोश हो गया। उसे बाहर निकाला तो वह मर चुका था। हम उसे तुरंत नजदीक के अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने बताया कि उसकी गर्दन टूट गई है।

निकायों में 'मनोहर' की रणनीति बनेगी ट्रिपल इंजन सरकार का आधार

■ दिल्ली से स्पेशल करनाल मतदान करने के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने ड्रीम प्रोजेक्ट गन्नौर मंडी का किया निरीक्षण

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल की रणनीति निकाय चुनावों में ट्रिपल इंजन सरकार का आधार बनेगी। निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने के साथ उन्होंने हरियाणा में डबल इंजन के साथ शहरी सरकार में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का आह्वान किया। यही नहीं, रविवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल स्पेशल दिल्ली से करनाल मतदान करने पहुंचे। हरियाणा दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री ने सबसे पहले निकाय चुनाव में मतदान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर आमजन को आह्वान किया कि मेरा एक वोट खुशहाल करनाल के लिए।

स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अपने जिले करनाल में मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने आमजन को लोकतंत्र के उत्सव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर वोट करने की अपील की। बता दें कि हरियाणा में शहरी के जरिये ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और भाजपा नेताओं के साथ निकाय चुनावों में जीत की रणनीति को अमलीजामा पहनाया। वहीं नहीं उन्होंने गुरुग्राम, मानेसर, सोनीपत और करनाल में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने शहरवासियों से सीधा संवाद करते हुए आह्वान किया था ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से शहरी क्षेत्रों की सूरत बदलेगी और विकास का पहिया रफ्तार पकड़ेगा। निर्धारित अवधि के भीतर पूरा होगा अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी का कार्य हरियाणा दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने गन्नौर में ड्रीम प्रोजेक्ट अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मंडी निर्माण में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्धारित अवधि के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। पिछले समय से कह लंबित था, हरियाणा सरकार की ओर से क्लीयरेंस देकर इसे लागू कराया गया है। अभी निरीक्षण के दौरान कुछ समस्याएं उन्हें अवगत कराई गई हैं, उन्हें दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। 400 दिन में मंडी को तैयार करने की समयावधि निर्धारित की गई है। अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2025 के अंत तक मंडी का निर्माण कार्य पूरा होने की संभावना है।

निकाय चुनाव गुरुग्राम में 5000 से ज्यादा मतदाता बढ़े, यमुनानगर में 512, रोहतक में 64, फरीदाबाद में 21, हिसार में 14, करनाल में 3 मतदाता बढ़े

प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर गुरुग्राम और यमुनानगर में सबसे ज्यादा मतदाता बढ़े

■ वहीं अम्बाला और सोनीपत नगर निगमों में मतदाता संख्या रही एक समान, हालांकि मानेसर नगर निगम में इसी समय दौरान 3 मतदाता घटे

डॉ रविंद्र मलिक

चंडीगढ़। गत माह 4 फरवरी 2025 के दिन अर्थात जिस दिन हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के तीन दर्जन से ऊपर शहरी निकायों में चुनावों की घोषणा की गई थी, से आज मतदान के दिन अर्थात आज 2 मार्च 2025 तक 5 हजार से ऊपर बढ़ गई है। 2 मार्च मतदान के दिन हरियाणा निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर अपलोड की गई गुरुग्राम नगर निगम के वोटरों की संख्या, जो 902779 दशार्यी जा रही है और बीते माह 4 फरवरी को आयोग द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस नोट में गुरुग्राम नगर निगम के मतदाताओ की संख्या, जो 897421 दशार्यी गई थी, उक्त दोनों आंकड़ों का आकलन कर बताया कि इनमें 5358 का अंतर है अर्थात गत करीब एक माह दौरान गुरुग्राम नगर निगम में इतने मतदाता बढ़ गए हैं।

वहीं हालांकि गुरुग्राम जिले में ही स्थापित मानेसर नगर निगम में इसी समय अवधि दौरान मतदाताओं की संख्या 3 घट गई है। 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में मानेसर नगर निगम में मतदाताओं की संख्या 97076 दर्शायी गई थी जो आज 2 मार्च चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 97073 दशार्यी जा रही है।

यमुनानगर नगर निगम के मतदाताओ की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 354766 थी जो आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 355 278 दर्शाई जा रही है जिस कारण यह संख्या उपरोक्त समय अवधि दौरान 512 बढ़ी है। रोहतक नगर निगम के मतदाताओं की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 319145 दर्शाई गई थी हालांकि आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 319209 दर्शाई जा रही है जिस कारण यह संख्या उपरोक्त अवधि दौरान मात्र 64 ही बढ़ी है। इसी प्रकार फरीदाबाद नगर निगम के मतदाताओं की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 1470666 दर्शाई गई थी हालांकि आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 1470687 दर्शाई जा रही है जिस कारण यह संख्या उपरोक्त अवधि दौरान मात्र 21 ही बढ़ी है।

हिसार नगर निगम के मतदाताओं की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 2 लाख 68 हजार 302 दर्शाई गई थी हालांकि आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 268316 दर्शाई जा रही है जिस कारण यह संख्या उपरोक्त अवधि दौरान मात्र 14 ही बढ़ी है। करनाल नगर निगम के मतदाताओ की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 301915 दर्शाई गई थी हालांकि आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर वोटिंग डैशबोर्ड पर 301918 दर्शाई जा रही है जिस कारण यह संख्या उपरोक्त अवधि दौरान मात्र 3 ही बढ़ी है।

सोनीपत और अंबाला में मतदाता संख्या समान रही

वहीं हालांकि सोनीपत नगर निगम के मतदाताओ की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 294362 दर्शाई गई थी हालांकि आज 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर चुनावी डैशबोर्ड पर भी 294362 दर्शाई जा रही है। इसी प्रकार अम्बाला नगर निगम के मतदाताओं की संख्या 4 फरवरी को राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में 193260 दर्शाई गई थी हालांकि आज मतदान के दिन 2 मार्च आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर चुनावी डैशबोर्ड पर भी 193260 दर्शाई जा रही है। अतः सोनीपत और अम्बाला नगर निगमों में मतदाताओं की संख्या एक समान ही रही है।

वोटर्स की संख्या घटने बढ़ने पर क्या बोले एक्सपर्ट

लोक प्रतिनिधित्व कानून (आर.पी. एक्ट), 1950, जो देश में सार्वजनिक चुनाव कराने से सम्बंधित मूल कानून है, के अंतर्गत चुनावो की अधिसूचना जारी होने के उपरान्त इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा नामांकन भरने की प्रक्रिया, जो एक सप्ताह तक चलती है, के अंतिम दिन जिस प्रकार दोपहर तीन बजे तक उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल किये जा सकते हैं, उसी समय तक मतदाता सूचियों में भी नए मतदाताओ के नाम जोड़े जा सकते है। ऐसा आर.पी. कानून, 1950 की धारा 23 (3) के अनुसार किया जाता है। आगे एक्सपर्ट हेमंत कुमार ने सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट के जुलाई, 1977 के एक निर्णय-नरेंद्र माड़ीवालापा खेनी बनाम माणिकराव पाटिल का हवाला भी दिया जिसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा इस व्यवस्था को दोहराया गया था। हालांकि हेमंत को कुछ वर्ष पूर्व एक आर.टी.आई. दायर करने के बाद भारतीय चुनाव आयोग से जानकारी मिली थी कि आयोग के वर्ष 2009 में जारी एक आदेशानुसार उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख से दस दिन पहले तक ही नए मतदाताओं के नाम अपने सम्बंधित क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किये जा सकते है। हरियाणा में नगर निकाय चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अलग से मतदाता सूचियांनहीं बनाई जाती है एवं भारतीय चुनाव आयोग द्वारा सम्बंधित विधानसभा हलके/क्षेत्र की मतदाता सूचियों में से ही योग्य मतदाताओं के नाम उनके प्रासंगिक नगर निकाय क्षेत्र में डाले जाते हैं। इस प्रकार हर नए मतदाता को सर्वप्रथम अपने सम्बंधित विधानसभा हलके की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना पड़ता है, तभी वह अपने सम्बंधित नगर निकाय में मतदाता बन सकता है। इसी आधार पर चूंकि हरियाणा में नगर निकाय चुनाव में इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा नामांकन भरने की अंतिम तारीख गत माह 17 फरवरी 2025 तक थी, इसलिए मतदाता सूचियों में नए मतदाताओ के नाम उसके दस दिन पहले तक अर्थात 7 फरवरी 2025 तक ही शामिल किये जा सकते थे।

मगरूर आंधी दरख्तों को पटक जायेगी, वही शाख बचेगी जो लचक जाएगी

आफ द रिकार्ड

यशवीर कादियान

कंधे से कंधे टकरा रहे थे और छाती से छाती भिड़ रही थी। इतनी भीड़ देख कर संभवतःधनखड़ भी सोच रहे होंगे कि ये लोग चुनाव में न जाने कहां चले जाते हैं। तब क्यों नही इतना इजहार-ए-मोहब्बत कर पाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी के अलावा कई मंत्री,विधायक और हारे हुए मंत्री व हारे हुए विधायकगण भी इस समारोह में पहुंचे हुए थे। एक दफा जो मंत्री बन जाए वो लोगों की नजर में हमेशा ही मंत्री सा हो जाता है। इसीलिए उनको मंत्री जी- मंत्री जी लोग कहने लगते हैं।

अपना हरियाणा पुलिस का जवान डयूटी को जितनी गंभीरता से लेता है,उतना शायद ही किसी काम को लेता हो। एक दफा फिर से हरियाणा पुलिस की कर्त्तव्यनिष्ठा से हमारा साक्षात पाला पड़ गया। वरिष्ठ भाजपा नेता ओपी धनखड़ के सुपुत्र आशुतोष के विवाह समारोह के प्रीतिभोज में उनके गांव ढाकला जिला झज्जर में जाना पड़ा। कार्यक्रम में धनखड़ के चाहने वाले उनके क्षेत्र के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। कंधे से कंधे टकरा रहे थे और छाती से छाती भिड़ रही थी। इतनी भीड़ देख कर संभवतःधनखड़ भी सोच रहे होंगे कि ये लोग चुनाव में न जाने कहां चले जाते हैं। तब क्यों नही इतना इजहार-ए-मोहब्बत कर पाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी के अलावा कई मंत्री,विधायक और हारे हुए मंत्री व हारे हुए विधायकगण भी इस समारोह में पहुंचे हुए थे। एक दफा जो मंत्री बन जाए वो लोगों की नजर में हमेशा ही मंत्री सा हो जाता है। इसीलिए उनको मंत्री जी- मंत्री जी लोग कहने लगते हैं। ऐसा ही विधायकों के साथ हो जाता है। एक दफा विधायक बने नहीं कि सदा के लिए विधायक हो गए। कुल मिला कर मंत्री जी और विधायक जी की इस समारोह में बाढ सी आई हुई थी। हुआ यूं कि जब हम पंडाल में दाखिल हुए तो हमारी गाड़ी के ड्राइवर ने ट्रैफिक नियमों की पालना करते हुए गाड़ी एकदम सड़क किनारे लगा दी। उसको भी पार्किग के लिए ये स्थान अचानक से इसलिए उपलब्ध हो गया चूंकि चंद सैंकिड पहले यहां सीएम के काफिले की गाड़ियां हटी थी। मैंने ड्राइवर को कहा भी कि ..यो हरियणा सै प्रधान। सड़क साइड गाड़ी को ज्यादा दबा कर मत लगा। संभवतः उसको हरियाणा के लोगों के मिजाज का अंदाजा नहीं था,इसलिए सड़क के एकदम किनारे गाड़ी पार्क कर दी। जैसे ही हम समारोह से वापस आए तब तक हमारी गाड़ी के चारों तरफ, आगे-पीछे, साइड में यानी दसों दिशाओं में अन्य लोगों ने अपनी गाड़ियां पार्क कर दी थी। इनमें कुछ फोरच्यूनर थी,कुछ स्कॉपियो, तो कुछ थार थी। इन गाड़ी के मालिकों का अलग ही मनोविज्ञान होता है। ये समझिए कि जो फोरच्यूनर में आते हैं वो लगभग नेता की अवस्था को प्राप्त हो चुके होते हैं। जो स्कॉपियो में चलते हैं, वो ना इधर के ना उधर के होते हैं। वो न तो पूरे नेता होते हैं और ना पूरे कार्यकर्त्ता। जो थार वाले होते हैं वो अभी स्टाटिंग अवस्था में थे। उन्होंने अभी कई पड़ाव पार करने होते हैं। उनकी असली मंजिल फोरच्यूनर होती है,लेकिन इस तक पहुंचने के लिए उनको कई शारीरिक,आर्थिक और मानसिक बाधाओं से होकर गुजरना पड़ता है। समारोह स्थल पर हरियाणा पुलिस के जवान और अफसरों की भी रेलमपेल थी। अपनी गाड़ी को यूं निरीह अवस्था में देख कर..सब तरफ से फंसे देख कर मैंने उसकी विवशता और कष्टों को आत्मसात किया। समझ में नहीं आ रहा था कि ये गाड़ी निकले तो निकले कैसे? पास खड़े एक पुलिस सब इंस्पैक्टर से इस मामले में मदद के लिए कहा तो उन्होंने कड़कते हुए कहा कि- क्या आपको मालूम नहीं कि मैं डयूटी पर हूं। मैंने कहा-जनाब,आप डयूटी पर हैं, इसीलिए तो कहने का जोखिम मोल ले रहा हूं। कुछ अन्य पुलिस वालों से भी इस मुसीबत से छुटकारा दिलाने की गुजारिश की तो सब मुस्करा कर कन्नी से काट कर चलते बने। जैसे वो इस सारे प्रकरण से अंजान हैं। उनका इस मामले से कोई लेणा देणा नहीं है। कुछ पुलिस वाले पंडाल में खाने पर जुटे हुए थे। संभवतः वो अपनी डयूटी को काफी गंभीरता से ले रहे थे। इस तरह के कार्यक्रमों में अक्सर ऐसा देखा गया कि व्यवस्था बनाने के मकसद से आए लोग एक समय बाद खुद ही व्यवस्था या अव्यवस्था का हिस्सा बन जाया करते हैं। वो तेरा मेरा,अफसर-कर्मचारी,सरकारी-गैरसरकारी,नेता-कार्यकर्त्ता सबका भेद मिटा दिया करते हैं। निर्विकार और निर्लिप्त हो जाया करते हैं। उनको न किसी के होने से

फर्क पड़ता है और ना किसी के न होने। अंततःउनको तो अपनी प्लेट में पूरी,जलेबी हलवे और लडडू से मतलब होता है। जो पुलिस वाले इस अवस्था को किन्हीं कारणों से प्राप्त नहीं भी कर पाए थे वो दूसरी दुनिया में ही मग्न थे। कोई सियासत पर चर्चा कर रहा था, तो कोई अपने अफसरों की खाट खड़ी कर रहा था, तो कोई अपनी वर्दी को सैट कर रहा था। इस तपती दुपहरी में ऐसा कोई रास्ता नहीं निकल रहा था जो हमें हमारी गाड़ी तक पहुंचाए और फिर इसे यहां से वापस निकलवाए। झज्जर में तैनात एक अधिकारी को फोन कर इस मुसीबत से निकलने में उनकी मदद मांगने की नीयत से फोन किया। लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। ऐसा बताया गया कि वो सीएम प्रोटोकाल डयूटी पर है। वो डयूटी को काफी गंभीरता से ले रहे थे सो इसलिए उनसे बात ना हो सकी। गूगल बाबा की मदद से झज्जर के डीसीपी दीपक सहारण का मोबाइल नंबर टटोला और उनको फिर फोन लगाया। ऐसा लगता है कि वो वीआईपी डयूटी को गंभीरता से नहीं ले रहे थे तभी तो उन्होंने झट से फोन उठा लिया।

बड़े अदब से वो पेश आए। उन्होंने तसल्ली से पूरी बात सुनी और इसका तुरंत समाधान का भरोसा दिया। चंद सैंकिड बाद एक अन्य पुलिस अफसर का फोन आया। उन्होंने हमारी लोकेशन पूछी और फिर उसके बाद एक का और फोन आया। ये सिलसिला बढते बढाते आखिर में हमारी लोकशन के सबसे नजदीक नाके पर तैनात एक हैड कांस्टेबल का फोन आया। उन्होंने चंद मिनट इंतजार करने को कहा और कहा कि वो कुछ न कुछ ज   ुगाड़ करते हैं। इसके बाद ये उम्मीद बंध गई कि अब हम में और गाड़ी में ज्यादा फासला नहीं है। हमें इस समस्या से निजात मिल जाएगी। इसी दौरान हुआ यूं कि एक पहलवान टाइप सज्जन प्रकट हुए। उनके साथ ही पहलवान टाइप उनके कई मूसलधारी निजी सुरक्षाकर्मी या पीएसओ थे। इन सबकी ही गाड़ियां हमारी अगल बगल में लगी थी। इन्होंने धड़ाधड़ गाड़ियां निकाली और सूं सूं करती हुई, मिटटी उड़ाती हुई ये वहां से दुम दबा कर भाग खड़ी हुई। इस से पहले कि हरियाणा पुलिस के जवान को ये साबित करने का मौका मिलता वो हम नागरिकों के लिए ही है,हमारी गाड़ी निकले का रास्ता बन चुका था। चाहे आगे से निकालो, चाहे दाएं से चाहे बाएं से,चाहे पीछे से। एक साथ कई विकल्प प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो चुके थे। ये तय करना मुश्किल हो गया था कि किस विकल्प का पहले इस्तेमाल किया जाए। किस किस को सम्मान दिया जाए। इस से पहले कि कोई दूसरी गाड़ी हमारे करीब..और करीब..और ज्यादा करीब आ पाती, हम इज्जत बचा कर फटाफट वहां से सटक लिए। बहरहाल इस हालात पर कहा जा सकता है..

उदासियों का ये मौसम बदल भी सकता था वो चाहता तो मेरे साथ चल भी सकता था वो शख्स तू ने जिसे छोड़ने में जल्दी की तेरे मिजाज के सांचे में ढल भी सकता था वो जल्दबाज खफा हो के चल दिया वर्ना इस झगड़े का कुछ हल निकल भी सकता था

तमाम उम्र तेरा मुंतजिर रहा मोहसिन ये और बात है कि रस्ता बदल भी सकता था

निकाय चुनाव

हरियाणा में निकाय चुनावों को जितनी गंभीरता से भाजपा ने लिया इतना किसी विपक्षी दल ने नहीं लिया। कांग्रेस ने भी महज खानापूर्ति सी की। पार्टी के लगभग सभी बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार से दूरी बनाए रखी वहीं भाजपा के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी,केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल,कृष्णपाल समेत हरियाणा के मंत्रियों और विधायकों ने दब कर चुनाव प्रचार किया। उम्मीद है कि जिन ने जितनी मेहनत की है उस हिसाब से उनको मेहनताना और नजराना मिल जाएगा। इस चुनाव में विपक्ष के हालात पर कहा जा सकता है..

वो मंजिलें भी खो गई,वो रास्ते भी खो गए दिल के करीब जो लोग थे वो अजनबी से हो गए न चांद था न चांदनी अजीब थी वो जिंदगी चराग थे कि बुझ गए नसीब थे कि सो गए वो पूछते हैं रास्ते रूके हो किस के वास्ते चलो तुम भी अब साथ मेरे, मेहरबां तो खो गए

कार्तिक शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईटीवी के न्यूज एक्स वर्ल्ड चैनल की लाचिंग कर दी है।नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में कहा कि आईटीवी नेटवर्क नेता नहीं,नीति सेंट्रिक है। दो दिन के इस कान्क्लेव में केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल,मुख्यमंत्री नायब सैनी,आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबोट समेत देश विदेश की कई हस्तियां पहुंची हुई थी। इस शानदार आयोजन के लिए प्रधानमंत्री ने आईटीवी के संस्थापक व राज्यसभा सांसद कार्तिक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि ये ऐसा आयोजन है जहां विवाद की बजाय संवाद का महत्व है। कार्तिक के नेतृत्व में आईटीवी नेटवर्क ने खासी तरक्की की है। उनके फौलादी अंदाज पर कहा जा सकता है..

तुम्हारी सोच के सांचे में ढल नहीं सकता जुबान काट लो लहजा बदल नहीं सकता मुझे भी मोम का पुतला समझ रहे हो क्या तुम्हारी लौ से ये लोहा पिचक नहीं सकता

(लेखक आज समाज और इंडिया न्यूज के एसोसिएट एडिटर हैं।)

चिट्टे सहित दूसरे नशों का समाधान 'सरकार निरपेक्ष' कर्तृत्व से संभव

डॉ. महेंद्र ठाकुर
स्वतंत्र पत्रकार

फिर कड़ी मेहनत करते हैं और हर तरह की स्पर्धा में भाग लेते हैं। संकेत साफ है कि अपनी हर समस्या या दुर्बलता का समाधान यदि व्यक्ति स्वयं करता है तो सफलता मिलना तय है। यदि समस्याओं का समाधान करना है तो बैसाखी फैकना ही होगा। हर काम या समस्या के समाधान के लिए सरकारों और प्रशासन की ओर देखना 'बैसाखी मानसिकता' ही है। सरकार को ये करना चाहिए, वो करना चाहिए, ऐसा करना चाहिए, वैसा करना चाहिए।

क्या आपने कभी देखा है कि बैसाखियों पर चलने वाला व्यक्ति कभी कोई रेस दौड़ता है? हाँ! दिव्यांग दौड़ते हैं लेकिन वे बैसाखियों की जगह कृत्रिम अंगों का उपयोग करते हैं। फिर कड़ी मेहनत करते हैं और हर तरह की स्पर्धा में भाग लेते हैं। संकेत साफ है कि अपनी हर समस्या या दुर्बलता का समाधान यदि व्यक्ति स्वयं करता है तो सफलता मिलना तय है। यदि समस्याओं का समाधान करना है तो बैसाखी फैकना ही होगा। हर काम या समस्या के समाधान के लिए सरकारों और प्रशासन की ओर देखना 'बैसाखी मानसिकता' ही है। सरकार को ये करना चाहिए, वो करना चाहिए, ऐसा करना चाहिए, वैसा करना चाहिए। सरकार ये नहीं करती, वो नहीं करती, ऐसी बातें हम अपने आसपास हमेशा सुनते और करते रहते हैं। लेकिन परिणाम क्या होता है? उत्तरः समस्या यथावत बनी रहती है।

हम अपने आसपास ये भी देखते हैं कि बहुत से काम समाज बिना सरकार और प्रशासन की सहभागिता से स्वयं ही कर देता है और बहुत अच्छे से करता है। मंदिरों में चलने वाले लंगर और भंडारे समाज बिना किसी सरकारी सहयोग से करता है। कितनी सारी लंगर समितियां सामाजिक सहयोग से प्रतिवर्ष ये काम बड़ी सहजता से करती रहती हैं। रक्तदान कैंप सामाजिक संस्थायें स्वयं आयोजित करती हैं। विवाह और अन्य उत्सव भी लोग अपने दम करते हैं। अभी अभी पूर्ण हुए महाकुंभ में कितने ही लंगर और भंडारे लोगों ने स्वयं ही चलाए। खाने वाले कम पड़ गए लेकिन खिलाने वाले कम नहीं हुए। जहाँ सरकार या प्रशासन दुर्बल दिखा तो भारत का समाज सहयोग के लिए स्वतः सामने आता है। कुल मिलाकर अपने परिवार का पालन पोषण व्यक्ति स्वयं ही करता है। उसके परिवार के लिए क्या सही है या गलत है, ये व्यक्ति स्वयं ही तय करता है। हमारे घर के टीवी में कौन सा चैनल चलना है ये हम ही तय करते हैं, कोई सरकार नहीं ! सरकार आपको विकल्प देती है, लेकिन रिमोट का बटन आपको भी दबाना होता है। हम रोज ऐसे समाचार पढ़ते या देखते रहते हैं कि चिट्टे से इतने युवाओं की मौत हुई। सरकारी कर्मचारी चिट्टे की स्मगलिंग में पकड़ा गया। अब तो महिलाएं भी इस कुकृत्य में बढ़ चढ़कर भाग लेने लगी हैं। आखिर नशा किसके बच्चों के जीवन को बर्बाद कर रहा है? चिट्टा किसके बच्चों को मार रहा है? आत्महत्या किसके बच्चे कर रहे हैं? ब्लैकमेलिंग किसके बच्चों की हो रही है? ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर मिलेगा- हमारे बच्चे। अब प्रश्न उठता है कि यदि हर तरह की मार हमारे बच्चों पर पड़ रही है तो फिर समाधान कौन ढूंढेगा या करेगा? या किसकों ढूंढना या करना चाहिए? आखिर हम अपने दायित्व या धर्म को सरकार या प्रशासन पर क्यों थोप देते हैं ! जबकि हम यह अच्छी तरह से जानते हैं कि हर समस्या का समाधान सरकारों के पास नहीं है। जो सरकार शराब से टैक्स वसूलती है, उससे यह आशा करना कि वो शराब समाप्त करेगी तो यह मुर्खता नहीं है तो और क्या है? सरकार का काम और दायित्व शराब की बोतल और ठेकों पर वैधानिक चेतावनी लिखवाकर समाप्त हो जाता है। जो नेता चुनाव जीतने के लिए शराब और नशा बांटते हैं उनसे ये आशा करना कि वे इसे रोकेंगे तो इसे हमारा मानसिक कोढ़ नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? प्रतिदिन शराब, चरस, भांग, चिट्टे की स्मगलिंग में सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आती रहती है। स्मगलर पकड़े जाते हैं लेकिन उनको जमानत दिलवाने का वकील सरकारी व्यक्ति नहीं होता है। वो हमारे आम समाज का एक आम व्यक्ति है। अब उस वकील को या जमानत देने वाले को कौन समझाएगा? क्या सरकार या प्रशासन? उस वकील का सामाजिक बहिष्कार कौन करेगा? समाज या सरकार? उसके विरूद्ध आन्दोलन या विरोध प्रदर्शन कौन करेगा? सरकार या समाज? जब समाज का दबाब होता है तो सरकार वही करती है जो समाज चाहता है। इसलिए सरकार निरपेक्ष सोचने और कार्य करने से बहुत कुछ सकारात्मक हो सकता है। चिट्टे सहित हर नशे और सामाजिक विकृतियों का समाधान भी सरकार निरपेक्ष समाज ही कर सकता है। जब जम्मू-कश्मीर में हिन्दुओं का नरसंहार और पलायन हुआ था तब भी सरकार थी, सेना थी, पुलिस थी, लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया। आज भी वे लोग अपने देश में ही शरणार्थी शिविरों में हैं। आज भी हिन्दू समाज पर अनेक तरह के प्रहार होते रहते हैं लेकिन सरकार कुछ न करती। कारण हम सब जानते हैं। बहुत से कानूनी दावपेंच हैं। याद रखिये अवैध फेरी वाले और नशे की स्मगलिंग करने वाले किसी भी नेता या ब्यूरोक्रेट के घर सामान या नशा बेचने नहीं जाते, इसलिए उनको स्थानीय व्यापरियों या नशे से पीड़ित लोगों का कष्ट समझ नहीं आएगा और मान लेते हैं कि यदि समझ आ भी गया तो उन्हें कोई फर्क न पड़ेगा क्योंकि उनका जीवन जीने का तरीका और स्तर अलग होता है। इसी तरह नशा और चिट्टा भी उनके बच्चों को शायद ही छू पायेगा क्योंकि उनके बच्चे सरकारी विद्यालयों या संस्थाओं में नहीं पढ़ते हैं और मान लीजिये छू भी लेता है तो वे स्थिति संभाल लेंगे क्योंकि उनके पास सारे संसाधन होते हैं। वे अगर कुछ करेंगे भी तो भी फोटोसेशन होगा, क्योंकि आम जनता उनके लिए केवल वोटर मात्र है।

अपने परिवार और आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए सरकार निरपेक्ष विचार करिये और काम करने पर विचार करिये। उचित समय पर सरकारी तन्त्र का उपयोग करने से ही समस्या का समाधान होने वाला है। जिस सरकारी तन्त्र में नेता, पुलिस, डॉक्टर, अधिकारी आदि नशा बेच रहे हैं, उससे किसी तरह की आशा करना मुर्खता ही है। सरकारों से आशा करनी चाहिए सड़क, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और इनके जैसी दूसरी सुविधाओं के लिए निर्माण में। इसके साथ समाज को अपने निजी दायित्वों या कर्त्तव्यों का निर्वहन करना ही होगा। सरकार आपको जागरूक करने के लिए अभियान चला सकती है लेकिन क्रियान्वयन आपको ही करना होगा। बहुत से जागरूक लोग नशेड़ियों और स्मगलरों को पुलिस के हाथ पकड़वाने का कार्य कर रहे हैं। लेकिन उनका ये प्रयास वकील विफल कर देते हैं। इन वकीलों के बौद्धिक संस्कार की व्यवस्था भी समाज के ही लोगों को ही करनी होगी। इसके साथ ही परिवार प्रबोधन के लिए सबको समय निकालने की आदत विकसित करनी होगी। परिवार के साथ-साथ नियमित समय पर समाज के नाते भी एकत्र आने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक चुनौतियों और उपलब्धियों पर चिंतन मंथन किया जा सके। इस बात को नकारा नहीं जा सकता है कि समाज में आज हर विषय को लेकर जागरूकता है, लेकिन समाधान के लिए उस जागरूकता का उपयोग धरातल पर नहीं हो रहा है और यदि हो भी रहा है तो गति बहुत धीमी है या समाज का बहुत छोटा वर्ग प्रयास कर रहा है। सरकार व्यवस्था या सुविधा प्रदान कर सकती है लेकिन उस व्यवस्था को बनाये रखना और उसे समय समय पर अद्यतित अर्थात अपडेट समाज को ही कराना होगा। इसके अलावा बहुत से काम समाज सरकार की तरफ देखे बिना ही कर सकता है। यह बात ध्यान रखना और इसी भाव से काम करना बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है। नशा भी ऐसी ही एक समस्या है जिसका सटीक समाधान समाज के पास है। अपने स्वधर्म का पालन निष्ठापूर्वक करना शुरू करिये, इससे नशा और नशा कराने वाले गायब हो जायेंगे। पंजाब में उग्रवाद को जमीन में गाड़ने वाले शूरवीर पुलिस अधिकारी केपीएस गिल ने अपने लेख एन्डगेम इन पंजाब में लिखा है कि इस काम के लिए उन्होंने ग्राम रक्षा समितियां बनाई थीं और उससे उन्हें बहुत लाभ मिला था। चिट्टे सहित दूसरे नशों की समस्या के समाधान के लिए सरकार निरपेक्ष विचार, परिवार प्रबोधन को बढ़ावा और सामाजिक सहभागिता के लिए ग्राम रक्षा समितियों का निर्माण बड़ी सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। विचार करिये, क्योंकि बच्चे और भविष्य आपका है!

पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव-विविधता स्थिरता हेतु यमुना का संरक्षण आवश्यक

सुनील कुमार महला
वरिष्ठ पत्रकार

गौरतलब है कि भारत की प्रमुख यमुना नदी का प्रदूषण तो कुछ समय पहले दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी एक अहम और महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहा। पाठकों को बताता चलूं कि यमुना नदी का उद्गम स्थल, उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में स्थित यमुनोत्री ग्लेशियर है और यह ग्लेशियर, बंदरपूंछ चोटियों के दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर स्थित है। यमुना नदी की लंबाई 1,376 किलोमीटर है और यमुना नदी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 36,220 वर्ग किलोमीटर में फैला है।

दिल्ली में प्रदूषण की समस्या एक बड़ी व प्रमुख समस्या रही है, फिर चाहे वह वायु प्रदूषण हो अथवा यमुना नदी में जल प्रदूषण की समस्या हो। गौरतलब है कि भारत की प्रमुख यमुना नदी का प्रदूषण तो कुछ समय पहले दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी एक अहम और महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहा। पाठकों को बताता चलूं कि यमुना नदी का उद्गम स्थल, उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में स्थित यमुनोत्री ग्लेशियर है और यह ग्लेशियर, बंदरपूंछ चोटियों के दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर स्थित है।यमुना नदी की लंबाई 1,376 किलोमीटर है और यमुना नदी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 36,220 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह नदी आगरा, मथुरा और दिल्ली सहित कई महत्वपूर्ण शहरों से निकलती है और प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में बहती है, जहाँ यह पवित्र गंगा नदी से मिलती है।भारत के धार्मिक, सांस्कृतिक ग्रंथों में जहां जल में ईश का वास माना गया है, वहीं नदियों को देवी तथा मां तक का संबोधन दिया गया है। कहना गलत नहीं होगा कि पौराणिक कथाओं कहीं किसी नदी का उल्लेख किसी की पुत्री, तो किसी का किसी की बेटी, बहन अथवा अर्धांगिनी के रूप में आया है, लेकिन आज देश की नदियों के संरक्षण की आवश्यकता महत्ती है, क्यों कि आज बहुत सी नदियों को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल, आज यमुना भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में एक प्रदूषित नदी है।वास्तव में, यमुना नदी के प्रदूषण का प्रमुख कारण क्रमशः शहरों से निकलने वाले अथाह सीवेज और औद्योगिक कचरा व गंदा पानी, कृषि अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण, भारी धातु संदूषण, विभिन्न नालों से निकलने वाला गंदा पानी,नदी में डाला जाने वाला घरेलू कचरा आदि हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार यमुना में डाले जाने वाले कुल कचरे में घरेलू कचरा दो तिहाई से ज्यादा होता है।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार ओखला बैराज और वजीराबाद के बीच यमुना का 22 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है, जो नदी के 80% हिस्से के लिए जिम्मेदार है। जानकारी मिलती है कि नोएडा और पूर्वी दिल्ली से निकलने वाला मलबा शाहदरा नाले से बहकर नदी में आता है और बैराज के नीचे की ओर जाकर नदी में मिल जाता है। हालाँकि, कई अन्य कारक भी हैं, लेकिन दिल्ली का अपशिष्ट उत्पादन यमुना नदी के प्रदूषण का मुख्य कारण है। गौरतलब है कि यमुना बेसिन का 12% हिस्सा जंगल से घिरा है, 27% बंजर भूमि है, 53% कृषि भूमि है और शेष 95% कस्बों, गांवों और शहरों से बना है। 53% कृषि भूमि पर कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है, जो सीधे यमुना प्रदूषण में योगदान करते हैं। इतना ही नहीं,यमुना नदी बेसिन की कृषि भूमि प्रदूषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।यह भी उल्लेखनीय है कि यमुना नदी बेसिन के पास भूस्खलन का एक और प्रभाव जल प्रदूषण है। आमतौर पर, यह तब होता है जब बारिश होती है। नदी के किनारे पर फेंकी गई सारी मिट्टी और ठोस कचरा, जब जल स्तर अधिक होता है, तो पानी के साथ बह जाता है। पाठकों को यह भी बताता चलूं कि 18 बड़े नालों के जरिये 350 लाख लीटर से अधिक गंदा पानी और सीवेज सीधे यमुना में गिरता है।शायद यही कारण भी है कि आज यमुना न केवल उत्तर भारत में बल्कि पूरे देश में सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है।गौरतलब है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुना किनारे टूरिज्म कॉरिडोर के विकास का वादा किया था। बीजेपी की जीत के बाद पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए हमारे देश के पीएम ने जिस तरह यमुना की सफाई को लेकर प्रतिबद्धता जताई तथा, यमुना मैया की जय का नारा लगाया, उससे अब यह उम्मीद जताई जा सकती है कि यमुना फिर से साफ, शुद्ध और निर्मल हो सकेगी। ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि दिल्ली में यमुना 22 किलोमीटर हिस्से में बहती है। यह पूरी यमुना का महज दो प्रतिशत है और यमुना का सबसे प्रदूषित हिस्सा है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार यमुना नदी के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए वर्ष 2017-2021 के बीच 6500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन अनाधिकृत कॉलोनियों से निकलने वाले सेप्टेज और सीवेज सिस्टम की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, लेकिन अच्छी बात यह है कि अब इस प्राकृतिक जल स्रोत(यमुना) की सफाई के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावी बयानबाजी में एक-दूसरे दल के खिलाफ खूब आरोप-प्रत्यारोप हुए। यदि राजनीतिक लाभ-हानि को दरकिनार करें,तो आम जनता को इससे यह एक बड़ा फायदा हुआ कि यमुना का प्रदूषण चुनावों के दौरान एक प्रमुख मुद्दा बन गया। भारत जैसे देश में तो नदियों की पूजा की जाती रही है और यमुना भारत की एक पवित्र नदी थी, आज यह प्रदूषित जरूर हो गई है, लेकिन आज भी लोगों में इसके प्रति विशेष श्रद्धा है। कहना गलत नहीं होगा कि नदियां हमेशा-हमेशा से हमारी सभ्यता-संस्कृतियों के फलने-फूलने का विशेष केंद्र बिंदु रहीं हैं। नदियों का जल जहां पीने के लिए काम आता है, वहीं दूसरी ओर खेती समेत अन्य कार्यों के लिए भी नदियों का जल धरती के सभी प्राणियों, वनस्पतियों तक के लिए महत्वपूर्ण है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अब तक यमुना नदी की साफ-सफाई के लिए सरकार द्वारा बहुत पैसा खर्च किया जा चुका है। मसलन, वर्ष 1993 में यमुना एक्शन प्लान शुरू हुआ, इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के 21 शहर शामिल थे। वर्ष 2002 तक इसमें कुल खर्च 682 करोड़ रुपये था। इसके बाद वर्ष 2012 में यमुना एक्शन प्लान चरण (दो) के तहत इस पर 1,514.70 करोड़ रुपये, एक्शन प्लान चरण तीन के तहत कुल 1,656 करोड़ रुपये अनुमानित खर्च रहा। गौरतलब है कि इस चरण में दिल्ली में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और ट्रंक सीवर का पुनर्वास आदि शामिल किया गया था। इसी तरह से वर्ष 2015 से वर्ष 2023 तक केंद्र सरकार ने यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड को(नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा के अंतर्गत)कुल 1,000 करोड़ रुपये और यमुना एक्शन प्लान-तीन के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये दिए गए थे। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की सत्ता में आने के बाद से 700 करोड़ रुपये यमुना की साफ-सफाई पर खर्च किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 11 परियोजनाओं के लिए जल शक्ति मंत्रालय ने 2361.08 करोड़ रुपये दिए। इसमें यमुना भी शामिल थी। इतना ही नहीं, वर्ष 2018 से 2021 के बीच 200 करोड़ रुपये आवंटित हुए। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार यमुना की सफाई के लिए 1665 करोड़ के बजट के साथ 'यमुना एक्शन प्लान' को वित्तपोषित कर रही है और इस कार्ययोजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए भारत सरकार को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन से सहायता मिल रही है।इस रणनीति को लागू करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। कार्ययोजना के चरण-दर-चरण क्रियान्वयन के लिए दिल्ली को तीन खंडों क्रमशः ओखला, रिठाला और कंडाली में बांटा गया है। बहरहाल,अगर हमें अपने पर्यावरण को साफ और अपने जीवन जीने लायक बनाना है तो हमें निश्चित ही नदियों की सफाई पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह याद रखना चाहिए कि देश के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का आधार नदियां ही हैं।

औद्योगीकरण और बढ़ते शहरीकरण, विकास के कारण नदियों पर संकट कहीं न कहीं अधिक बढ़ा है। बहरहाल,पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पृथ्वी की सतह पर जो पानी की उपलब्धता है उसमें से 97 प्रतिशत सागरों और महासागरों में है, जो कि नमकीन या खारा है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पानी पीने योग्य नहीं है। केवल तीन प्रतिशत जल ही पीने योग्य है, जिसमें से 2.4 प्रतिशत पानी ग्लेशियरों और उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव में बर्फ के रूप में है। केवल 0.6 प्रतिशत पानी नदियों, झीलों और तालाबों में है, जिसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस हिसाब से हमें नदियों का संरक्षण करना चाहिए। आज कपड़े धोने, पशुओं को नहलाने , खुद नहाने, प्लास्टिक का बेतहाशा इस्तेमाल करने, उसे नदियों में फेंकने इत्यादि सभी कार्यों की वजह से नदियों का जल लगातार प्रदूषित हो रहा है। यह बहुत ही दुखद है कि कल-कारखानों से निकलता हुआ कचरा, कूड़ा-करकट, विभिन्न रासायनिक पदार्थों, गंदगी आदि को नदियों के जल में बिना सोचे-समझे प्रवाहित किया जा रहा है।इससे नदियों का जल बुरे तरीके से प्रदूषित व गंदा हो रहा है। यदि हमें हमारी नदियों को संरक्षित करना है, तो हमे कचरे को नदियों में फेंकना बंद करना होगा।

कल-कारखानों को कचरा, रासायनिक पदार्थों आदि को नदियों में कदापि नहीं डालना चाहिए, क्यों कि ऐसा करने से पानी में रहने वाले लाभदायक जीव मर जाते हैं। यह बहुत ही बड़ी बात है कि आज औद्योगिक कचरे को बिना उपचारित किए ही नदियों में डाल दिया जाता है। फैक्ट्रियों को जितना व जहां तक संभव हो सके कचरे को नदियों में डालने से बचना चाहिए। अगर हम सब मिलकर नदियों को संरक्षित करने की शपथ लें तो, हम निश्चित तौर पर नदियों को साफ रख पाएंगे। इसके लिए हमें वृक्षों का संरक्षण करना करना चाहिए, क्यों कि वृक्ष होंगे तो वर्षा होगी और अगर वर्षा होगी तो नदियों का जल स्रोत भी कहीं न कहीं अवश्य ही बढ़ेगा। कहना गलत नहीं होगा कि नदियों की साफ-सफाई में आम जनता की भागीदारी भी बहुत ही जरूरी व आवश्यक है, लेकिन संसाधनों के मामले में सरकार की जिम्मेदारी बड़ी व महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आज जरूरत इस बात की है कि हम विकास परियोजनाओं से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए ठोस व प्रभावी रणनीतियों को अमल में लाएं। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि जलमार्गों की सफाई स्वस्थ जलमार्गों को बढ़ावा देने, संसाधनों का स्थायी व सही प्रबंधन करने और विशेषकर हमारे पर्यावरण की रक्षा करने के लिए बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण है। कहना चाहूंगा कि जल प्रदूषण(विशेषकर नदियों)की सफाई के कई आर्थिक, स्वास्थ्य और शैक्षिक लाभ भी हैं। कहना गलत नहीं होगा कि समुद्री जीवन की भी इससे कहीं न कहीं रक्षा होती है। वास्तव में नदियों को साफ रखने के लिए जागरुकता बहुत ही जरूरी है। दूसरे शब्दों में कहें तो स्थानीय लोगों का जागरूक एवं जिम्मेवार होना सबसे ज्यादा आवश्यक है। वास्तव में,स्थानीय जन समुदाय की भूमिका निगरानी से लेकर सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं, कार्यक्रमों, अभियान इत्यादि में सक्रिय भागीदारी से है।

इंडिया न्यूज
RNI NO:DELHIN/2007/20278*
प्रकाशक, मुद्रक एवं कार्यकारी निदेशक **राकेश शर्मा** द्वारा मै. गुडमॉर्निंग इंडिया मीडिया प्रा. लिमिटेड के लिए खसरा नं. 39, ग्राम-बसई ब्राहुद्दीन नगर, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (यूपी)-201301 से मुद्रित कराकर 276 कैप्टन गौड़ मार्ग, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली-65 से प्रकाशित। **संपादक : राणा यशवंत।**
*** पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी**

हमारे जीवन की अमूल्य निधि है वन्यजीव

विश्व वन्यजीव दिवस 2025 की थीम 'वन्यजीव संरक्षण वित्त : लोगों और ग्रह में निवेश' रखी गई है। वन्यजीव संरक्षण में उनके समुचित प्राकृतिक आवास और आर्थिक संसाधन महत्वपूर्ण केंद्र बिन्दु के रूप में उभरे है। ये दो केंद्र बिंदु हमारे ग्रह की विविध प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने, व्यवहार बदलने और नीति में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। थीम के मुताबिक हमें वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण हेतु न केवल आर्थिक संसाधनों का प्रबंध करना है

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ पत्रकार

वन्यजीव संरक्षण केवल एक प्रजाति या समुदाय के लिए नहीं है। यह समूची मानव जाति के व्यापक हित और कल्याण से जुड़ा है। पृथ्वी पर जन जीवन का आधार वन्यजीव है। इसी उद्देश्य से विश्व वन्यजीव दिवस हर साल तीन मार्च को मनाया जाता है। विश्व वन्यजीव दिवस 2025 की थीम 'वन्यजीव संरक्षण वित्त : लोगों और ग्रह में निवेश' रखी गई है। वन्यजीव संरक्षण में उनके समुचित प्राकृतिक आवास और आर्थिक संसाधन महत्वपूर्ण केंद्र बिन्दु के रूप में उभरे है। ये दो केंद्र बिंदु हमारे ग्रह की विविध प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने, व्यवहार बदलने और नीति में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। थीम के मुताबिक हमें वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण हेतु न केवल आर्थिक संसाधनों का प्रबंध करना है अपितु जैव विविधता की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने है, ताकि इसका लाभ समाज और धरती को भी मिले। वन्यजीवों के लुप्त होने की चिंताजनक दर को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रिपोर्ट से रेखांकित किया गया है, जिससे पता चलता है कि लगभग 44,016 प्रजातियाँ विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं। यह क्व्रउठ रेड लिस्ट में सूचीबद्ध 157,190 प्रजातियों में से लगभग 28 फीसदी है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्रौद्योगिकियों का पता लगाने और उन्हें एकजुट करने, खतरों को कम करने और वन्यजीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए उन्हें फिर से लागू करने के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। भारत में विभिन्न वन्य जीवों की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है। हमें अपने वनों की सुरक्षा और जानवरों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए। मानव सभ्यता ने प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन शुरू कर दिया। जंगलों को खत्म कर दिया गया। ऐसे ही कितने ही जीव-जंतुओं का शिकार इस हद तक किया गया कि वह विलुप्त होने की कगार में हैं और कुछ तो विलुप्त भी हो गए। पूरा संसार जंतु तथा पेड़- पौधों की विभिन्न प्रजातियों से भरा हुआ है। सभी प्रजातियों के जीव, जंतु, पेड़, पौधे तथा पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र के अस्तित्व के लिए अपने-अपने तरीकों से महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वन्यजीव मानव अस्तित्व के समय से ही धरती पर उपस्थित हैं, तथा एक-दूसरे के जीवन का अभिन्न अंग भी बन चुके हैं। नई बस्तियां बसाने, औद्योगीकरण, बढ़ती हुई आबादी, गैरकानूनी व्यापार तथा शिकार इत्यादि कार्यों का वन्यजीवों पर विपरीत असर पड़ रहा है। धरती जीव-जंतुओं तथा पौधों की विभिन्न प्रजातियों की संख्या इतनी अधिक तेजी से घट रही है, जितनी तेज गति से यह पूर्व में शायद ही कभी घटी हो। प्रत्येक 24 घंटे के अंदर जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की लगभग 200 प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। इस भांति प्रति वर्ष करीब 73,000 प्रजातियां पृथ्वी से विलुप्त हो रही हैं। भारत में विश्व के 5 प्रतिशत अर्थात 75,000 प्रजातियों के जीव-जन्तु निवास करते हैं तथा वनस्पतियों की 45,000 प्रजातियाँ भारत में पाई जाती हैं। जनसंख्या विस्फोट और शहरीकरण के ही परिणाम हैं कि वनों को काटकर इसे इमारतों, होटलों, या मानव बस्तियों में बदलने की गतिविधियों में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप जंगल में रहने वाले विभिन्न प्रजातियों के निवास स्थान में कमी आई है। उन्हें उन स्थानों को छोड़ना पड़ता था और नए आवास की तलाश करनी होती थी जो कि आसान नहीं होता है। नए निवास स्थान की खोज, भोजन के लिए बहुत सारी प्रतियोगिता, कई प्रजातियों को लुप्त होने की कगार पर ले जाती है। लेकिन आज इनमें से कई विलुप्त हो गई हैं और कई विलुप्त होने की कगार पर हैं। प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे का पहला कारण इनके रहने की जगह लगातार कम होना है। और इसके लिए जिम्मेदार इंसान हैं क्योंकि इनको भोजन और आश्रय प्रदान करने वाले पेड़ों को वह अपने स्वार्थ के लिए लगातार काट रहे हैं। साथ ही खनन और कृषि जैसी मानवीय गतिविधियां भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

विश्व में बड़े स्तर पर जंगली आग और प्रदूषण से जैव विविधता तेजी से नष्ट होती जा रही है। प्रदूषण और तापमान के निरंतर बढ़ने से समुद्री जल जीव मर रहे हैं। वन्य जीव जंतु एवं पशु पक्षियों की प्रजातियां नष्ट हो रही हैं। समुद्री जल जीवों में डॉल्फिन और व्हेल्स सहित अन्यान्य जीव लुप्त हो रहे हैं। वन्यजीव जानवर और पौधे प्रकृति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। किसी भी स्तर पर नुकसान होने पर इसके अप्राकृतिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। वे पारिस्थितिक संतुलन के लिए जिम्मेदार हैं और मानव जाति के निर्वाह के लिए, यह संतुलन बनाए रखना चाहिए। इसलिए सरकार द्वारा संरक्षण प्रयासों के साथ, यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है, कि हम व्यक्तिगत रूप से वन्यजीवों के संरक्षण में अपना योगदान करें।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को ह्यविश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है।

प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवसह्ल के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की ह्यलिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए भारतीय वन अधिनियम अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया।

देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

नतीजतन, लोग विवादों को निपटाने के लिए वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर सकते हैं। यह लंबित मामला देरी का एक चक्र बनाता है, जिससे अदालतों के लिए नए मामलों को निपटाना मुश्किल हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः अनसुलझे मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जाती है। देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं,

प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय न्यायालयों में अनसुलझे मामलों का मुद्दा एक बड़ी चुनौती है, जिसने न्याय प्रणाली को गहराई से प्रभावित किया है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या न्याय प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई वर्तमान प्रणाली की प्रभावशीलता और दक्षता पर गंभीर सवाल उठाती है। ऐसी देरी का कानूनी ढांचे पर हानिकारक और व्यापक प्रभाव पड़ता है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ न्याय की पहुँच में बाधा डाल सकती हैं, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों को नुकसान होता है। जैसे-जैसे मामले लंबित होते हैं, कानूनी प्रणाली में जनता का भरोसा कम होता जाता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता को लेकर निराशा और संदेह पैदा होता है। नतीजतन, लोग विवादों को निपटाने के लिए वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर सकते हैं। यह लंबित मामला देरी का एक चक्र बनाता है, जिससे अदालतों के लिए नए मामलों को निपटाना मुश्किल हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः अनसुलझे मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जाती है। देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, "लंबित मामलों" का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ "न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है" कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है।

मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है।

वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

जहानखेला में 2490 पुलिस कर्मचारियों की पासिंग आउट परेड के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता की

पंजाब की पवित्र धरती पर गैंगस्टरों, तस्करों और अन्य अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं: मुख्यमंत्री

- पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के खिलाफ अभियान शुरू किया
- नव-नियुक्त पुलिस अधिकारियों से नशीले पदार्थों के खिलाफ युद्ध का अभिन्न अंग बनने की अपील

जहानखेला (होशियारपुर)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंजाब की पवित्र धरती पर गैंगस्टरों, तस्करों, अपराधियों और अन्य समाज विरोधी तत्वों के लिए कोई जगह नहीं है और जल्द ही इन्हें राज्य से साफ कर दिया जाएगा। यहां 2490 सिपाहियों की पासिंग आउट परेड के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र धरती ने संत, पीर, शहीद, महान खिलाड़ी और जनरल पैदा किए हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से पिछली सरकारों की सरपरस्ती में तस्करों, गैंगस्टरों और अन्य अपराधियों ने राज्य को अपना अड्डा बना लिया था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने अब इन देश विरोधी तत्वों को नकेल डालने के लिए अभियान शुरू कर दिया है और ये जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य एक ऐतिहासिक मोड़ पर है क्योंकि पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के खिलाफ निर्णायक युद्ध छेड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नशों के खिलाफ बिल्कुल लिहाज न करने की नीति अपनाई है और आम जनता के सक्रिय सहयोग से पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि नशों की सप्लाई लाइन को तोड़ा जा रहा है, नशा तस्करों को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है और नशा तस्करों की संपत्तियां जब्त की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नए भर्ती कर्मचारी नशों के खिलाफ युद्ध का अभिन्न अंग बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के कारण दुश्मन ताकतें राज्य की शांति को भंग करने के नापाक मंसूबे बना रही हैं लेकिन पंजाब पुलिस ने हमेशा ऐसी कोशिशों को नाकाम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य को दरपेश बड़ी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए यह जरूरी है कि पुलिस बल को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आधुनिक जरूरतों के अनुसार अपडेट किया जाए। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि पंजाब पुलिस पूरी तन्मयता से लोगों की सेवा करने की शानदार विरासत को कायम रखेगी।

नए पुलिस कर्मचारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि वे पुलिस परिवार का अभिन्न अंग बन गए हैं। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी पूरी लगन, मेहनत और वचनबद्धता के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया, जिससे राज्य की तरक्की और यहां के लोगों की खुशहाली में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आम लोगों की मुश्किलों को दूर करने और

उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए पुलिस को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बल में नए शामिल किए गए पुलिस कर्मचारियों को राज्य से नशों की बुराई को जड़ से उखाड़ने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंजाब नशों के खिलाफ देश की लड़ाई लड़ रहा है और पंजाब पुलिस ने इसकी सप्लाई को रोकने के लिए हमेशा आगे बढ़कर काम किया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब समय आ गया है जब बल को पंजाब पुलिस की शानदार परंपरा को कायम रखना चाहिए ताकि राज्य से नशों की बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने फूट डालने वाली ताकतों को चेतावनी दी कि उनके फिरकू तनाव पैदा करने के मंसूबों को नाकाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सामाजिक ताना-बाना इतना मजबूत है कि पंजाब की उपजाऊ धरती पर कोई भी बीज उग सकता है लेकिन यहां नफरत का बीज किसी भी कीमत पर नहीं उगेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भले ही राज्य की अमन-शांति को भंग करने की कोशिशें की जा रही हैं लेकिन पंजाबियों द्वारा प्यार, सद्भावना और शांति के रिश्ते को और मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 से अब तक पुलिस बल को अपडेट करने के लिए 10,000 से अधिक युवाओं को नियुक्त किया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब पुलिस में 10,000 नए सिपाहियों की भर्ती करने का भी फैसला किया है, जिसके लिए जल्द ही कैबिनेट द्वारा आवश्यक हरी झंडी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य की पुलिस बल को वैज्ञानिक आधार पर अपग्रेड करने के लिए वचनबद्ध है ताकि अपराधियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और कीमती जानें बचाने के लिए देश में अपनी तरह की अनूठी पहल के तहत समर्पित सड़क सुरक्षा बल की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि लड़कियों सहित विशेष रूप से प्रशिक्षित नए भर्ती किए गए 1597 जवान इस बल की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम कर रहे हैं, जिन्हें आधुनिक 144 वाहन मुहैया कराए गए हैं और पिछले साल फरवरी में इसकी शुरूआत के बाद राज्य में हादसों के कारण होने वाली मौतों में 48.10 प्रतिशत की कमी आई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सड़क हादसों के खतरे वाले 4200 किलोमीटर हाईवे पर बल तैनात किया गया है, जो निर्धारित क्षेत्रों में गश्त करने के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए काम करता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी भारत की संसद में राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़े गर्व और संतोष की बात है कि 155 एकड़ में फैला जहानखेला कैंपस अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से लैस है। उन्होंने कहा कि इस कारण ही दूसरे राज्यों की बलें यहां पुलिस प्रशिक्षण लेने के लिए आती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपराध का तरीका बदल गया है, इसलिए पंजाब पुलिस को अपडेट किया जा रहा है, जिसके लिए यहां विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब ये युवा सरकार का अभिन्न अंग बन चुके हैं और अब मिशनरी जज्बे के साथ लोगों की सेवा करनी चाहिए। भगवंत मान ने उम्मीद जताई कि नए भर्ती हुए युवा अपनी कलम का उपयोग समाज के जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों की मदद के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि नए भर्ती हुए युवाओं को अधिक से अधिक लोगों की भलाई सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके।

5 पुलिस कर्मियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के चेक सौंपे

जहानखेला (होशियारपुर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पांच पुलिस कर्मियों के पारिवारिक सदस्यों को एक-एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के चेक सौंपे। मुख्यमंत्री ने यहां पासिंग आउट परेड के दौरान शहीद ए.एस.आई. (एल.आर.) बलविंदर सिंह, ए.एस.आई. (एल.आर.) नसीब चंद, ए.एस.आई. (एल.आर.) अनिल कुमार, हवलदार मनजिंदर सिंह और सिपाही इंद्रजीत सिंह के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये के चेक सौंपे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में इन वीर योद्धाओं के महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान के रूप में है। देश सेवा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिवारों की सहायता के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह पंजाब सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल देश के लिए अपने प्राणों की बलि देने वाले बहादुरों के अपार योगदान के सम्मान के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि इन वीरों के परिवारों को वित्तीय सहायता देना राज्य सरकार की सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य की यह पहल एक ओर शहीद परिवारों की सहायता करेगी और दूसरी ओर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मददगार साबित होगी। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि इससे युवा सशस्त्र बलों और पंजाब पुलिस में भर्ती होकर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित होंगे।

खबर एक्सप्रेस

नगर काउंसिल तरन तारन, डेरा बाबा नानक और तलवाड़ा के आम चुनावों में मतदान सम्पन्न

चंडीगढ़। पंजाब राज्य चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि तीन नगर काउंसिलों-तरन तारन (जिला तरन तारन), डेरा बाबा नानक (जिला गुरदासपुर) और तलवाड़ा (जिला होशियारपुर)-के आम चुनाव आज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए हैं। संबंधित जिला चुनाव अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार, नगर काउंसिल तरन तारन, डेरा बाबा नानक और तलवाड़ा में क्रमशः 54.06%, 73.50% और 61.31% मतदान हुआ। उन्होंने आगे बताया कि नगर काउंसिल तरन तारन के वार्ड नंबर 3 के लिए 04.03.2025 को सुबह 07:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक पुनः मतदान कराने के आदेश दिए गए हैं, और मतगणना भी उसी दिन होगी। इस संबंध में डिप्टी कमिश्नर-कम-डी.ई.ओ., तरन तारन को सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विजिलेंस ब्यूरो ने एएसआई और सीनियर सिपाही को 50,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही अपनी मुहिम के तहत रविवार को बरनाला जिले के थाना महल कलां में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जग्गा सिंह (नंबर 636/बरनाला) और सीनियर सिपाही गुरप्रीत सिंह (नंबर 288/बरनाला) को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आज यहां यह खुलासा करते हुए ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इन दोनों पुलिस कर्मचारियों को बरनाला शहर की एक महिला द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर बताया कि महल कलां थाने में एक पुलिस केस दर्ज हुआ था, जिसमें उसके भाई को बाद में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया गया था। उसने आरोप लगाया कि उक्त आरोपी एएसआई और सीनियर सिपाही ने उसके भाई का मोबाइल फोन, घड़ी, सोने की चेन और 10,000 रुपये नकद वापस करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसमें दोनों आरोपियों को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में दोनों आरोपियों के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की आगे जांच जारी है।

वर्ष 2025-26 के दौरान 2100 हेक्टेयर क्षेत्र को वनों के अधीन लाया जाएगा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित पंजाब के संकल्प को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से, प्रदेश में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वन क्षेत्र को बढ़ाने की योजना तैयार की गई है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा, मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में, निरंतर और सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। 'पंजाब स्टेट कंपंसेटरी एफॉरेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथॉरिटी' (पंकेम्पा) योजना के तहत, वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक संचालन योजना (ए.पी.ओ.) को राज्य प्राधिकरण की स्टीयरिंग कमेटी की स्वीकृति के बाद अंतिम मंजूरी के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण, नई दिल्ली को सौंप दिया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान 2100 हेक्टेयर क्षेत्र को वन क्षेत्र के तहत लाने का प्रस्ताव है। वर्ष 2024-25 के दौरान, 1932 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधे लगाए गए थे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कंपंसेटरी एफॉरेस्टेशन फंड अधिनियम, 2016 और कंपंसेटरी एफॉरेस्टेशन फंड नियम, 2018 के प्रावधानों के तहत प्रत्येक वर्ष राज्य प्राधिकरण (सीएएमपीए) की संचालन योजना तैयार की जाती है और इसे स्टीयरिंग कमेटी की स्वीकृति के बाद राष्ट्रीय प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा अंतिम मंजूरी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि स्वीकृत ए.पी.ओ. के अनुसार केवल वन क्षेत्र में ही पौधे लगाए जाते हैं।

अधिकारियों को बिना डर या पक्षपात के परियोजनाओं की नियमित गुणवत्ता जांच करने के निर्देश

चंडीगढ़। पंजाब के लोक निर्माण और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा संचालित कार्यों की गहन समीक्षा की और टेंडरिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। लोक निर्माण मंत्री द्वारा ली गई इस समीक्षा बैठक में सभी मुख्य अभियंता और पीडब्ल्यूडी के संयुक्त सचिव अमरबीर सिद्धू उपस्थित रहे। इस दौरान, कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बिना किसी डर या पक्षपात के चल रही परियोजनाओं की नियमित गुणवत्ता जांच करें। इसके साथ ही, उन्होंने टेंडरिंग प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता की आवश्यकता दोहराते हुए पारदर्शिता अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने विभाग के मुख्य अभियंताओं को बदलती परिस्थितियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मानक निविदा दस्तावेजों में आवश्यक संशोधन करने की भी सलाह दी। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, उपयोगिता स्थानांतरण, वन विभाग और अन्य कानूनी मंजूरियों में हो रही देरी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को समय-समय पर परियोजनाओं की समीक्षा करने और मुद्दों का तत्काल समाधान निकालने के निर्देश दिए।

पंजाब पुलिस ने सरहद पार से तस्करी में शामिल गैंगस्टर हरदीप दीपा को किया गिरफ्तार: तीन आधुनिक हथियार बरामद

चंडीगढ़/फिरोजपुर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के अभियान के तहत, काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर ने नशा तस्कर और गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा (निवासी गांव घल खुर्द, फिरोजपुर) को गिरफ्तार कर सीमा पार तस्करी के नेटवर्क का पदार्फाश किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस टीम ने तीन आधुनिक हथियार, जिनमें 9 एम एम ग्लॉक पिस्टल, .30एम एम बेरेटा पिस्टल और एक पंप-एक्शन गन शामिल हैं, बरामद किए हैं। इसके साथ ही तीन मैगजीन, 141 कारतूस और 45 ग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है। इसके अलावा, गैंगस्टर की मारुति स्विफ्ट कार भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि ये हथियार पाकिस्तान से किसी अज्ञात विदेशी संस्था द्वारा भेजे गए थे, जिसका उद्देश्य पंजाब में आतंकवादी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देना था। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने इन हथियारों को आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के प्रमुख संचालकों तक पहुंचाने की योजना बनाई थी। इस विदेशी संस्था की पहचान और इसके व्यापक नेटवर्क का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। उन्होंने कहा कि पूरे नेटवर्क को उजागर करने के लिए आगे की जांच की जा रही है और इस मॉड्यूल में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान के साथ-साथ तस्करी किए गए हथियारों के मूल स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। ओर जानकारी देते हुए एआईजी सीआई फिरोजपुर लखबीर सिंह ने बताया कि पुलिस को गैंगस्टर हरदीप दीपा के नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी में शामिल होने तथा हाल ही में आपराधिक तत्वों को हथियारों की खेप पहुंचाने की योजना बनाने की पुख्ता सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इस सूचना के आधार पर पुलिस ने कोटकपूरा के पास पंज गराई मोड़ पर नाका लगाया और एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने का संकेत दिया। लेकिन आरोपी ने कार रोकने की बजाय भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा किया और गांव पंज गराई इलाके में उसे तब गिरफ्तार कर लिया जब उसकी कार अचानक एक संकरी सड़क की ओर मुड़ने के बाद पलट गई। एआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड है और उसके खिलाफ मोगा, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों में आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर अपराधों के तहत चार मामले दर्ज हैं। आरोपी को अप्रैल 2024 में जमानत पर रिहा कर दिया गया था, लेकिन जेल से बाहर आते ही उसने फिर से आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दीं। इस संबंध में एफआईआर नंबर 05, दिनांक 01 मार्च 2025 को पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), फाजिल्का में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 25 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

93 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों की छात्राओं की योग्यता और रुचि का पता लगाने के लिए होगा साइकोमेट्रिक टैस्ट

चंडीगढ़। एक विलक्षण पहल के तहत पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों की 10वीं कक्षा की छात्राओं की करियर रुचि, क्षमता और योग्यता का आकलन करने के लिए उनका साइकोमेट्रिक टैस्ट करवाया जाएगा। इस परियोजना के बारे में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एस सी ई आर टी) द्वारा 10वीं कक्षा की छात्राओं के साइकोमेट्रिक टैस्ट के लिए सभी जिलों को 6.56 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई है। इस कार्यक्रम के तहत 31 मार्च 2025 तक 10वीं कक्षा में पढ़ रही सभी 93,819 छात्राओं का टैस्ट किया जाएगा। इस परियोजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए पूरे राज्य में जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) के नेतृत्व में जिला स्तरीय कमेटियों का गठन किया गया है। ये कमेटियां अपने-अपने जिलों में टेस्टिंग प्रक्रिया और सभी कार्यों की निगरानी करेंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की मानसिक क्षमताओं, रुचियों और व्यक्तित्व गुणों का विश्लेषण करना है, जिससे उन्हें अपने करियर की सही दिशा चुनने में मार्गदर्शन मिल सके। स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि अधिकांश छात्राएँ 10वीं की बोर्ड परीक्षा के बाद अपने करियर को लेकर असमंजस में रहती हैं। यह निर्णय 11वीं कक्षा में स्ट्रीम के चुनाव को प्रभावित करता है। निजी स्कूलों में करियर काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध होती है, लेकिन सरकारी स्कूलों में इस सुविधा का अभाव था, जिसके कारण कई छात्राएं अपने सहपाठियों को देखकर उनकी चुनी हुई स्ट्रीम को अपना लेती थीं।

वजीफा योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक की दो साल की सेवा की शर्त समाप्त: श्रम मंत्री

चंडीगढ़। पंजाब में श्रमिकों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि पंजाब लेबर वेलफेयर बोर्ड की वजीफा योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए 2 हजार रुपये से लेकर 70 हजार रुपये तक का लाभ उठाया जा सकता है। इसके साथ ही वजीफा योजना प्राप्त करने के लिए श्रमिक की दो साल की सेवा की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि पंजाब लेबर वेलफेयर बोर्ड की वजीफा योजना श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए दी जाती है। पहले इस योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक की दो साल की सेवा अनिवार्य थी, जिसे श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद की पहल पर हटा दिया गया है। तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई के लिए वजीफा योजना का लाभ श्रमिक के अंशदान करने की तिथि से ही लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा में इस योजना का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ पहली कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक उठाया जा सकता है। पंजाब लेबर वेलफेयर बोर्ड की वजीफा योजना के तहत पहली से पांचवीं क्लास तक लड़कियों को 3,000 रुपये और लड़कों को 2,000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं। इसी प्रकार 6वीं से 8वीं कक्षा तक लड़कियों को 5,000 रुपये और लड़कों को 7,000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं।

साइबर क्राइम, फॉरेंसिक और लॉ कार्यशाला: कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व पर दिया जोर

चंडीगढ़। पंजाब के बिजली और लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने आधुनिक डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व को उजागर करते हुए, इसके जनता और राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों को विभिन्न दृष्टिकोणों से विश्लेषित किया। चंडीगढ़ में लॉ भवन में आयोजित साइबर क्राइम, फॉरेंसिक और लॉ कार्यशाला के दौरान, कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने तकनीक के माध्यम से होने वाले अपराधों और फॉरेंसिक जांच के महत्व पर चर्चा करते हुए, इस कार्यशाला की मेजबानी करने के लिए टूथ लैब्स, नसदीप फाउंडेशन और प्राउड लीगल की सराहना की। कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने कहा कि नाजुक बुनियादी ढांचा, जिस में पावर ग्रिड, जल प्रणाली और परिवहन नेटवर्क जैसे संवेदनशील बुनियादी ढांचे पर साइबर खतरों के कारण गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंजाब सरकार एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे को लागू करने और इसकी दक्षता बढ़ाने के लिए निवेश करने के साथ-साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित कर साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साइबर खतरों से निपटने के लिए कानूनी विशेषज्ञों, तकनीकी विशेषज्ञों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नागरिक समाज को शामिल करने की एक समन्वित रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कानूनी पेशेवरों को न्यायपालिका और विधि समुदाय के लिए सरकारी सहायता का आश्वासन देते हुए, डिजिटल साक्ष्यों और उभरती तकनीकों से निपटने में दक्षता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

संवाद

बरनाला के नए एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम से विशेष बातचीत

नशे और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई मेरी प्राथमिकता

जतिंदर देवगन

बरनाला। 2019 बैच के तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी मोहम्मद सरफराज आलम ने बरनाला के नए जिला पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और कुशल नेतृत्व के लिए पहचाने जाने वाले एसएसपी सरफराज आलम पहले मोगा, जालंधर और पटियाला में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके प्रारंभिक जीवन, यूपीएससी की यात्रा, पुलिस सेवा के अनुभव और बरनाला जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर उनकी प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रश्नः आपने अपने प्रारंभिक जीवन और शिक्षा के बारे में कुछ साझा करें?

एसएसपी सरफराज आलम : मैं पटना, बिहार से ताल्लुक रखता हूं। मैंने बेंगलुरु से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और फिर कई वर्षों तक आईटी सेक्टर में कार्य किया।

प्रश्नः: इंजीनियरिंग और आईटी सेक्टर में सफल करियर के बाद आपने पुलिस सेवा क्यों चुनी?

एसएसपी सरफराज आलमः बिहार में सिविल सर्विसेज को बहुत सम्मान दिया जाता है। मेरे परिवार की हमेशा इच्छा थी कि मैं सिविल सेवा में जाऊं। 2015 में जब मुझे एक बड़ी आईटी कंपनी में विदेश जाने का अवसर मिला, तो परिवार ने मुझसे कहा "पैसा तो बहुत लोग कमा लेते हैं, तुम इज्जत कमा लो"। यही वो शब्द थे, जिन्होंने मुझे यूपीएससी की तैयारी के लिए प्रेरित किया।

प्रश्नः यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के दौरान आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

एसएसपी सरफराज आलमः 2015 के आखिर में मैं दिल्ली शिफ्ट हुआ तब मेरे पास जो आईटी सेक्टर में नौकरी से पैसे कमाए थे, वे थे। मैंने पूरी तैयारी अपने स्वयं के बलबूते पर की है। जब इंजीनियरिंग में था तब मेरे पर एजुकेशन लोन भी था, वह सारा एजुकेशन लोन मैंने भरा तथा उसके बाद जो सेविंग बची उनको लेकर मैं सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए दिल्ली चला गया। मन में एक डर भी रहता है कि आप एक अच्छा करियर छोड़कर सिविल सर्विसेज की तैयारी करने आ रहे हो अगर नहीं उत्तीर्ण हो पाए तो क्या होगा? 2016 के एग्जाम में मेरे को इंडियन ऑडियंस फैक्ट्री सर्विसेज मिला था। उसकी जॉइनिंग में मैं थोड़ा लेट हो गया था तथा तब तक मेरे सारे फाइनेंस खत्म हो गए थे। परंतु मेरे घरवालों, दोस्तों, रिश्तेदारों के सपोर्ट से मैंने कभी हार नहीं मानी।

प्रश्नः: आपने भारतीय आयुध निर्माणी सेवा से आईपीएस बनने तक का सफर कैसे तय किया?

एसएसपी सरफराज आलमः 2016 में भारतीय आयुध निर्माणी सेवा मिलने के बावजूद, मैंने सिविल सेवा में बेहतर अवसरों के लिए प्रयास जारी रखा। 2018 में मैंने फिर से यूपीएससी दी और 2019 बैच में आईपीएस बना।

प्रश्नः: मोगा और जालंधर में सेवा देने के बाद आपने पटियाला में एसपी सिटी के रूप में काम किया, उन तैनातियों से आपने क्या सीखा?

जिला पुलिस प्रमुखः मोगा का मेरा अनुभव काफी मिक्स रहा। वहां मैं निहालसिंहवाला में बतौर डीएसपी 10 महीने तक रहा। जालंधर में मैं 3 महीने रहा, वहां से मैं पदोन्नति होकर एसपी सिटी पटियाला में आ गया। मोगा तथा जालंधर का अनुभव मेरे लिए पटियाला में काफी काम आया। पटियाला में मुझे ओवरऑल एक्स्पोजर मिला। पटियाला में मैं 25 महीनों तक रहा।

प्रश्नः: पंजाब में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अब तक का आपका अनुभव कैसा रहा?

जिला पुलिस प्रमुख : यह काफी चैलेंजिंग भी था और काफी अच्छा एक्स्पोजर भी मिला। मैंने 2023 में पटियाला में ज्वाइन किया, छोटा सा मैटर कैसे बड़ा बन जाता है यह भी मैंने देखा है। शंभू बॉर्डर का एक्सपीरियंस भी मेरा अच्छा रहा। पटियाला में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विजिट भी हुई वहां भी मेरे को काफी अच्छा एक्स्पोजर मिला।

मथुरा, वृंदावन सहित पूरे ब्रज में होली की धूम, जान लें ब्रज में किस दिन कौन-सी होली मनाई जाएगी

ब्रज की होली का इंतजार पूरा विश्व करता है और इसकी शुरूआत बसंत पंचमी से हो जाती है। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाएगा। उसके अगले दिन यानी प्रतिपदा तिथि को रंगों वाली होली खेली जाती है। मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना समेत पूरे ब्रज में होली कब मनाई जाएगी, इस लेख के माध्यम से जानें...

कान्हा की नगरी ब्रज में होली का खास अंदाज देखने को मिलता है जोकि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ब्रज में होली की शुरूआत बसंत पंचमी से हो जाती है जोकि 40 दिनों तक चलती है।

बसंत पंचमी के दिन वृंदावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में सुबह शृंगार आरती के बाद भगवान के गालों पर गुलाल लगाया जाता है। इसके बाद प्रसाद के रूप में गुलाल भक्तों पर डाला जाता है और इसी के साथ ब्रज की होली के महोत्सव का शुभारंभ भी हो जाता है। ब्रज की होली में शामिल होने के लिए देश-विदेश से लोग ब्रज आते हैं और हर दिन होली का आनंद लेते हैं। अगर आप भी विश्व प्रसिद्ध होली का आनंद लेना चाहते हैं तो यहां जानें ब्रज में किस दिन कौन-सी होली मनाई जाएगी और इसी के साथ अपना प्रोग्राम शेड्यूल कर सकते हैं।

विश्व प्रसिद्ध है ब्रज की होली

साल 2025 में होलिका दहन 13 मार्च की रात को होगा। अगले दिन यानी 14 मार्च को रंगों वाली होली खेली जाएगी। हर वर्ष फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होलिका दहन किया जाता है और उसके अगले दिन धुल्हेड़ी होगी। ब्रज में होली की शुरूआत बांके बिहारी मंदिर से होती है और समापन रंगनाथ मंदिर से होता है।

अपनी अनूठी परंपरा को लेकर देश-दुनिया में विशेष पहचान रखने वाली होली का आनंद लेने के लिए देश से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी लोग इस उत्सव को देखने और शामिल होने के लिए आते हैं। ब्रज की होली में होली गीत, पद गायन की प्राचीन परंपरा है जिसे समाज गायन भी कहा जाता है।

ब्रज में 40 दिनों तक मनाया जाता है होलिका महोत्सव

ब्रज में होली का उत्सव आज से नहीं, बल्कि द्वापर युग से मनाया जा रहा है। इस होली की शुरूआत बसंत पंचमी से हो जाती है और अगले 40 दिनों तक होलिका महोत्सव मनाया जाता है।

बसंत पंचमी के दिन होलिका दहन के स्थलों पर होली का ढांडा गाड़े जाने की परंपरा होती है। इसके बाद फाल्गुन पूर्णिमा तिथि को होलिका दहन किया जाता है और रंगों की होली मनाई जाती है। होली पर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हैं और होली की शुभकामनाएं देते हैं। आइए यहां जानते हैं कि साल 2025 में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना समेत पूरे ब्रज में किस दिन कौन-सी होली मनाई जाएगी।

ब्रज में होली के कार्यक्रम

- 07 मार्च को नंदगांव और बरसाना में फाग आमंत्रण दिया जाएगा और शाम के समय लाडली जी के मंदिर में लड्डूमार होली का उत्सव आयोजित किया जाएगा।
- 08 मार्च को बरसाना में रंगीली गली में लट्ठमार होली का उत्सव मनाया जाएगा।
- 09 मार्च को नंदगांव में लट्ठमार होली का उत्सव मनाया जाएगा।
- 10 मार्च को बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली खेली जाएगी।
- 10 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर हुरंगा आयोजित किया जाएगा।
- 11 मार्च को गोकुल के रमणरेती और द्वारकाधीश मंदिर में होली खेली जाएगी।
- 12 मार्च को वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में होली का उत्सव मनाया जाएगा।
- 13 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा।
- 14 मार्च को पूरे ब्रज में होली का उत्सव मनाया जाएगा।

होली के बाद ब्रज में यहां होगा रंगोत्सव

- 15 मार्च को बलदेव के दाऊजी मंदिर में हुरंगा खेला जाएगा।
- 16 मार्च को नंदगांव में हुरंगा खेला जाएगा।
- 17 मार्च को जाव गांव में पारंपरिक हुरंगा खेला जाएगा।
- 18 मार्च को मुखरई में चरकुला नृत्य का आयोजन किया जाएगा।
- 22 मार्च को वृंदावन के रंगनाथ मंदिर में होली का उत्सव मनाया जाएगा और इसी के साथ 40 दिनों तक चलने वाले होली महोत्सव का समापन हो जाएगा।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

कुंडली में सरकारी नौकरी और धन लाभ के योग

ज्योतिष शास्त्र में सरकारी नौकरी के लिए कई महत्वपूर्ण योग होते हैं जो आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति और उनके आपसी संबंधों से निर्धारित होते हैं। अगर आपकी कुंडली में ये योग बनते हैं तो सरकारी क्षेत्र में सफलता की संभावना बढ़ जाती है...

ज्योतिष शास्त्र में यह विश्वास है कि हर व्यक्ति के जीवन में ग्रहों और नक्षत्रों का विशेष प्रभाव होता है जोकि उनके करियर, धन और सुख-सुविधाओं के रास्ते को प्रभावित करता है। विशेषकर सरकारी नौकरी और धन लाभ के लिए कुंडली में कुछ विशिष्ट योग होते हैं जिनसे व्यक्ति के जीवन में सफलता और समृद्धि की संभावनाएं बनती हैं।

हम ज्योतिषाचार्यों से जानेंगे कि किस प्रकार के ग्रहों और भावों की स्थिति से सरकारी नौकरी का योग बनता है और इसके लिए कौन-से ग्रह जिम्मेदार होते हैं।

कुंडली में सरकारी नौकरी के संकेत

- **केंद्र और त्रिकोण भाव :** इन दोनों भावों का कुंडली में विशेष स्थान है। जब दशम भाव (जो कर्म और कार्यक्षेत्र से संबंधित होता है) के स्वामी ग्रह केंद्र या त्रिकोण भाव में स्थित होते हैं तो यह सरकारी नौकरी के योग को मजबूत करता है। इस स्थिति में व्यक्ति को सरकारी नौकरी प्राप्त होने की अधिक संभावना होती है।
- **राजयोग :** यह योग तब बनता है जब चंद्रमा 11वें भाव में और गुरु तीसरे भाव में स्थित होते हैं। यह योग व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और सरकारी नौकरी प्राप्ति का संकेत देता है।
- **गजकेसरी योग :** यह योग बृहस्पति और चंद्रमा की विशेष स्थिति से बनता है। यह योग न सिर्फ सरकारी नौकरी, बल्कि ज्ञान और बुद्धि के मामले में भी सफलता प्रदान करता है।
- **अमला योग :** जब जन्म कुंडली में बुध, शुक्र और गुरु ग्रह दशम भाव में होते हैं तो यह योग धन लाभ के साथ-साथ सरकारी नौकरी के लिए भी शुभ होता है।

सरकारी नौकरी और राज योग के लिए जिम्मेदार ग्रह और भाव

- **सूर्य ग्रह :** अगर कुंडली में सूर्य मजबूत होता है तो यह व्यक्ति को सरकारी क्षेत्र में उच्च पद दिलाने में मदद करता है। सूर्य का सकारात्मक प्रभाव सरकारी सेवा में सफलता का संकेत देता है।
- **चंद्रमा ग्रह :** चंद्रमा की स्थिति भी सरकारी नौकरी के लिए महत्वपूर्ण होती है। अगर चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को सरकारी नौकरी मिलने के आसार होते हैं।
- **शनि ग्रह :** शनि का संयोग दशम भाव में सरकारी नौकरी के लिए एक मजबूत संकेत होता है। शनि कर्मठता, धैर्य और संघर्ष का प्रतीक है और उसकी स्थिति सरकारी सेवा में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।
- **मंगल ग्रह :** मंगल का प्रभाव भी सरकारी नौकरी के योग को मजबूत करता है। खासकर जब मंगल दशम भाव में स्थित होता है तो यह व्यक्ति के करियर को ऊंचाई पर पहुंचाता है।
- **बृहस्पति ग्रह :** बृहस्पति को ज्ञान और विद्या का ग्रह माना जाता है। अगर बृहस्पति कुंडली में उच्च स्थान पर स्थित होता है तो यह सरकारी क्षेत्र में सफलता और समृद्धि का संकेत देता है।
- **बृहस्पति का प्रभाव :** सरकारी नौकरी और विदेश में अवसर के लिए बृहस्पति का प्रभाव अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। अगर यह ग्रह उच्च स्थान पर स्थित होता है तो यह व्यक्ति को विदेश में भी अवसर प्रदान कर सकता है। बृहस्पति का सकारात्मक प्रभाव व्यक्ति को विदेश में शिक्षा, नौकरी और समृद्धि के अवसरों से जोड़ता है।
- **दशम भाव का महत्व :** दशम भाव को कर्म का भाव माना जाता है। यह सरकारी नौकरी, राजनीति, उच्च पदों और कारोबार में सफलता का प्रमुख संकेत है। अगर दशम भाव में शनि और बृहस्पति की मजबूत स्थिति होती है तो व्यक्ति को सरकारी नौकरी में सफलता मिलने के योग बनते हैं।

सरकारी नौकरी पाने के ज्योतिष उपाय

- **सूर्यदेव की पूजा :** रोजाना सुबह सूर्यदेव को जल अर्पित करें। इससे सरकारी नौकरी के योग मजबूत होते हैं।
- **गायत्री मंत्र का जाप :** गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से कुंडली में सरकारी नौकरी के योग में बढ़ोत्तरी होती है।
- **दान और पूजा :** रविवार के दिन गुड़ का दान करें और शिव जी व गणेश जी की पूजा करें। यह उपाय न सिर्फ सरकारी नौकरी के योग को मजबूत करता है, बल्कि जीवन में सफलता की राह भी खोलता है।
- **पारिवारिक आशीर्वाद :** रोजाना सुबह माता-पिता के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लें। यह आपके करियर में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।
- **जरूरतमंदों की मदद :** जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या पैसे दान करने से नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और जीवन में शुभ फल मिलते हैं।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

क्या तय समय से पहले ही हो जाएगा कल्कि का अवतार ?

कलयुग करीब 4,32,000 साल लंबा होगा जिसमें अभी 5,000 साल ही बीते हैं। अंत में पृथ्वी बंजर हो जाएगी और अपराध बढ़ेंगे। भगवान विष्णु का कल्कि अवतार संभल में होगा जो पाप का नाश करेगा...

पुराणों के अनुसार कलियुग 4,32,000 साल लंबा चलेगा। कलयुग के अभी लगभग 5,000 साल ही बीते हैं। हिंदू धर्म पुराणों के अनुसार कलयुग के आखिरी 5 साल में पृथ्वी पर बहुत अधिक बारिश होगी। कलयुग के अंत तक पृथ्वी बंजर हो जाएगी। पेड़-पौधे नहीं उगेंगे। जीव-जंतु निर्जीव हो जाएंगे। भयानक अत्याचार और अपराध लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा होगा। इंसान की लंबाई भी कम हो जाएगी। लोगों का पूजा-पाठ और धर्म के रास्ते से मन भ्रमित हो जाएगा। वह अत्याचार और अपराध के मार्ग पर चल पड़ेंगे। भाई भाई का दुश्मन होगा। रिश्ते-नाते सब खत्म हो जाएंगे। लोगों के मन में शर्मोहया समाप्त हो जाएगी।

बहुत लंबी होगी कलयुग की आखिरी रात

कलयुग की आखिरी रात बहुत लंबी होगी। इस आखिरी रात के बाद 1-2 नहीं, बल्कि एक साथ 12 सूरज उगेंगे। यह 12 सूरज पृथ्वी पर तब तक अस्त नहीं होंगे जब तक धरती का सारा पानी सूखा नहीं देंगे। इसके बाद भगवान विष्णु कल्कि का अवतार लेकर पृथ्वी से जीव-जंतु सब खत्म कर देंगे। पृथ्वी से जीवन नष्ट हो जाएगा। इस कार्य को करने में 3 दिन लग जाएंगे।

उत्तर प्रदेश के संभल में होगा भगवान विष्णु का आखिरी अवतार

भगवान विष्णु का कल्कि का अवतार 10वां और आखिरी अवतार होगा। इस अवतार का मकसद पाप का नाश करके सत्य और धर्म की पुनः स्थापना करना होगा। अवतार का जिक्र कल्कि पुराण, अग्नि पुराण, ब्रह्मांड पुराण, भविष्य पुराण और महाभारत में भी मिलता है। कल्कि अवतार उत्तर प्रदेश के संभल जिले में विष्णुयश नामक एक ब्राह्मण के यहां होगा। जब भगवान विष्णु कल्कि का अवतार लेंगे तो वह एक सफेद घोड़े पर बैठकर अपने हाथों में तलवार लेकर इस पूरी सृष्टि पर जीवन का समापन कर देंगे। इसके बाद फिर पुनः पृथ्वी पर जीवन का आरंभ होगा।

ऐसे ज्योतिष संयोग में भी हो सकता है अवतार

जब गुरु व शनि अपनी उच्च राशियों में एक साथ हों तो यह माना जा सकता है कि या तो कल्कि का जन्म हो चुका है या होने वाला है। भगवान कल्कि नारायण जन्म से ही 64 कलाओं से निपुण होंगे। इससे यह स्पष्ट होता है कि कल्कि के जन्म के समय सभी ग्रह अपनी उच्च अवस्था में होंगे। 2014 के बाद 2599 में ऐसा ज्योतिष संयोग होगा।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

आज का पंचांग

सोमवार, 03 मार्च, 2025
तिथि-चतुर्थी-18:05 तक
नक्षत्र-अश्विनी-28:31 तक
प्रथम करण-वणिजा-07:31 तक
द्वितीय करण-विष्टि-18:05 तक
पक्ष-शुक्ल
योग-शुक्ला-08:50 तक
सूर्योदय-06:47/सूर्यास्त-18:18
चंद्रमा-मेष
राहुकाल-08:13-09:40
विक्रमी सम्वत-2081
शक सम्वत-1946
मास-फाल्गुन
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-12:09-12:55

आज का राशिफल

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)

मेष राशि के लोगों के लिए आज का दिन कई प्रकार के बदलावों वाला हो सकता है और आपके लिए ये बदलाव लाभ लेकर आएंगे। धन और सम्मान में वृद्धि और कारोबार में भी धन लाभ के योग बनेंगे। व्यवस्था में आपकी तरफ से भी कुछ बदलाव हो सकते हैं। किसी प्रकार के कानूनी मामले में आप फंस सकते हैं। नए लोगों से मुलाकात होगी और मनपसंद रहेगा लेकिन घरेलू माहौल खुशनुमा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी आपको ही लेनी पड़ेगी।

वृषभ (इ,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)

वृष राशि के लोग हमेशा दूसरों के भरोसे बैठकर अपना काम करते हैं। यह तरीका सही है और आपको इससे नुकसान हो सकता है। अपने काम पर ध्यान दें और विवाद से दूर रहें। किसी दूसरे की चेष्टा पर स्वयं लाभ उठा लेना बहुत दिनों तक जारी नहीं रहेगा। अपने काम स्वयं करने की आदत डालें। विद्यार्थियों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा। दांपत्य जीवन सुखद और व्यवस्थित रहेगा। संतुलित दिनचर्या तथा खान-पान का ध्यान परखने से आप खुद को ऊर्जा और स्फूर्ति से भरपूर महसूस करेंगे। युवा लोग गलत संगति और गलत आदतों से दूरी बनाकर रखें।

मिथुन (की,कु,घ,ङ:,छ,के,को,ह)

मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन लाभ में बीतेगा और परिवार के लोगों के साथ दिन अच?छा कटेगा। नौकरी व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो सकते हैं और आज कार्यक्षेत्र में खुशी का माहौल रहेगा। शाम का वक्त दोस्तों के साथ हास परिहास में व्यतीत होगा। कुछ ना कुछ दिक्कतें रहेगी, लेकिन ईश्वर की कृपा से कोई ना कोई रास्ता भी खोज ही लेंगे। एक्टिव रहने से कोई भी निर्णय लेने में आसानी होगी। अगर कोई प्रॉपर्टी अथवा मूल्यवान वस्तु के खरीद-फरोख्त संबंधी योजना है।

कर्क (हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

कर्क राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशनुमा बीतेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी और रुके कार्य फिर से पूर्ण होंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और आपको अपने नाम के अनुरूप लाभ होगा। किसी ठोस संगठन से जुड़े हैं तो आपको आज लाभ होगा। कई ऐसे मौके आ सकते हैं जिनमें आपको लाभ होगा। आज का दिन सुधार वाला है और आपको लाभ प्राप?त होगा। आपको धन के मामले में सफलता मिलेगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। किसी काम के बिगड़ने से परेशान न हों और सही वक्त आने का इंतजार करें। धैर्य से काम लें। किसी पर क्रोध न करें और विवादों से दूर रहें। ग्रहों के संचार में हो रहे बदलाव से आपको लाभ होगा। घर के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बनी रहेगी।

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

सिंह राशि के लोगों के लिए आज का दिन सफलता देने वाला है। आज के दिन को लेकर आपने जो प्लानिंग की थी वह पूरी होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आपके अधीनस्थ सहयोगियों से आपको लाभ होगा। आपका व्यवहार उदारतापूर्ण होगा और दूसरे की गलती को माफ कर देंगे। किसी बात की उलझन रहेगी और किसी प्रस्ताव को लेकर परेशान रहेंगे। फैसला कर पाना आपके लिए मुश्किल होगा। पूरा फासला तय करने में आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है और ऐसे में आपकी सांस उखड़ सकती है। बिजनेस में परेशानियां आ सकती हैं।

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण:,ठ,पे,पो)

कन्या राशि के लोगों का दिन आज किसी प्रकार की चिंता और फिक्र में बीतेगा। आप परेशान होंगे और काम करने में मन नहीं लगेगा। अपने काम को छोड़कर आप दूसरों के लिए काफी दौड़भाग कर सकते हैं। अपना कीमती बर्बाद न करें और अपने काम पर पहले फोकस करें। कामकाज की स्थिति अनुकूल है। सही वक्त पर आकर आपका वाहन खराब हो सकता है। ऐसे में सूझबूझ बहुत काम आएगी।

तुला (रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तू,ते)

तुला राशि के लोगों को सलाह है आज आर्थिक मामलों में अपने काम पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में दूसरों के भरोसे नहीं रहना चाहिए। अपनी शर्तों पर काम करें और आपको सफलता के साथ सम?मान प्राप?त होगा। बिजनस में मुनाफा बढ़ेगा और सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार के साथ शॉपिंग करने जा सकते हैं। आपकी व्यग्रता और तनाव आपको कष्ट देंगे।

वृश्चिक (ना,नी,नु,ने,नो,या,यी,यू)

दैनिक गतिविधियों में व्यवस्था बनाए रखने से आप कई तरह की समस्याओं से बच जाएंगे। आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। परिवार से जुड़ा लिया गया महत्वपूर्ण फैसला बेहतर साबित होगा। किसी संबंधी के आगमन से परिवार में खुशी भरा माहौल रहेगा। गृहस्थ जीवन सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा। प्रेम संबंधों में मयार्दा में रहना आवश्यक है। कार्यक्षेत्र में मेहनत और काबिलियत से अच्छी व्यवस्था बना लेंगे।

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फ)

सुकून और शांति पाने के लिए कुछ समय खुद के लिए भी मदद करना जरूरी है इससे आपके कार्य क्षमता और मनोबल में निखार आएगा। पिछले काफी समय से कोई रुका हुआ मामला वरिष्ठ जनों के माध्यम से हल हो जाएगा। निवेश करने के लिए समय अनुकूल है। अपने अत्यधिक कार्यभार से राहत पाने के लिए अपने काम को अन्य लोगों के साथ में बांट लें। व्यवसाय में किसी अधीनस्थ कर्मचारी की वजह से कुछ दिक्कत रहेगी।

मकर (जा,जी,जू,जे,जो,खा)

आज के दिन भावुक होकर कोई फैसला न लेने की सलाह है। वरना आपको नुकसान हो सकता है। किसी से बहस में न पड़ें और अपने काम पर ध?यान दें। कानूनी मामलों में कोई भी फैसला अनुभवी लोगों से बात करके लें। आपके पास एक ठोस प्लान है उस पर काम करने से पहले सोचविचार कर लें।

कुंभ (गू,गे,गो,सो,सी,सू,से,सो,दा)

आज काफी समय के बाद आपके लिए कोई अच्छी खबर आने की उम्मीद है। भाग्य आपका साथ देगा और रुके कार्य पूर्ण होंगे। जरूरी काम बन जाने से लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी और आगे का समय अच्छा कटेगा। इसके बाद यह भी एक अच्छा सौभाग्य होगा कि कहीं पर आपका रुका हुआ धन भी शाम तक हाथ में आ जाए।

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

आज का दिन काफी मिला-जुला होगा। आज आप कई प्रकार की उलझनों में फंसे रहेंगे। एक ओर अपने प्रेमी या प्रियजन के लिए कोई वस्तु या उपहार खरीदने की जल्दीबाजी रहेगी। दूसरी ओर आपके कार्यक्षेत्र में भी काम का प्रेशर रहेगा। आप लेनदेन में स्पष्ट बनाए रखें आए और आय व्यय दोनों बढ़ने से आप अपनी इनकम को संभालने में कुछ गलतियां कर सकते हैं, इसलिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले। कुछ धन भविष्य के लिए संचय करने पर विचार विमर्श करें। आपके घर आज किसी अतिथि का आगमन हो सकता है, जिसमें आप उनकी आवोभगत में पूरी मेहनत करेंगे।

मलाइका अरोड़ा

ने 'मॉम्सी' को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

मलाइका अरोड़ा ने अपनी मां को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। शेयर किए गए पोस्ट के साथ उन्होंने खूबसूरत कैप्शन भी दिया। इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री-डांसर ने कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, "हैप्पी बर्थडे मेरी मॉम्सी। लव यू जॉयस आरोड़ा।"

पहली तस्वीर में मलाइका मां जॉयस को गले लगाती नजर आ रही हैं और उनकी बगल में बहन अमृता अरोड़ा खड़ी हैं। दूसरी में मां सेल्फी लेती नजर आईं। तीसरी तस्वीर में मलाइका, उनकी मां, अमृता और करीना कपूर खान समेत अन्य लोग एक साथ पोज देते हुए दिखे। अमृता अरोड़ा ने भी अपनी मां को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह मां और मलाइका के साथ पोज देते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, "हैप्पी बर्थडे माई लवली मॉमी! हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। आपको शुभकामनाएं।"

मलाइका की मां का पूरा नाम जॉयस पॉलीकार्प है, जो मलयाली-ईसाई मूल की हैं। जॉयस ने दो शादियां की थीं। पहले पति से उनकी दो बेटियां मलाइका और अमृता हैं। पति-पत्नी जब अलग हुए तो मलाइका 11 साल की थीं। मलाइका अपने बचपन की चुनौतियों के बारे में भी खुलकर बात कर चुकी हैं। एक इंटरव्यू में मलाइका ने अपने बचपन को अद्भुत और कठिन दोनों बताया था। उन्होंने बताया था, "यह आसान नहीं था, लेकिन कठिन समय आपको काफी कुछ सिखाता है और सबक भी देता है। मेरे माता-पिता के अलग होने से मुझे अपनी मां को एक नए और अनोखे तरीके से देखने का मौका मिला।" मलाइका अरोड़ा कई फिल्मों और टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। वह दबंग, हाउसफुल 2 जैसी फिल्मों में किए गए डांस के लिए खास तौर पर मशहूर हैं। उनके कुछ सबसे लोकप्रिय गानों में छैया छैया, मुन्नी बदनाम, अनारकली डिस्को चली और होंठ रसीलेभी शामिल हैं।

'सोनचिड़िया'

के 6 साल पूरे होने पर भूमि पेडनेकर ने कहा- कई कारणों से मेरी सबसे पसंदीदा फिल्म

भूमि पेडनेकर ने 2019 की एक्शन एंटरटेनर 'सोनचिड़िया में इंदुमती तोमर के रूप में यादगार प्रदर्शन किया। फिल्म ने रिलीज के 6 साल पूरे कर लिए हैं और अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने दिवंगत सह-कलाकार सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

भूमि पेडनेकर ने इस उपलब्धि पर लिखा, "एक ऐसी फिल्म को 6 साल पूरे हो गए जो कई कारणों से मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है।सोनचिड़िया।" अभिषेक चौबे द्वारा सह-लिखित और निर्देशित इस प्रोजेक्ट में सुशांत सिंह राजपूत, भूमि पेडनेकर, आशुतोष राणा और रणवीर शौरी ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। चंबल घाटी के बीहड़ों में सेट की गई यह फिल्म 1975 के डकैतों की कहानी बताती है, जो खुद को बागी कहते थे। इसके संवाद पूरी तरह बुंदेली बोली में हैं। 1 मार्च 2019 को रिलीज हुई "सोनचिड़िया" को आलोचकों से सकारात्मक समीक्षा मिली, जिन्होंने फिल्म के प्रदर्शन, निर्देशन और लेखन की प्रशंसा की। इसके अलावा, भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने सिनेमाई सफर के दौरान कई रंगीन किरदार निभाने के बारे में बात की। फिल्म इंडस्ट्री में 10 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, उन्होंने अपने सफर में कई तरह के किरदार निभाने के बारे में बात की और बताया कि इसने उनके करियर को कैसे आकार दिया। भूमि पेडनेकर ने कहा, "मेरा सफर 'दम लगा के हईशा' से शुरू हुआ और तब से हर दिन मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इन 10 वर्षों ने मुझे जुनून और खुद पर विश्वास करने की शक्ति सिखाई है।" अभिनेत्री ने कहा, "मुझे कुछ वाकई विविध किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है। जैसे कि मुझे मेरी पहली फिल्म में एक अधिक वजन वाली दुल्हन, 'बधाई दो' में एक विचित्र किरदार, 'भक्षक' में न्याय के लिए लड़ने वाली एक पत्रकार, 'सांड की आंख' में उम्र के मानदंडों को चुनौती देने वाली एक अस्सी वर्षीय महिला, 'बाला' में रंगभेद का सामना करने वाली एक महिला और 'थैंक यू फॉर कमिंग' में अपनी स्वतंत्रता को अपनाने वाली एक महिला।" भूमि पेडनेकर ने फिल्म उद्योग में अपने 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मुंबई में एक विशेष केक काटने का समारोह भी आयोजित किया।

'बागी 4' का पोस्टर आउट, टाइगर बोले- जिसने मुझे पहचान दी, अब वही पहचान बदलेगा

टाइगर श्रॉफ अपनी अपकमिंग फिल्म 'बागी 4' में एक अलग अंदाज में एक्शन करते नजर आएंगे। अपने जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से जुड़ा एक दमदार पोस्टर शेयर कर अभिनेता ने बताया कि इस बार अदायगी हटकर होगी। इंस्टाग्राम पर अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'बागी 4' का पोस्टर शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में फिल्म से जुड़ी हिंट भी दी। उन्होंने लिखा, जिस फ्रैंचाइजी ने मुझे पहचान दी और मुझे खुद को एक एक्शन हीरो के तौर पर साबित करने का मौका दिया, वही फ्रैंचाइजी अब मेरी पहचान बदल रही है। इस बार वह एकदम अलग है और मुझे उम्मीद है कि आप लोग उसे उसी तरह स्वीकार करेंगे, जैसे 8 साल पहले करते थे। शेयर किए गए क्लोजअप पोस्टर में टाइगर सख्त अंदाज में नजर आए। उनके चेहरे पर जहां खून के निशान हैं, वहीं आंखों में निडरता दिखाई दी। 'बागी 4' के नए पोस्टर को देखकर उनके प्रशंसकों के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री मौनी रॉय ने लिखा, "डांसर और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने फायर इमोजी डाले।" टाइगर की मां आयशा श्रॉफ ने लिखा, "जन्मदिन का बेस्ट तोहफा।" अभिनेता दर्शन कुमार ने लिखा, "किलर, जन्मदिन मुबारक भाई।" फिल्म 'बागी 4' से डेब्यू को तैयार हरनाज सिंधू ने जन्मदिन की बधाई देते हुए टाइगर के किरदार का जिक्र करते हुए लिखा, "हैप्पी बर्थडे रॉनी।" अर्जुन कपूर ने उत्सुकता जाहिर करते हुए लिखा, "आतंक।" अभिनेता फ्रेडी दारुवाला ने लिखा, "जन्मदिन की शुभकामनाएं टाइगर! हमेशा शाइन करते रहें दोस्त।" इस बीच, अभिनेता टाइगर श्रॉफ का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह अपनी टीम के बीच केक काटते दिखाई दिए। टाइगर श्रॉफ के हेयर स्टाइलिस्ट अमित यशवंत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिनेता केक काटते और उनकी पूरी टीम उन्हें बधाई देती नजर आई। अमित ने शेयर किए गए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे भाई।' वीडियो में टाइगर टीम के साथ हंसी-मजाक करते कैमरे में कैद हुए। 'बागी 4' में टाइगर के साथ संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। ए. हर्षा के निर्देशन में बनी 'बागी 4' इस साल 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हिना खान

ने बताया, रमजान में कैसी होती है उनकी लाइफस्टाइल

रमजान आ गया है और कई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, अभिनेत्री हिना खान ने भी इस पाक महीने में रोजा रखने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने रमजान की दिनचर्या को फैंस के साथ शेयर किया। हिना खान ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने लेटेस्ट वर्कआउट सेशन की एक क्लिप पोस्ट की। हिना ने खुलासा किया कि वह रोजा के दौरान अपनी दिनचर्या को बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने लिखा, धीरे-धीरे और आराम से अपनी दिनचर्या को बनाए रखने की कोशिश कर रही हूं। रमजान के पहले दिन, क्या जोश है दोस्तों। उन्होंने अपने इंस्टाफैम से पूछा, क्या आप रोजा रख रहे हैं? मैं कर रही हूं। हिना खान ने खुलासा किया कि एक सर्जरी के बाद से उन्हें चलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस रिकवरी स्टेप से गुजरना उनके लिए मुश्किल भरा रहा। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर हिना खान ने अपनी जिम डायरी से कई तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, लेवल अप वन डे एट ए टाइम जारी रखना बहुत मुश्किल है, खासकर एक सर्जरी के बाद, लेकिन हार नहीं मानेंगे। यह बहुत कठिन काम है, दुआ प्लीज। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर हिना ने कैंसर के उपचार से हुए रेडिएशन बर्न को दिखाया था।

मुझे भू-राजनैतिक चिंता है : जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम अपनी अपकमिंग फिल्म ह्यद डिप्लोमैटह्न की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं और उसकी तैयारी में लगे हुए हैं। अभिनेता ने बताया कि वह अपकमिंग फिल्म की ओर कैसे आकर्षित हुए। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि भू-राजनीति में उनकी रुचि ने ही उन्हें इस फिल्म की ओर आकर्षित किया। अभिनेता का मानना है कि अनियंत्रित रुचि आसानी से जुनून में बदल सकती है जो बाद में चिंता पैदा कर सकती है और शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन के स्तर को बिगाड़ सकती है। जॉन ने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें भू-राजनैतिक चिंता होती है, ठीक उसी तरह जैसे लोगों को पर्यावरण संबंधी चिंता होती है। जॉन ने कहा, मैं इजरायल और हमास के बीच क्या हो रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी नजर रख रहा हूं, मैं इसके बारे में जानता हूं। मुझे लगता है कि आज दुनिया में हर संघर्ष के केंद्र में यरुशलम है। पूर्वी और पश्चिमी यरुशलम के बीच पूरा संघर्ष, दीवार, अल-अक्सा मस्जिद, 1947 का इतिहास, अब्राहम समझौता, वेलिंग वॉल, बालफोर समझौता और बाकी सब कुछ, जिसके कारण आज दुनिया भर में बड़ा परिवर्तन हुआ।

अभिनेता को यह भी लगता है कि भू-राजनैतिक नॉलेज होने से व्यक्ति अधिक जागरूक होता है और निर्णय लेने की क्षमताओं को निखारते हुए राय बनाने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा, जब आपके दिमाग में इस तरह का भू-राजनैतिक नॉलेज होता है, जैसे कि द डिप्लोमैट में मेरे किरदार के दिमाग में है। कभी-कभी आप इसे शेयर नहीं करते हैं। लेकिन आपके दर्शकों को पता है कि यह आदमी जानता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है। हाल ही में इजरायल ने सीरिया के दमिश्क में हवाई हमले किए। दमिश्क में बमबारी के बारे में जॉन ने कहा, दुनिया में क्या हो रहा है?

खबर एक्सप्रेस

एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म पेश की

रोहतक। देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निमार्ता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ई.वी के पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को पेश किया है। यह नई पेशकश भारत की इस स्ट्रीट-स्मार्ट ई.वी को और भी स्टाइलिश और आकर्षक बनाती है। 7.80एल रुपए + बैटरी रेंटल @2.5 रुपए/किमी. की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च की गई कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को टॉप वैरिएंट के रूप में पेश किया गया है। वे ग्राहक जिन्हें शहरी आवाजाही के लिए स्टाइलिश और तकनीक से भरपूर कार की तलाश थी, अब वे अपनी नजदीकी एमजी डीलरशिप पर जाकर 11,000 रुपए का भुगतान कर नई एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को बुक कर सकते हैं।कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म अपने स्टेरी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ खूबसूरती और स्टाइल का एहसास कराती है, इसके साथ यह कार और भी आकर्षक बन जाती है। कॉमेट ई.वी नेमप्लेट को गहरे क्रोम में उकेरा गया है और इंटरनेट इनसाइड को काले रंग में पेश किया गया है। यह बदलाव देखने वालों का ध्यान तेजी से आकर्षित करता है। इसके इंटीरियर को भी ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। इसकी लेदरेट सीटों पर लाल रंग से ब्लैकस्टॉर्म शब्द की कढ़ाई की गई है। इससे यह कार और भी प्रीमियम लुक में दिखाई देती है। इस नए लॉन्च के बारे में बात करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सेल्स हेड राकेश सेन ने कहा, आज के आधुनिक भारतीय ग्राहक एक ऐसी कार की तलाश कर रहे हैं जो न सिर्फ बेहद खास हो, बल्कि उसमें उनके व्यक्तित्व की भी झलक दिखाई देती हो। आज के ग्राहक बोल्ड रंगों को पसंद कर रहे हैं। ये रंग उन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, साथ ही उनकी यही पसंद दूसरों से अलग दिखाई पड़ती है। हम कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को लॉन्च करते हुए बेहद उत्साहित हैं। स्टाइल और खूबसूरती के साथ यह कार हर दिन के सफर को और भी सुकून भरा बनाने का वादा करती है। कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म यह दिखाती है कि हम अपने लाइन-अप को नियमित रूप से रिफ्रेश करते हुए ग्राहकों की बदलती जरूरतों को लगातार पूरा करने के लिए कितना समर्पित भाव से काम करते हैं।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज ने बठिंडा में नई शाखा खोली

बठिंडा। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड, जो कि एक प्रमुख ब्रोकिंग और निवेश प्लेटफॉर्म है, ने पंजाब के बठिंडा में अपनी नई शाखा खोलने की घोषणा की है। यह विस्तार कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह अपने ग्राहकों को बेहतरीन वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए अपने नेटवर्क को बढ़ा रही है। इस नए विस्तार के साथ, कंपनी की देशभर में कुल 54 शाखाएं हो गई हैं।इस मौके पर मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के डॉयरेक्टर, श्री पुनीत सिंघानिया ने कहा, हम बठिंडा में अपनी मौजूदगी बढ़ाकर बेहद उत्साहित हैं। यह शहर वित्तीय क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं रखता है। हमारा लक्ष्य निवेशकों को सही वित्तीय मार्गदर्शन देना है, जिससे वे बदलते बाजार में सूझबूझ के साथ फैसले ले सकें। हमारी अनुभवी और समर्पित टीम के साथ, हमें पूरा विश्वास है कि यह शाखा ग्राहकों की सेवा करने की हमारी क्षमता को और मजबूत करेगी और वित्तीय उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और आगे ले जाएगी।पंजाब में हाल के वर्षों में वित्तीय बाजार में गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं और आम निवेशक भी इसमें अधिक रुचि दिखा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बठिंडा में व्यापक वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस शाखा के जरिए कंपनी निवेश परामर्श, संपत्ति प्रबंधन और पोर्टफोलियो योजना जैसी सेवाओं को और बेहतर बनाएगी। साथ ही, यह विस्तार स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा, जिससे 15 से अधिक नए लोगों को रोजगार मिलेगा।दरअसल, बठिंडा में विस्तार करने का यह निर्णय कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह देशभर में वित्तीय सेवाओं को और अधिक सुलभ और विश्वसनीय बना रही है। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड की मजबूत नेटवर्क उपस्थिति वित्तीय जागरूकता बढ़ाने और आर्थिक सफलता में योगदान देने में मददगार साबित हो रही है।

आईएसबी और ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन जलवायु कार्रवाई पर हुए एकजुट

चंडीगढ़। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) और ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन, चंडीगढ़ ने मिलकर मोहाली स्थित आईएसबी कैंपस में इंडिया-यूके क्लाइमेट एक्शन समिट - वन प्लैनेट, वन फैमिली का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विचारक, नीति निमार्ता, शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञ एक साथ शामिल हुए। ताकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस समाधान तैयार किए जा सकें।ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर, चंडीगढ़, कैरोलीन रोवेट ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूके की मजबूत प्रतिबद्धता पर बात की। उन्होंने यूके-इंडिया के कई साझेदार कार्यक्रमों के में बताया, जिनमें एक्सेलेरेटिंग स्मार्ट पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इन इंडिया (एएसपीआईआरई) और यूके-इंडिया ग्लोबल इनोवेशन पार्टनरशिप प्रोग्राम शामिल हैं। रोवेट ने जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने में युवाओं की अहम भूमिका के बारे में भी बताया।सरकारी पहल पर बात करते हुए, पंजाब सरकार के सेक्रेटरी, स्कूल एजुकेशन, हायर एजुकेशन एंड लैंग्वेज, टैक्निकल एजुकेशन एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, कमल किशोर यादव, आईएएस ने जलवायु जागरूकता में युवाओं के योगदान बढ़ाने की राज्य की रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने जलवायु कार्य योजना में यूके के साथ साझेदारी का जिक्र किया और क्षेत्र में सतत कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) की अहमियत पर जोर दिया।डीएनवी कुमार गुरु, सीनियर डायरेक्टर - एडवांसमेंट, एलुमनी एंगेजमेंट और एक्सटर्नल रिलेशंस, आईएसबी, ने कहा कि संस्थान अपने दोनों कैंपस में सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज (सतत प्रथाओं) को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि व्यापक समुदाय के साथ- साथ पूरे विश्व पर सकारात्मक असर डाला जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि आईएसबी ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में सस्टेनेबिलिटी (सतत विकास) को शामिल किया है, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी) और एक्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम शामिल हैं।यह कार्यक्रम एक प्रभावशाली प्लेटफॉर्म बना, जहां जलवायु वित्तपोषण (क्लाइमेट फाइनेंसिंग), जलवायु परिवर्तन के दौर में कृषि और जलवायु संवाद में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

नए SEBI चेयरमैन ने पूंजी बाजार नियामक के लिए दिए चार मंत्र

नई दिल्ली। नए सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने पूंजी बाजार नियामक की निरंतर दक्षता सुनिश्चित करने के लिए चार मंत्र - विश्वास, ट्रांसपेरेंसी, टीमवर्क और टेक्नोलॉजी बताए हैं। यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में सेबी मुख्यालय का कार्यभार संभालने के बाद पांडे ने कहा, "सेबी एक बहुत मजबूत बाजार संस्था है। इसे कई वर्षों से लगातार नेतृत्व के साथ बनाया गया है और यह भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ेगा।" पांडे ने पत्रकारों से कहा, "हम विश्वास, ट्रांसपेरेंसी, टीमवर्क और टेक्नोलॉजी के लिए काम करते हैं। हम दुनिया की सबसे अच्छी बाजार संस्थाओं में से एक बनाना जारी रखेंगे।" विश्वास को "सबसे महत्वपूर्ण" बताते हुए पांडे ने कहा कि सेबी भारत की जनता, संसद, सरकार, निवेशकों और उद्योग हितधारकों का विश्वास बनाए रखता है। 1987 बैच के आईएएस अधिकारी पांडे देश की आर्थिक नीति और वित्तीय प्रशासन को संभालने में समृद्ध अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने अभी वित्त सचिव और राजस्व विभाग के सचिव के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट बनाने और वैश्विक स्तर पर सबसे अच्छे तरीकों पर आधारित नए आयकर विधेयक का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नए विधेयक ने आयकर अधिनियम, 1961 की भाषा और संरचना को सरल बना दिया है, जिससे अधिनियम का आकार लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है। इससे पहले, उन्होंने सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया था, जिनमें निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव और लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के सचिव जैसे पद शामिल थे।

कोयला खदान नीलामी पर तीसरा रोड शो गांधीनगर में होगा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए केंद्रीय कोयला मंत्रालय कोयला क्षेत्र में आगामी नीलामी और निवेश के अवसरों पर सोमवार को गुजरात के गांधीनगर में रोड शो आयोजित कर रहा है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के कोयला खनन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने के लिए उद्योग के हितधारकों, संभावित निवेशकों और नीति निमार्ताओं को एक साथ लाना है।

केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। उनके साथ मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी नीलामी प्रक्रिया, निवेश परिदृश्य और क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने वाली सरकार की पहल के बारे में जानकारी देंगे। कोयला मंत्रालय वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने के लिए रोड शो की एक सीरीज के जरिए हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। गांधीनगर रोड शो आगामी 12वें राउंड की वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी से पहले हो रहा है। नीलामी मार्च के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। यह आयोजन घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए कोलकाता और मुंबई में पहले आयोजित सफल रोड शो के बाद हो रहा है। यह रोड शो कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, दक्षता बढ़ाने, नीतिगत समर्थन प्रदान करने और क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहलों को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्रतिभागियों को कोयला ब्लॉकों की उपलब्धता, निवेश के अवसरों और भारत के कोयला उद्योग में व्यापार करने में आसानी के बारे में जानकारी मिलेगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, एक्सपर्ट कोयला टेक्नोलॉजी में एडवांसमेंट, सस्टेनेबिलिटी उपायों और नीतिगत सुधारों में प्रगति को भी उजागर करेंगे, जिसका उद्देश्य पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बाजार को बढ़ावा देना है। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी भारत के कोयला भंडार की वास्तविक क्षमता को उजागर करने, घरेलू और अंतर्राष्ट्री निवेशकों को आकर्षित करने और आयात निर्भरता को कम करने में सहायक रही है। बयान में कहा गया है कि निवेशकों के अनुकूल नीतियों और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट के साथ कोयला मंत्रालय एक मजबूत और सस्टेनेबल कोयला सेक्टर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास लक्ष्यों के साथ जुड़ा है।

शेयर बाजार धोखाधड़ी

पूर्व सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और पांच अन्य के खिलाफ होगी FIR

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

शिकायतकर्ता ने लगाए गंभीर आरोप

बता दें कि, शिकायतकर्ता ने प्रस्तावित आरोपियों द्वारा किए गए कथित अपराधों की जांच की मांग की थी, जिसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, नियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर को बढ़ावा दिया, तथा निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉर्पोरेट धोखाधड़ी को सक्षम बनाया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि कई बार पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से संपर्क करने के बावजूद, उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की गई।अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर विचार करने के बाद एसीबी वर्ली मुंबई क्षेत्र को आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सेबी अधिनियम और अन्य लागू कानूनों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली। भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढ? से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढकर 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

भारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है।

भारत एआई युग में सबसे आगे होगा: पीयूष गोयल

इंडिया न्यूज नेटवर्क

मुंबई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की ठोस नीतियां उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में सक्षम बनाने की भूमिका निभा रही हैं और भारत एआई युग में सबसे आगे होगा। मंत्री ने मुंबई टेक वीक 2025 में अपने संवाद में आगे कहा, "मुझे विश्वास है कि आवश्यक बुनियादी ढांचे, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे अविश्वसनीय निवेश के साथ मुंबई भारत का प्रौद्योगिकी केंद्र बन सकता है।" उन्होंने कहा कि भारत की वाणिज्यिक राजधानी में एक प्रमुख प्रौद्योगिकी केन्द्र बनने के लिए आवश्यक सभी तत्व मौजूद हैं। मंत्री ने एक्स पर लिखा, "मुंबई टेक वीक 2025 में बहुत अच्छी बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के बड़े लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का अवसर मिला।" भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अपनाने में अग्रणी स्थान स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में तीन बिलियन एआई-संबंधित ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार, इससे पता चलता है कि भारत एआई के उपयोग की राजधानीह्व है, जिसका अर्थ है कि देश सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहा है या एआई पर शोध नहीं कर रहा है; बल्कि वास्तव में इसे बड़े पैमाने पर लागू कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में, जिसकी अध्यक्षता भारत ने फ्रांस के साथ मिलकर की थी।

पिछले दशक में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था रहा

इंडिया न्यूज नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय अर्थव्यस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि देश ने पिछले एक दशक में तेज आर्थिक वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान यह सबसे तेजी आगे बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। उपराष्ट्रपति ने यहां भारतीय विचार केंद्र द्वारा आयोजित चौथे पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान में कहा कि 1989 में जब वह सांसद थे और 1991 में जब वह केंद्रीय मंत्री थे, तब माहौल हमें प्रेरित नहीं करता था।

भारत ने पिछले एक दशक में तेजी से आर्थिक उछाल देखा संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति ने कहा, अब हमारा भारत सकारात्मकता और संभावनाओं से भरा हुआ है। यह आशा और आकांक्षाओं से भरा है। हर तरफ और हर जगह हम आशा और संभावनाओं का पारिस्थितिकी तंत्र देख सकते हैं। भारत ने पिछले एक दशक में तेजी से आर्थिक उछाल देखा है।

चार हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भारत...उन्होंने कहा कि देश पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द चार हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, भारत आठ प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ पिछले एक दशक में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था है।

न्यायपालिका के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई थी...इससे पहले कर्नाटक के हावेरी जिले के रानेबेन्नूर में आयोजित कर्नाटक वैभव साहित्य और सांस्कृतिक महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा था कि विभाजनकारी ताकतें अलग-अलग तरीकों से काम करती हैं। उन्होंने नए रास्ते अपनाए हैं और कई मुद्दों पर आप देखेंगे कि वे न्यायपालिका की ओर रुख कर रहे हैं। दरअसल, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि हाल के वर्षों में न्यायपालिका तक पहुंच के अधिकार को एक हथियार के तौर इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसा किसी अन्य देश में नहीं हो रहा है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने को लेकर भी राय रखी थी। उपराष्ट्रपति ने कहा था कि दुनिया के सबसे पुराने, सबसे मजबूत, सबसे प्रगतिशील और सबसे जीवंत लोकतंत्र वाले देश की चुनावी प्रक्रिया को गलत तरीके से प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस की मदद से स्टार्टअप्स ने 35,950 करोड़ रुपये के ऑर्डर किए पूरे

इंडिया न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्र के सामाजिक विकास के तहत सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने स्टार्टअप्स को 35,950 करोड़ रुपये के ऑर्डर पूरे करने में सक्षम बनाया है। इस बारे में रविवार को आधिकारिक जानकारी दी गई। महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी जीईएम पर कुल विक्रेता आधार में 8 प्रतिशत है, जिसमें कुल 1,77,786 उद्यम-वेरिफाइड महिला सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) जीईएम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं, जिन्होंने कुल 46,615 करोड़ रुपये के ऑर्डर पूरे किए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, लेटेस्ट आंकड़े बाजार में महत्वपूर्ण एक्टिविटी को दर्शाते हैं, जिसमें 162,985 प्राथमिक खरीदार, 228,754 द्वितीयक खरीदार और 11,006 प्रोडक्ट कैटेगरी और 332 सर्विस कैटेगरी की डायवर्स रेंज के साथ एक मजबूत इकोसिस्टम प्रदर्शित होता है। पिछले वित्त वर्ष में, ऑर्डर की मात्रा 62,86,543 तक पहुंच गई, जिसका ऑर्डर मूल्य 4,03,305 करोड़ रुपये था। अपनी गति को जारी रखते हुए, चालू वित्त वर्ष में पहले ही 4,52,594 करोड़ रुपये के 61,23,691 ऑर्डर दर्ज किए जा चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि कुल ऑर्डर मूल्य का 37.87 प्रतिशत माइक्रो और लघु उद्यमों (एमएसई) को दिया गया है, जो स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने और इंक्लूसिव आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में जीईएम की भूमिका को रेखांकित करता है।

स्वायत्त पोर्टल का कमिटमेंट है कि वह व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ाए और स्टार्टअप, महिला उद्यमियों, माइक्रो और लघु उद्यमों (एमएसई), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और युवाओं, विशेष रूप से समाज के पिछड़े वर्गों के लिए वार्षिक सार्वजनिक खरीद के लिए सीधे बाजार संपर्क स्थापित करे। स्टार्टअप रनवे 2.0 स्टार्टअप के लिए सरकारी खरीदारों के सामने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट और सर्विस को प्रदर्शित करने और सार्वजनिक खरीद में शामिल होने का एक अवसर है।

सरकारी ई-मार्केट प्लेस ने सभी स्टार्टअप के लिए एक डेडिकेटेड मार्केटप्लेस कैटेगरी बनाई है, जिसमें वे अपने प्रोडक्ट और सर्विस को लिस्ट कर सकते हैं। चाहे उनका डीपीआईआईटी-सर्टिफिकेशन कुछ भी हो। यह प्लेटफॉर्म स्टार्टअप को वे सभी मार्केटप्लेस सुविधाएं प्रदान करता है जो नियमित विक्रेताओं को उपलब्ध हैं और इसका उद्देश्य भारत के स्टार्टअप से "मेक इन इंडिया" खरीद को बढ़ावा देना है।

कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए आईआईसीए बैठक ईएसजी लीडरशिप पर केंद्रित

इंडिया न्यूज नेटवर्क

पणजी। नेशनल एसोसिएशन ऑफ इम्पैक्ट लीडर्स (एनएआईएल) की पहली बैठक 2025 में कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए भारत में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) नेतृत्व को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बैठक में संगठनात्मक रणनीतियों को विकसित ग्लोबल फ्रेम वर्क के साथ जोड़ने की जरूरत समझी गई।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रख्यात ईएसजी प्रोफेशनल, नीति निमार्ता और विचारक शामिल थे। इस कार्यक्रम में इंफोसिस (ठरए:क्तऋ) लिमिटेड की उपाध्यक्ष अरुणा सी. न्यूटन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे मजबूत शासन ढांचे हरित प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी ला सकते हैं, ताकि कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा मिल सके। प्रोफेसर गरिमा दाधीच द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा में नियामक परिवर्तनों के दूरगामी निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सेबी के नए मानदंड और कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग डायरेक्टिव (सीएसआरडी) शामिल है। इसमें कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए चुनौतियों और अवसरों दोनों पर प्रकाश डाला गया। संवाद को आगे बढ़ाते हुए सेबी के ऋण और हाइब्रिड सिक्योरिटीज विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उभरते ईएसजी रेटिंग लैंडस्केप में गहराई से काम करने की पेशकश की। जानकारियों को आगे बढ़ाते हुए, बाजार नियामक के कॉर्पोरेट वित्त विभाग के आधिकारिक प्रतिनिधि ने बीआरएसआर कोर के लिए निर्धारित औद्योगिक बेंचमार्क और ईएसजी अनुपालन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत व्यवसायों पर उनके ठोस प्रभाव का एक आधिकारिक ओवरव्यू पेश किया। टेक्नोलॉजी की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालते हुए, केपीएमजी इंडिया के एक वरिष्ठ विशेषज्ञ ने ईएसजी डेटा एनालिटिक्स, रिपोर्टिंग और निर्णय लेने में एआई के रोल पर एक प्रजेंटेशन दी। कार्यक्रम के दौरान,आईआईसीए ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सपोर्ट से आयोजित अपने प्रमुख ईएसजी वार्षिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण की भी घोषणा की, जो 2-3 जुलाई को आयोजित होने वाला है। इस कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन मार्च में शुरू होंगे।

एक नजर

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानंद ने केमेर को हराया, संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

नई दिल्ली। नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किये के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अरविंद चिदंबरम के साथ शीर्ष पर है। अरविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेइ यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किये के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाइ देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानंद का सामना अगले दौर में अरविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं।

गुजरात जाएंट्स के खिलाफ के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने उतरेगी यूपी वॉरियर्स

नई दिल्ली। गुजरात के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। दयालन हेमलता और हरलीन देओल खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। कप्तान एशले गार्डनर ने आरसीबी के खिलाफ 31 गेंद में 58 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। गार्डनर इस सत्र में तीन अर्धशतक लगा चुकी हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग की जरूरत है। यूपी वारियर्स महिला प्रीमियर लीग के अहम रिटर्न मुकाबले में सोमवार को गुजरात जाएंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य पिछली हार का बदला चुकता करके जीत की राह पर वापसी का होगा। दोनों के बीच पहला मैच वडोदरा में 16 फरवरी को हुआ था जिसमें गुजरात जाएंट्स ने छह विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद गुजरात को मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार दो मैचों में हराया। बंगलुरु में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को हराकर गुजरात ने प्लेआफ की उम्मीदें फिर जीवित की। अब यूपी वारियर्स, आरसीबी और गुजरात जाएंट्स के चार चार अंक हैं और वे तीसरे से पांचवें स्थान पर हैं। यूपी और गुजरात ने आरसीबी से एक मैच कम खेला है और यह मैच दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है । गुजरात के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। दयालन हेमलता और हरलीन देओल खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। कप्तान एशले गार्डनर ने आरसीबी के खिलाफ 31 गेंद में 58 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। गार्डनर इस सत्र में तीन अर्धशतक लगा चुकी हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग की जरूरत है। आरसीबी के खिलाफ मैच के बाद गार्डनर ने कहा था, हमने अलग अलग हालात में खेला है और अब हम लखनऊ जा रहे हैं।

'पाकिस्तान टीम से छह-सात खिलाड़ियों को बाहर कर...'

शाहिद अफरीदी ने वसीम अकरम को किया चैलेंज

नई दिल्ली। अफरीदी ने कहा, 'हम खिलाड़ियों को बाहर कर सकते हैं, लेकिन किसे लाएंगे? अगर हम ऐसा करते हैं, तो भी लोग इसके बारे में फिर से रोना शुरू कर देंगे।' चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पाकिस्तान के बाहर होने से उनके प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटर्स नाराज हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और महान गेंदबाज वसीम अकरम ने मोहम्मद रिजवान की टीम पर निशाना साधते हुए टीम में बदलने करने की सलाह दी थी। हालांकि, उनकी यह सलाह पाकिस्तान के एक और पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पसंद नहीं आई। अब अफरीदी ने अकरम के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। अकरम ने कहा था कि पाकिस्तान को खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने और अगले साल होने

वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए युवाओं को लाने की जरूरत है। अकरम ने कहा, 'बहुत हो गया। कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम लंबे समय से सफेद गेंद में पुराने स्टाइल में क्रिकेट खेल रहे हैं। इसे बदलने की जरूरत है। निडर होकर क्रिकेट खेलने की जरूरत है। युवा खिलाड़ियों को टीम में लाइए। अगर आपको छह-सात बदलाव करने हैं तो कृपया ऐसा करें। आप नए खिलाड़ियों के साथ अगले छह महीने तक मैच हारते रहें। अनुभवी खिलाड़ियों के होने पर हारने से ऐसा करना ठीक है, लेकिन अभी से टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम तैयार करना शुरू कर दीजिए।' अब लाइव टीवी पर अफरीदी ने कहा कि भारत के खिलाफ हार के बाद भावनाओं में 'बह जाना' सामान्य बात है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के कुछ सितारों को टीम से बाहर करने की अकरम की टिप्पणी की आलोचना की। अफरीदी ने कहा, 'मैं उस दिन वसीम भाई को सुन रहा था। हां, हम सभी भारत के खिलाफ हार के बाद भावनाओं में बह गए। उन्होंने कहा कि छह-सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने की जरूरत है। वसीम भाई, मेरा आपसे सिर्फ एक सवाल है। क्या आपकी बेंच पर छह-सात खिलाड़ी हैं जो उनकी जगह ले सकते हैं? क्या आपके पास घरेलू क्रिकेट में उन स्तर के खिलाड़ी हैं? क्या हमने उन्हें अकादमियों में तैयार किया है?'

भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया

वरुण चमके; सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से सामना

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने स्पिनरों के दम पर न्यूजीलैंड को हराकर ग्रुप चरण का अंत शानदार तरीके से किया। भारत ग्रुप ए में अजेय रही और सभी मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची। अब उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के दमदार प्रदर्शन से भारत ने ग्रुप ए के अंतिम मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया। भारत का ग्रुप चरण में अजेय अभियान जारी रहा और टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए इस चरण का अंत किया। भारत का सामना अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से चार मार्च को दुबई में होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, एक अन्य सेमीफाइनल में पांच मार्च को न्यूजीलैंड की भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका से लाहौर में होगी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर 50 ओवर में नौ विकेट पर 249 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए केन विलियमसन ने 81 रन बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 45.3 ओवर में 205 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए वरुण ने शानदार प्रदर्शन किया और 10 ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट झटके। वरुण का चैंपियंस ट्रॉफी में यह पहला ही मैच था और वह चमक बिखेरने में सफल रहे। न्यूजीलैंड एक समय अच्छी स्थिति में था, लेकिन वरुण ने दमदार प्रदर्शन कर भारत के पक्ष में रुख पलट दिया। भारत की ओर से वरुण के अलावा कुलदीप यादव ने दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला। दिलचस्प बात यह है कि भारत इस मुकाबले में चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था। भारतीय टीम को चार स्पिनर उतारने का फायदा मिला क्योंकि न्यूजीलैंड के नौ विकेट स्पिनरों ने ही झटके। भारत की ओर से मोहम्मद शमी एकमात्र गेंदबाज रहे जो खाली हाथ रहे। उन्होंने हालांकि, इस मैच में सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी की। न्यूजीलैंड की ओर से विलियमसन के अलावा कोई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। कीवी टीम के लिए कप्तान मिचेल सैंटनर ने 28 रन, टॉम लाथम ने 14, डेरिल मिचेल ने 17, विल यंग ने 22, रचिन रवींद्र ने 6, ग्लेन फिलिप्स ने 12 और मैट हेनरी ने दो रन बनाए। काइल जैमिसन नौ रन बनाकर नाबाद लौटे।

वेस्टइंडीज के नहीं खेलने से निराश हैं विवियन रिचर्ड्स, अफगानिस्तान से सीखने की दी सलाह

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और श्रीलंका दो ऐसी टीमें है जो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है लेकिन पाकिस्तान और दुबई में खेले जा रहे आठ-टीमों की प्रतियोगिता में के मौजूदा सत्र के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहीं। वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी विवियन रिचर्ड्स इस बात से निराश हैं कि उनकी टीम चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले सकी। रिचर्ड्स ने इसके साथ ही कैरेबियाई टीम को अफगानिस्तान से सीख लेने की हिदायत दी जो पहली बार आईसीसी के इस टूर्नामेंट में खेली थी।

वेस्टइंडीज और श्रीलंका दो ऐसी टीमें है जो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है लेकिन पाकिस्तान और दुबई में खेले जा रहे आठ-टीमों की प्रतियोगिता में के मौजूदा सत्र के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहीं। अफगानिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण में समाप्त हुआ। रिचर्ड्स ने कहा, मैं बस उम्मीद कर रहा हूं कि मेरी वेस्टइंडीज टीम अफगानिस्तान की किताब से सीख ले सकती है, क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने खेल में जुनून और ऊर्जा भर दी है। अफगानिस्तान क्रिकेट की दुनिया में इतने लंबे समय से नहीं हैं जितना शायद कुछ अन्य टीमें है लेकिन उनमें संघर्ष करने का जज्बा कमाल का है। जब आप चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को देखते हैं और वेस्टइंडीज को नहीं, तो इसका मतलब है कि अफगानिस्तान कुछ सही कर रहा है। रिचर्ड्स ने कहा कि वेस्टइंडीज को सुधार के लिए सिर्फ खिलाड़ियों ही नहीं, बल्कि इसमें शामिल सभी लोगों के प्रयासों की जरूरत होगी। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी से चूकने के अलावा वेस्टइंडीज भारत में 2023 वनडे विश्व कप का भी हिस्सा नहीं बन पाया था। रिचर्ड्स ने कहा, हमें खुद को वहां वापस लाने के लिए जहां हम एक बार थे शायद सिर्फ खिलाड़ियों की ही नहीं, बल्कि बोर्ड के उन लोगों की भी जरूरत होगी जो जिम्मेदार पदों पर हैं।

पाकिस्तान के टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का दिख रहा असर, स्टेडियम में नहीं उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। पाकिस्तान के टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का असर भी दिख रहा है और प्रशंसकों में इसे लेकर दिलचस्पी भी कम हो गई है। शनिवार को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच के लिए कराची नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे। पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में अच्छा नहीं रहा था और उसे ग्रुप चरण में ही हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान गत चैंपियन के रूप में इस टूर्नामेंट में उतरा था, लेकिन उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रही और पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड से हार मिली। इसके बाद दूसरे मैच में भारत ने भी पाकिस्तान को हराया जिससे वह सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। पाकिस्तान के टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का असर भी दिख रहा है और प्रशंसकों में इसे लेकर दिलचस्पी भी कम हो गई है। शनिवार को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच के लिए कराची नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे। इससे आयोजन स्थल पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने राहत की सांस ली कि उनके लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो गया है। कराची में 19 फरवरी से शुरू हुए चैंपियंस ट्रॉफी मैच के लिए इस शहर में कम से कम 7000 पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक रेंजर्स और यहां तक कि कुछ सैन्य इकाइयां भी ड्यूटी पर थीं। स्टेडियम में तैनात एसएसपी इमरान जमील ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, 'पिछले दो सप्ताह हमारे लिए काफी मुश्किल और तनावपूर्ण रहे हैं इसलिए अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड के साथ मैच में भी शांति रही।' जमील ने कहा कि टीमों, अधिकारियों, मीडिया और प्रशंसकों के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का काम इस टूर्नामेंट की शुरूआत से पहले ही आरंभ हो गया था। उन्होंने कहा, अब सुरक्षाकर्मी रमजान में सामान्य ड्यूटी पर लौट सकते हैं। क्रिकेट पत्रकार और विश्लेषक महमूद रियाज ने कहा कि घरेलू टीम के प्रदर्शन के कारण चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, हम इतने वर्षों के बाद एक बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबा

दिल्ली प्रीमियर लीग को मिल सकता है नया चैम्पियन

डॉ.श्रीकृष्ण शर्मा

नई दिल्ली। यहां आयोजित की जा रही दिल्ली सॉकर एसोसिएशन दिल्ली प्रीमियर लीग का विजेता कौन होगा यह स्पष्टतौर पर अभी कहना तो जल्दबाजी कही जा सकती है। लेकिन अभी तक के प्रदर्शन के हिसाब से देखा जाए तो सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स, गढ़वाल हीरोज, दिल्ली फुटबॉल क्लब और सुदेवा दिल्ली फुटबॉल क्लब मजबूती से इस तीसरे संस्करण की चैंपियनशिप की ओर बढ रही हैं। सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स की टीम 19 मैच खेलकर 41 अंक अर्जित करके प्रबल दावेदारों में शामिल है। इस टीम के बाकी तीन मैचों पर सभी की नजरें टिकी हैं। यदि यह तीनों मैच जीत जाती है तो दिल्ली प्रीमियर लीग की चैंपियनशिप पर अपना कब्जा कर सकती है। इस बार वाटिका बहुत पीछे छूट गई है जबकि गढ़वाल के 19 मैचों में 38 अंक हैं। दिल्ली एफसी ने 18 मैचों में 35 अंक और सुदेवा ने 33 अंक बनाये हैं। हालांकि फ्रेंड्स के 18 मैचों में 20 अंक हैं और अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। वायुसेना के 21 मैचों में 19 अंक बने हैं और मात्र एक मैच और खेलना जाना है। संभवतया यूनाइटेड भारत और वायुसेना को मुख्य लीग से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। यूनाइटेड भारत एफसी की बात करें तो, 20 मैचों में मात्र 2 जीत और 7 अंकों से साथ लीग से बाहर होना तय माना जा रहा है। दूसरी टीम भारतीय वायुसेना या फ्रेंड्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब में से कोई भी हो सकती है। खेले गए कुछ मुकाबलों में तरुण संघा, हिन्दुस्तान फुटबॉल क्लब और नेशनल यूनाइटेड ने बड़े उलटफेर कर खुद का काफी हद तक बचाव किया। यहां यह भी बता दें कि इस लीग के पहले संस्करण में वाटिका फुटबॉल क्लब ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। दूसरे संसकरण की विजेता गढ़वाल हीरोज की टीम बनी थी।

युकी भांबरी ने दुबई में पहला एटीपी 500 युगल खिताब जीता; बोल्लिपल्ली ने चिली ओपन युगल खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरूष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता । इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे। भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के माशेलो

अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी। उन्होंने ब्रिटेन के जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल को 5-7, 7-6, 10-5 से मात दी। पुरूष एकल वर्ग में स्टेफानोस सिटसिपास ने कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को हराकर खिताब जीता।

पिछले फाइनल की हार नहीं भुला पा रहे थे विदर्भ के कप्तान वाडकर,

अब जिताया टीम को तीसरी बार खिताब

कप्तान अक्षय वाडकर ने रविवार को अपनी टीम को तीसरा खिताब दिलाने के बाद कहा कि पिछले साल रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुंबई से हार इतनी कड़वी रही कि विदर्भ ने अगले सत्र के लिए मानसून से ही अभ्यास शुरू कर दिया था। विदर्भ ने रविवार को फाइनल मुकाबले में केरल को हराकर रणजी ट्रॉफी खिताब अपने नाम कर लिया। नागपुर में खेले गया यह मुकाबला पांचवें और अंतिम दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन विदर्भ ने केरल को पहली पारी के बढ़त के आधार पर मात दी और इस घरेलू टूर्नामेंट का चैंपियन बनने में सफल रहा। विदर्भ का यह तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब है। कप्तान अक्षय वाडकर ने रविवार को अपनी टीम को तीसरा खिताब दिलाने के बाद कहा कि पिछले साल रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुंबई से हार इतनी कड़वी रही कि विदर्भ ने अगले सत्र के लिए मानसून से ही अभ्यास शुरू कर दिया था। विदर्भ ने केरल पर पहली पारी में निर्णायक 37 रन की बढ़त हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। वाडकर ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा- पिछले साल हम फाइनल हार गये थे। इसलिए हमने मानसून के दौरान ही तैयारी शुरू कर दी थी। हर खिलाड़ी ने अपने खेल में सुधार के लिए मेहनत की। इस सत्र में शीर्ष दस रन बनाने वालों में विदर्भ के चार बल्लेबाज शामिल हैं। हर्ष दुबे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। यश (राठौड़) सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है और दानिश (मालेवार) के पास अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख पलटने की क्षमता है। एक कप्तान के रूप में रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने का सपना होता है।